UPHIN/2016/74800

हिन्दी साप्ताहिक

नई सोच, नया जुनून...

करण वाणी

4 नेशनल हेराल्ड के चक्रव्यूह में सोनिया...

5 मनाई गई सम्राट अशोक की जयंती

6 हमारा संविधान-हमारा स्वाभिमान...

● वर्ष : 09 ● अंक : 39 ● लखनऊ, सोमवार 21 अप्रैल 2025 ● मूल्य : 2 रु. ● पृष्ठ : 08

आर्य समाज मंदिर में हिंदू रीति-रिवाजों से हुई शादी भी वैध

करण वाणी संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक आदेश में कहा है कि आर्य समाज मंदिर में दो हिंदुओं (एक पुरुष व एक महिला) के वैदिक या अन्य प्रासंगिक हिंदू रीति-रिवाजों और समारोहों के अनुसार हुआ विवाह भी हिंदू विवाह अधिनियम 1955 की धारा सात के तहत वैध है। विवाह स्थल चाहे मंदिर, घर या खुली जगह हो, ऐसे उद्देश्य के लिए अप्रासंगिक है।

न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल ने कहा कि आर्य समाज मंदिर में विवाह वैदिक पद्धति के अनुसार सम्पन्न होते हैं, जिसमें कन्यादान, पाणिग्रहण, सप्तपदी एवं सिंदूर लगाते समय मंत्रोच्चार जैसे हिंदू रीति-रिवाज व संस्कार शामिल होते हैं और ये समारोह हिंदू विवाह अधिनियम की धारा सात की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि आर्य समाज से जारी प्रमाण पत्र में विवाह की प्रथमदृष्ट्या वैधता का वैधानिक बल नहीं हो सकता, फिर भी ऐसे प्रमाण पत्र बेकार कागज नहीं हैं क्योंकि उन्हें मामले की सुनवाई के दौरान भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 के प्रावधानों के अनुसार विवाह संपन्न कराने वाले पुरोहित द्वारा साबित किया जा सकता है। इसी प्रकार से विवाह पंजीकरण अधिनियम के तहत पंजीकरण इस बात का प्रमाणपत्र नहीं है कि विवाह वैध है। फिर भी यह महत्वपूर्ण दस्तावेज है। इसी के साथ कोर्ट ने एसीजेएम बरेली की अदालत में चल रही आपराधिक प्रक्रिया को रद्द करने की मांग में दाखिल महाराज सिंह की याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि वैदिक विवाह को हिंदू विवाह का सबसे पारंपरिक रूप माना जाता है, जिसमें वैदिक मंत्रों के उच्चारण के साथ कन्यादान, पाणिग्रहण और सप्तपदी जैसे विशिष्ट अनुष्ठान किए जाते हैं। यदि आर्य समाज मंदिरों में भी वैदिक रीति से विवाह सम्पन्न किया जाता है, तो वह तब तक वैध होगा, जब तक हिंदू विवाह अधिनियम की धारा सात की आवश्यकताएं पूरी होती हैं।

सास अपनी बहू के खिलाफ दर्ज करा सकती है घरेलू हिंसा का केस

प्रयागराज। आपने अक्सर साल की प्रताड़ना की बात सुनी और देखी होगी। लेकिन इलाहाबाद हाईकोर्ट में हाल ही में एक ऐसा मामला दर्ज हुआ जिसमें एक सास ने अपनी बहु के खिलाफ घरेलू हिंसा की शिकायत की है। इस मामले में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान यह भी सवाल उठा कि क्या सास अपनी बहु के खिलाफ इस तरह का मामला दर्जा करा सकती है? इस मामले पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने इसकी इजाजत दी।हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में कहा है कि सास भी अपनी बहू के खिलाफ घरेलू हिंसा अधिनियम, 2005 के तहत शिकायत दर्ज करा सकती है। यह फैसला न्यायमूर्ति आलोक माथुर ने दिया, जिन्होंने लखनऊ की एक निचली अदालत द्वारा बहू और उसके परिवार के खिलाफ जारी समन को सही ठहराया। आपको बता दें कि यह मामला 'स्मृति गरिमा एवं अन्य बनाम उत्तर प्रदेश राज्य' के नाम दाखिल हुआ था, जिसमें बहू और उसके परिवार ने निचली अदालत द्वारा जारी समन को चुनौती दी थी।इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि अधिनियम की धारा 12 के तहत राहत की याचिका कोई भी ऐसी महिला दाखिल कर सकती है, जो घरेलू संबंध में साझा घर में रह रही हो और पीड़ित हो। कोर्ट ने कहा, यदि सास को उसकी बहू या परिवार के किसी अन्य सदस्य द्वारा मानसिक या शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है, तो वह भी पीड़ित महिला की परिभाषा में आएगी और अधिनियम की धारा 12 के तहत याचिका दाखिल करने का अधिकार रखती है।मूल शिकायत में सास ने आरोप लगाया था कि बहू अपने पति (शिकायतकर्ता का बेटा) पर उसके मायके में जाकर रहने का दबाव बना रही है। इसके अलावा, बहू द्वारा ससुरालवालों के साथ दुर्व्यवहार और झूठे केस में फंसाने की धमकी देने का आरोप भी लगाया गया था। वहीं, बहू के वकील ने कोर्ट में दलील दी कि यह शिकायत बहू द्वारा दर्ज कराए गए दहेज उत्पीड़न और घरेलू हिंसा के मामले के जवाब में बदले की भावना से की गई है।

शिमला में बारिश और ओलावृष्टि से लौटी ठंड, 22 से खुलेगा मौसम

शिमला। हिमाचल प्रदेश में रविवार को मौसम के कड़े तेवर देखने को मिले। गर्मी के बीच शिमला समेत राज्य के कई हिस्सों में तेज बारिश और ओलावृष्टि हुई, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई और ठंड का असर एक बार फिर लौट आया। शिमला शहर में सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे और दोपहर को तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई। इस दौरान कई इलाकों में बड़े आकार के ओले भी गिरे।मौसम के इस अचानक बदले मिजाज से स्थानीय लोग ठिठुरने लगे, जबकि गर्मी से राहत की उम्मीद लेकर आए पर्यटक भी ठंड से परेशान दिखे। राजधानी शिमला का अधिकतम तापमान रविवार को सामान्य से काफी नीचे चला गया है।

राज्य की राजनीति में फैल रहे दो कैंसर

पीड़ितों से मिलने पहुंचे राज्यपाल

एजेंसी

नई दिल्ली। वक्फ कानून को लेकर पश्चिम बंगाल के कई जिलों में भड़की सांप्रदायिक हिंसा के बाद सरकार और राज्यपाल के बीच भी ठन गई है। एक तरफ जहां राज्यपाल सी वी आनंद बोस ने हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा करने की घोषणा कर हलचल मचाई थी, वहीं दूसरी तरफ मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार ने कई बार राज्यपाल से ऐसे क्षेत्रों पर ना जाने की अपील की थी।

हालांकि इन सभी अपीलों को दरकिनार रखते हुए राज्यपाल सी वी आनंद बोस शुक्रवार को मालदा और मुर्शिदाबाद जैसे जिलों की यात्रा पर रवाना हो गए हैं। इस दौरान उन्होंने हिंसा पीड़ितों संग मुलाकात भी की है। इस बीच राज्य बंगाल की स्थिति पर बात करते हुए राज्यपाल ने कहा है कि बंगाल में हिंसा का मामला नया नहीं है और यह एक सतत मुद्दा है।

राज्यपाल सी वी बोस ने कहा कि पश्चिम बंगाल की राजनीति में दो चीजें कैंसर की तरह बढ़ रही है, हिंसा और भ्रष्टाचार। उन्होंने कहा, ÷बंगाल में हिंसा की संस्कृति वास्तविकता है। पश्चिम बंगाल की राजनीति में दो चीजें कैंसर की तरह बढ़ीं हैं - एक हिंसा और दूसरी भ्रष्टाचार। हमें इसकी जड़ों को खत्म करना होगा। मुझे यकीन है कि जीत हमारी होगी।

राष्ट्रीय राजमार्ग बाधित, 250 घर क्षतिग्रस्त, तीन की मौत, 100 को बचाया गया

तेज बारिश ने मचाई तबाही

एजेंसी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के रामबन में तेजी बारिश और ओलावृष्टि की वजह से कम से कम 30 घर धराशायी हो गए। धर्मकुंड में अचानक आई बाढ़ में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई है वहीं एक लापता है। जानकारी के मुताबिक तेज बारिश के बाद कई जगह भूस्खलन हो गया। इसकी वजह से कई घर तहस-नहस हो गए। वहीं घर गिरने की वजह से दो बच्चों की जान चली गई। बाढ़ और कीचड़ की वजह से श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग कई जगहों पर अवरुद्ध हो गया है।

रामबन के चिला कमिश्नर बसीर-उल-हक चौधरी ने कहा कि सेरी चंबा गांव में घर गिरने की वजह से दो बच्चो की मौत हुई है। 10 घर पूरी तरह धराशायी हो गए हैं। उन्होंने कहा कि रात करीब 1 बजे तेज बारिश और ओवावृष्टि शुरू हो गई। बारिश इतनी तेज थी कि भूस्खलन होने लगा और धर्मकुंड में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई। कम से कम 45 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया है।तेज बारिश की वजह से रामबन कस्बा, बनिहाल, खारी, बटोटे, धर्मकुंड और शेरी चंबा में तबाही हुई है। जानकारी के मुताबिक इन इलाकों में अब भी तेज बारिश जारी है। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। स्कूलों में भी रुकने और खाने-पीने की व्यवस्था की गई है।

हक ने कहा कि पुलिस के साथ एसडीआरएफ की टीमों को तैनात किया गया है। जम्मू-श्रीनगर हाइवे पर भूस्खलने की वजह से आवाजाही रुक गई है। कई जगहों पर बड़े-बड़े पत्थर भी गिरे हैं। जानकारी के मुताबिक हाइवे कई जगहों पर बह गया है। वहीं कार, ट्रक और अन्य वाहनों को रोक दिया गाय है। लोगों से सावधान रहने को कहा गया है। आपातकाल स्थिति के लिए 24x7 हेल्पनाइन नंबर जारी किया गया है जो इस प्रकार है- 01998-295500, 01998-266790

ट्रैफिक पुलिस अधिकारी ने कहा कि चंदरकोटे, मोम पासी और मारोग में ट्रकों को रोक दिया गया है। इन इलाकों में हाइवे पर पत्थर गिर गए हैं। भारी बारिश की वजह से हाइवे को ठीक करने का काम शुरू नहीं होपाया है। उम्मीद है कि शाम तक मौसम ठीक होगा तो सड़क पर से मलबे को हटाया जाएगा।

सौरव कोठारी पंकज आडवाणी को हराकर आईबीएसएफ विश्व बिलियर्ड्स चैंपियन बने

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के दिग्गज क्यू खिलाड़ी सौरव कोठारी ने आयरलैंड के कार्लो में कई बार के विजेता पंकज आडवाणी को फाइनल में हराकर 2025 आईबीएसएफ विश्व बिलियर्ड्स खिताब जीत लिया। क्यू स्पोर्ट्स की दुनिया ने बुधवार को स्नूकर और बिलियर्ड्स आयरलैंड (एसबीआई) अकादमी में प्रतिष्ठित खिताब के लिए भारत के दो बेहतरीन खिलाड़ियों-कोठारी और आडवाणी के बीच रोमांचक मुकाबला देखा।

कोठारी (40 वर्ष) आडवाणी को 725-480 अंक से हराकर चैंपियन बने। कोठारी का 325 का ब्रेक मैच का सबसे शानदार पल था जो हालिया चैंपियनशिप के इतिहास में सबसे बेहतरीन प्रयास में से एक भी रहा। कोठारी ने 119 और 112 के ब्रेक भी लगाए। इस जीत से कोठारी ने पहला ऐतिहासिक आईबीएसएफ विश्व खिताब (टाइम्ड' प्रारूप) अपने नाम किया।

भारी मात्रा में हथियारों की खेप बरामद, आईएसआई समर्थित दो आतंकी मॉड्यूल धवस्त

13 आतंकी गिरफ्तार

एजेंसी

चंडीगढ़।पंजाब पुलिस ने दो 2 आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश करते हुए 13 आतंकियों को गिरफ्तार किया है, जिसमें एक नाबालिग भी शामिल है। खुफिया इनपुट के आधार पर अंज़ाम दिये गए ऑपरेशन के दौरान भारी मात्रा में हथियारों की खेप बरामद हुई है। गिरफ्तार आतंकियों ने कई थानों और लोगों की टारगेट किलिंग करनी थी।

बब्बर खालसा इंटरनेशनल द्वारा विदेश से संचालित किए जा रहे पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई समर्थित दो आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ कर पंजाब पुलिस ने बड़ी कामयाबी हासिल की है। पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने यह जानकारी दी है। पकड़े गए आतंकियों से पुलिस ने आरपीजी (एक लॉन्चर सहित), 2.5 किलोग्राम की दो 2 आईईडी, डेटोनेटर के साथ 2 हथगोले, रिमोट कंट्रोल के साथ 2 किलोग्राम आरडीएक्स, 5 पिस्तौल, 6 मैगजीन, 44 जिंदा कारतूस, 1 वायरलेस सेट और 3 वाहन बरामद किए हैं।डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि बब्बर खालसा इंटरनेशनल के आतंकी सतनाम सिंह उर्फ सत्ता नौशेरा फ्रांस में बैठकर देश में अपने गुर्गों के जरिए आतंकी गतिविधियां करवा रहा है।

उसके चार गुर्गों जतिंदर उर्फ हनी, जगजीत उर्फ जग्गा कपूरथला, हरप्रीत और जगरूप होशियारपुर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने लोडेड आरपीजी, 2 आईईडी (2.5 किलोग्राम प्रत्येक), डेटोनेटर के साथ 2 ग्रेनेड, 2 किलोग्राम आरडीएक्स रिमोट कंट्रोल, 3 पिस्तौल, 6 मैगजीन, 34 जिंदा राउंड, 1 वायरलेस सेट सहित अन्य सामान बरामद किया।दूसरा मॉड्यूल ग्रीस और पाकिस्तान से जुड़ा है। इस मॉड्यूल को ग्रीस और पाकिस्तान आधारित आतंकियों द्वारा चलाया जा रहा है। ग्रीस में छिपा जसविंदर उर्फ मन्नू अगवान पाक आधारित हरविंदर रिंदा से जुड़ा हुआ है।

ममता बनर्जी ने भाजपा पर लगाया तनाव भड़काने का आरोप

एजेंसी

कोलकाता। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य की हालिया घटनाओं को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि भाजपा पश्चिम बंगाल में सांप्रदायिक तनाव फैलाने की कोशिश कर रही है।मुख्यमंत्री ने यह आरोप एक खुले पत्र के माध्यम से लगाया, जिसमें उन्होंने राज्यवासियों को सतर्क रहने की अपील की। ममता ने लिखा, ÷भाजपा और उसके सहयोगी अचानक पश्चिम बंगाल में बेहद आक्रामक हो गए हैं। इनके सहयोगियों में आरएसएस भी शामिल है। ये लोग एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना की आड़ में जानबूझकर उकसावे की राजनीति कर रहे हैं।ममता ने लिखा, हम सबको प्रेम करते हैं, मिलकर रहना चाहते हैं। हम दंगों की निंदा करते हैं और उसके

सख्त खिलाफ हैं। ये लोग हमें बांटने की साजिश कर रहे हैं ताकि संकीर्ण राजनीतिक लाभ हासिल किया जा सके।मुख्यमंत्री ने शांति और एकता बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि हिंसा के पीछे मौजूद अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने जनता से आपसी अविश्वास से बचने और सतर्क रहने की भी अपील की।

अवमानना की कार्यवाही के लिए वकील ने लिखा लेटर, बयान को बताया भड़काऊ

निशिकांत दुबे की मुश्किलें बढ़ीं

एजेंसी

नई दिल्ली।निशिकांत दुबे की मुश्किलें बढ़ीं, अवमानना की कार्यवाही के लिए वकील ने लिखा लेटर; बयान को बताया भड़काऊ

सुप्रीम कोर्ट और सीजेआई संजीव खन्ना पर विवादित टिप्पणी करके फंसे बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे की मुश्किलें बढ़ गई हैं। वक्फ अधिनियम मामले में एक वादी का प्रतिनिधित्व करने वाले सुप्रीम कोर्ट के एक वकील ने अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमण को लेटर लिखकर निशिकांत दुबे के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू करने की सहमति मांगी है। दुबे ने कहा था कि इस देश में गृह युद्ध के लिए सीजेआई संजीव खन्ना जिम्मेदार हैं। अटॉर्नी जनरल को लिखे अपने लेटर में वकील अनस तनवीर ने कहा कि दुबे की टिप्पणी बेहद

अपमानजनक और खतरनाक रूप से भड़काऊ है।

लेटर में कहा गया, मैं यह लेटर कोर्ट की अवमानना अधिनियम, 1971 की धारा 15(1)(बी) के तहत, सर्वोच्च न्यायालय की अवमानना के लिए कार्यवाही को विनियमित करने के नियम, 1975 के नियम 3(सी) के साथ लिखकर झारखंड के गोड्डा संसदीय क्षेत्र से माननीय लोकसभा सदस्य निशिकांत दुबे के खिलाफ आपराधिक अवमानना कार्यवाही शुरू करने के लिए आपकी विनम्र सहमति मांग रहा हूं, क्योंकि उन्होंने सार्वजनिक रूप से ऐसे बयान दिए हैं जो बेहद निंदनीय, भ्रामक हैं और जिनका उद्देश्य भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय की गरिमा और अधिकार को कम करना है।दुबे की यह टिप्पणी केंद्र सरकार द्वारा सुप्रीम कोर्ट को दिए गए आश्वासन के बाद आई है कि वह वक्फ (संशोधन) अधिनियम के कुछ विवादास्पद प्रावधानों को सुनवाई के अगले दिन तक लागू नहीं करेगी, क्योंकि न्यायालय ने उन पर सवाल उठाए हैं। बीजेपी ने शनिवार को दुबे द्वारा सुप्रीम कोर्ट की आलोचना से खुद को अलग कर लिया और पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा ने इन टिप्पणियों को उनका निजी विचार बताया।

नड्डा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, भाजपा का उसके सांसदों निशिकांत दुबे और दिनेश शर्मा की न्यायपालिका और प्रधान न्यायाधीश पर की गई टिप्पणियों से कोई लेना-देना नहीं है।

बंगलूरू एयरपोर्ट पर इंडिगो विमान से टकराई मिनी बस

एजेंसी

बंगलूरू। कर्नाटक में केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर एक मिनी बस खड़ी इंडिगो विमान से टकरा गई। एयरपोर्ट के एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है। हालांकि, कुछ रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि एक शख्स घायल हुआ है। एयरपोर्ट के प्रवक्ता ने बताया कि वाहन %गैर-परिचालन विमान के अंडरकैरिज% से टकराया। मतलब विमान परिचालन में नहीं था। वह मरम्मत कार्य के लिए पार्किंग बे में खड़ा था।एक बयान में कहा गया कि 18 अप्रैल, 2025 को लगभग 12¬15 बजे एक थर्ड पार्टी ग्राउंड हैंडलिंग एजेंसी की ओर से संचालित वाहन ने केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट बंगलूरू में खड़े एक गैर-

परिचालन विमान के अंडरकैरिज से टकरा गया। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। संबंधित हितधारकों के साथ समन्वय में सभी आवश्यक प्रोटोकॉल का तुरंत पालन किया गया। हमारे यात्रियों, एयरलाइन भागीदारों और एयरपोर्ट कर्मियों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

इंडिगो एयरलाइंस ने कहा कि हमें एयरपोर्ट पर पार्क किए गए इंडिगो विमान और तीसरे पक्ष के ग्राउंड वाहन से जुड़ी घटना की जानकारी है। जांच जारी है और आवश्यकतानुसार सभी आवश्यक कार्रवाई शुरू की जाएगी। एयरलाइंस ने एयरपोर्ट पर हुई घटना पर एक प्रेस बयान भी जारी किया।

बॉर्डर के पास तटबंध से खड़ी हुई टेंशन

भारत के खिलाफ नई साजिश रच रहा बांग्लादेश

एजेंसी

नई दिल्ली।सत्ता परिवर्तन के बाद से ही बांग्लादेश और भारत के बीच संबंध खराब होते जा रहे हैं। अब बांग्लादेश ने भारत के खिलाफ एक और साजिश रची है। वह दक्षिण त्रिपुरा में मुहुरी नदी के पास एक और तटबंध बना रहा है। इसकी वजह से सीमा से सटे शहरों में बाढ़ की आशंकाएं बढ़ गई हैं।

बेलोनिया के सीपीएम विधायक दीपांकर सेन ने इस मुद्दे को उठाते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय से तुरंत इसमें हस्तक्षेप करने की मांग क है।टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, नदी पर बन रहा यह तटबंध डेढ़ किलोमीटर लंबा और 20 फीट ऊंचा है। सेन ने कहा कि इंदिरा-मुजीब समझौते के अनुसार, किसी भी देश को बॉर्डर के 150 गज के अंदर किसी भी तरह का निर्माण करने की अनुमति

नहीं है। इस समझौते के बाद भी बॉर्डर से 50 गज की दूरी और कुछ जगह 10 गज की दूरी पर इस तटबंध का निर्माण किया जा रहा है। इसी समझौते के चलते दक्षिणी त्रिपुरा के इलाकों में बांग्लादेश की आपत्ति के बाद कई प्रोजेक्ट्स भी रोक दिए गए।

मुख्यमंत्री कार्यालय के सूत्रों का कहना है कि वे इस मामले में रिपोर्ट मिलने का इंतजार कर रहे हैं। वहीं, एसपी साउथ त्रिपुरा ने कहा, %%हमारे नोटिस में मामला सामने आया है और हम इसकी जांच कर रहे हैं। फिलहाल अभी कोई दिक्कत वाली बात नहीं है। भारत-बांग्लादेश बॉर्डर के पास मुहुरी नदी के नजदीक स्थित शहरों में रहने वाले कम से कम 500 परिवारों को इस तटबंध के निर्माण की वजह से मॉनसून में बाढ़ आने का डर है। बता दें कि तटबंध नदी के पानी के बहाव को रोकता है और इसकी वजह से ही बेलोनिया में बाढ़ आने की आशंका बढ़ गई है। शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद से ही भारत और बांग्लादेश के बीच रिश्ते खराब हो गए। मोहम्मद यूनुस के कार्यकाल में बांग्लादेश में हिंदू सुरक्षित नहीं हैं। इस हफ्ते की शुरुआत में बांग्लादेश के दिनाजपुर जिले के बिराल उपजिला में भावेश चंद्र रॉय नामक शख्स को पहले अगवा किया गया और फिर उसे पीट-पीटकर मार डाला गया। इससे दोनों देशों में टेंशन बढ़ गई। भारत ने बांग्लादेश को मुंहतोड़ जवाब दिया।

संक्षिप्त खबरें

मरीज को एपेक्स ट्रॉमा ने लौटाया, निजी ने भर्ती किया

लखनऊ। हादसे में जख्मी मोहनलालगंज के जिस मजदूर को एपेक्स ट्रॉमा सेंटर (एटीसी) ने आयुष्मान कार्ड होने के बावजूद पहले एक लाख रुपये जमा करने की बात कहकर भर्ती नहीं किया था। उसी मरीज को कुछ लोगों की मदद से परिजन निजी अस्पताल ले गए जहां डाक्टरों ने आइसीयू में भर्ती कर आयुष्मान कार्ड से उपचार शुरू कर दिया। आर्थिक तंगी के चलते मरीज दो दिन से घर पर ही था। उसका इलाज नहीं हो पा रहा था। मोहनलालगंज के गौरा कालोनी निवासी मनोज कुमार (32) सोमवार की रात्रि करीब 10 बजे अपने घर की छत से गिर गया था। निजी अस्पताल में एमआरआई कराने के बाद परिजन गुरुवार को सीएचसी मोहनलालगंज ले गए। जहां से एम्बुलेंस से पीजीआई एटीसी भेज दिया गया। भाई दिनेश कुमार ने बताया कि वहां पर डाक्टरों ने पहले एक लाख रुपये जमा करने की बात कही। आयुष्मान कार्ड होने के बावजूद भर्ती नहीं किया। परिजन मरीज को घर ले आये थे। शुक्रवार को मरीज आर्थिक तंगी के चलते दिन भर घर पर रहा। शनिवार को आस-पड़ोस के कुछ समाजसेवी लोगों की मदद से परिजन मोहनलालगंज के एक निजी अस्पताल लेकर गए, जहां डाक्टरों ने तुरंत मरीज को आईसीयू में भर्ती कर इलाज शुरू कर दिया।

कागज की गड्डी थमा कर महिला से हड़पे जेवर

लखनऊ। सआदतगंज कोतवाली में महिला ने दम्पति के खिलाफ कागज की गड्डी थमा कर जेवर हड़पने का मुकदमा दर्ज कराया। आरोपितों ने महिला को बातों में उलझाते हुए गड्डी में जेवर से दोगुनी कीमत के नोट होने का दावा किया था। मंसूरनगर निवासी रानी घरों में काम करती है। 17 अप्रैल की शाम करीब 7.35 अशरफाबाद से काम करने के बाद घर लौट रही थी। गिराधारी लाल इण्टर कॉलेज के पास पहुंचने पर एक महिला और पुरुष मिले। जिन्होंने कहा कि वह लोग दूसरे शहर के रहने वाले हैं। मुसीबत में फंसे है। उनके पास काफी रुपये हैं। जिन्हें लेकर सफर करना मुश्किल हो रहा है। इसलिए आप हमसे रुपयों की गड्डी लेकर गहने दे दें। पीड़िता आरोपितों की बातों में उलझ गई। रानी ने बाली और चेन उतार कर उन्हें दी। वहीं, दम्पति ने महिला को गड्डी थमा कर चले गए। घर पहुंच कर महिला ने गड्डी खोली तो उसमें कागज मिले। इंस्पेक्टर संतोष कुमार आर्य के मुताबिक मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

व्यापारी ने ड्राइवर पर धोखाधड़ी का दर्ज कराया मुकदमा

लखनऊ। तालकटोरा कोतवाली में व्यापारी ने ड्राइवर के खिलाफ सवा दो लाख रुपये हड़पने का आरोप लगाया है। पुरान हैदरगंज निवासी सौरभ गुप्ता के मुताबिक पांच अप्रैल को काकोरी ईंटगांव निवासी ड्राइवर अनिल मौर्या माल सप्लाई करने फतेहपुर गया था। सामान देने के बाद ड्राइवर को करीब दो लाख 38 हजार रुपये मिले थे। जिन्हें लेकर आरोपित वापस नहीं लौटा। उसका मोबाइल नम्बर भी बंद है। काफी प्रयास के बाद भी रुपये वापस नहीं मिलने पर सौरभ ने तालकटोरा कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है।

स्कूटी की डिक्की तोड़ दो लाख किए पार

लखनऊ। बैंक से रुपये निकाल कर निकले व्यापारी के स्कूटी की डिक्की तोड़ कर दो लाख रुपये चोरी किए गए। पीड़ित ने कैंट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है। मोतीनगर निवासी व्यापारी अर्जुन महेंद्र का अकाउंट एसबीआई सदर बाजार ब्रांच में है। 16 अप्रैल को अर्जुन ने खाते से तीन लाख रुपये निकाले। एक लाख रुपये जेब में रखे। वहीं, दो लाख रुपये स्कूटर की डिक्की में रख दिए। इसके बाद वह कलाकुंज स्थित नवीन ट्रांजिस्टर की दुकान पर कुछ पेमेंट किया। वहां से निकल कर छावनी रोड स्थित सीमेंट की दुकान पर पहुंचे। पेमेंट के लिए डिग्गी खोलने पर वह टूटी मिली और करीब दो लाख रुपये गायब थे। यह आरोप लगाते हुए पीड़ित ने कैंट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है।

कैटर्स ने जहरीला पदार्थ खाकर जान दी

लखनऊ। सरोजनीनगर में शुक्रवार को कैटर्स सोनू (35) ने जहरीला पदार्थ खाकर जान दे दी। आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। सरोजनीनगर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हाइडिल कॉलोनी निवासी अभिषेक के मुताबिक भाई कैटर्स सोनू (35) शुक्रवार को घर के पास स्थित गोदाम गए थे। काफी समय बीतने के बाद भी देर रात तक वह घर लौटकर नहीं आए। सोने को देखने गोदाम पहुंचे तो वह मृत हालत में वहां पड़े थे। मुंह से झाग निकल रहा था। उन्हें लोकबंधु अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिवार में पत्नी सुमन व दो बच्चे हैं। इंस्पेक्टर सरोजनीनगर के मुताबिक परिवार वालों ने किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मां की डांट से नाराज युवती ने कीटनाशक पी लिया, मौत

लखनऊ। बंथरा में मां की डांट से नाराज सलोनी (18) ने कीटनाशक पीकर जान दे दी। ज्ञानपुर निवासी आरती के मुताबिक बेटी सलोनी बीते वर्ष इंटर की परीक्षा पास करने के बाद सिलाई सीख रही थी। शुक्रवार को खराब कपड़े सिलने पर सलोनी को डांट दिया था। कुछ देर बाद खेत पर जाकर सलोनी ने कीटनाशक पी लिया। परिवार के लोग खेत पहुंचे तो सलोनी की हालत बिगड़ने लगी। उसे लोक बुंध अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिवार में पिता सुनील व भाई अमन और सौरभ हैं। पिता सुनील खेती किसानी करते हैं।

डंपर की टक्कर से ई-रिक्शा ड्राइवर की मौत

लखनऊ। दुबग्गा स्थित अंधे की चौकी के पास शुक्रवार रात डंपर की टक्कर से ई-रिक्शा ड्राइवर मो. अजीज (26) की मौत हो गई। उधर, हादसे के बाद ड्राइवर डंपर लेकर मौके से भाग निकला। फरीदीपुर निवासी मो. अजीज (26) ई- रिक्शा चलाता था। शुक्रवार रात में वह सवारी छोड़कर अंधे की चौकी स्थित यूनियन बैंक के पास पहुंचा ही था तभी तेज रफ्तार डंपर ने ई- रिक्शा में टक्कर मार दी। टक्कर से अजीज ई-रिक्शा के नीचे दबकर गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मी उन्हें अस्पताल ले गए। जहां इलाज के दौरान अजीज ने दम तोड़ दिया। परिवार में पत्नी सूफिया और दो बच्चे हैं। इंस्पेक्टर बंथरा के मुताबिक तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

तार की चिंगारी से गेहूं की फसल जली, किसान झुलसा

लखनऊ। बंथरा के बेंती गांव में शनिवार को खेत के ऊपर से गुजरे बिजली के तार आपस में टकराने से निकली चिंगारी से आग लग गई। आग की चपेट में आकर 12 बिस्वा गेहूं की फसल जलकर बर्बाद हो गई। आग बुझाने के दौरान एक किसान के पैर झुलस गए। अग्निशमन कर्मियों ने एक दमकल की मदद से डेढ़ घंटे में आग पर काबू पा लिया। बेती गांव में शनिवार को किसान शशिकांत शुक्ला और डिप्पो के खेत के ऊपर से बिजली की लाइन गुजरी है। शनिवार सुबह नौ बजे तेज हवा के कारण बिजली के तार आपस में टकरा गए। तारों के टकराने से निकली चिंगारी से गेहूं की फसल जलने लगी। सूचना पर पहुंचे शशिकांत खेत पहुंचकर आग बुझाने लगे। इस बीच आग की चपेट में आकर शशिकांत का पैर झुलस गया। सूचना पर कुछ ही देर में एफएसओ सरोजनीनगर सुमित प्रताप सिंह एक दमकल के साथ पहुंच गए। डेढ़ घंटे की मशक्कत कर अग्निशमन कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया।

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद अधिवेशन आज

लखनऊ। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद का 20 अप्रैल 2025 को प्रस्तावित द्विवार्षिक अधिवेशन एपी सेन सभागार लखनऊ विश्वविद्यालय में संम्पन्न होगा। परिषद के महामंत्री अतुल मिश्रा ने बताया कि उक्त अधिवेशन में परिषद से सम्बद्ध संगठनों के अध्यक्ष, महामंत्री,महासचिव प्रतिनिधि के रूप में शामिल होंगे और प्रत्येक जनपद शाखा के 05-05 प्रतिनिधि व अन्य पदाधिकारी,सदस्य पर्यवेक्षक के रूप मे शामिल होंगे। परिषद के प्रान्तीय पदाधिकारीगण व मण्डल अध्यक्ष,मंत्री भी प्रतिनिधि के रूप में शामिल होंगे। श्री मिश्र ने बताया कि उक्त अधिवेशन में इप्सेफके कोर कमेटी के सदस्य गुजरात, छत्तीसगढ़, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, महाराष्ट्र आदि प्रदेशाध्यक्ष व महामंत्री विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। उक्त अधिवेशन दो सत्रों में प्रस्तावित है। जिसमे प्रथम सत्र में मुख्य अतिथि का स्वागत, दीप प्रज्वलन, महामंत्री की रिपोर्ट, वक्ताओं द्वारा अपने विचार रखे जायेंगे। उसके उपरान्त भोजनावकाश तथा दूसरे सत्र में अधिवेशन में उपस्थित समस्त प्रतिनिधि नई कार्यकारिणी का चयन करेंगे जो पुनः दो वर्ष के लिए कार्य करेगी। आज की समीक्षा मे यह पाया गया कि प्रदेश के समस्त जनपदों व सम्बद्ध संगठनो के प्रतिनिधि भारी मात्रा में शामिल होकर कर्मचारी समस्याओं पर सरकार के रूख पर विचार विमर्श करेंगे और आगे के आन्दोलनात्मक कार्यक्रमों पर भी निर्णय होगा।

श्रेयस ने हासिल की एआईआर 6

जेईई मेंस में 99 पर्सेंटाइल से अधिक नंबर पाने वाले छात्रों की संख्या 50 से ऊपर

करण वाणी संवाददाता

लखनऊ। जेईई मेन्स 2025 परीक्षा का परिणाम जारी कर दिया गया है। जिसमें नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने टॉपर्स की लिस्ट भी जारी कर दी है। इस परीक्षा में शामिल होने वाले उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट रममउंपद.दजं.दपब.पद पर जाकर परिणाम देख सकते हैं। इस परीक्षा में उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के 50 से अधिक छात्रों ने 99 पर्सेंटाइल या उससे अधिक अंक प्राप्त किये हैं। शीर्ष उपलब्धि हासिल करने वालों में श्रेयस लोहिया, कुशाग्र बेंगहा और कृष्णा अग्रवाल का नाम शामिल है। 100 परसेंटाइल के साथ श्रेयस ने आल इंडिया में छठी, कुशाग्र ने 7वीं और कृष्णा ने 48वीं रैंक हासिल की है। दरअसल, ये परीक्षा भारत में सबसे चुनौतीपूर्ण परीक्षाओं में से एक है। यही वजह है कि जेईई मेन्स परीक्षा दो सत्रों में आयोजित की जाती है ताकि छात्रों को अपने स्कोर सुधारने के अधिक मौके मिल सकें। जेईई एडवांस उन छात्रों के लिए प्रवेश का द्वार खोलता

श्रेयस लोहिया

है जो प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में जाना चाहते हैं, जबकि जेईई मेन्स के जरिए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों और अन्य सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश का रास्ता बनता है। 18 अप्रैल को जेईई मेन्स का परिणाम आया है। जिसमें लखनऊ के छात्रों ने अपना परचम लहराया है और अपने शहर व परिवार का नाम रौशन किया है। श्रेयस लोहिया ने जेईई मेंस में ऑल इंडिया लेवल पर छठी रैंक की है। श्रेयस ने कहा की उन्होंने 11वीं क्लास से ही इंजीनियरिंग की तैयारी में शुरू कर दी थी और वो हर रोज पांच से छह घंटे का लक्ष्य बनाकर पढ़ाई करते थे। उन्होंने दो सब्जेकट्स फिजिक्स और मैथ्स पर ज्यादा फोकस किया। वहीं उन्होंने कहा कि केमिस्ट्री उनके लिए आसान थी, जो भी स्टूडेंट्स जेईई की तैयारी कर रहे हैं उनके लिए सबसे बेस्ट हैं एनसीईआरटी की किताबें। अगर एनसीआरटी से तैयारी करते हैं तो 100 परसेंटाइल आसानी से मिल सकते हैं। श्रेयस ने बताया कि टाइम मैनेजमेंट तैयार करके सभी टॉपिक पर फोकस करना चाहिए। किस टॉपिक को कितना समय देना है यह समझना भी काफी जरूरी है। उन्होंने बताया कि मैथ्स के कॉन्सेप्ट एक बार क्लियर हो जाए तो वह काफी आसान हो जाती है। बस उसकी लगातार प्रैक्टिस करते रहना चाहिए। 7वीं रैंक हासिल करने वाले कृष्ण अग्रवाल ने बताया कि एग्जाम्स में सफलता हासिल करने के लिए कैंडिडेट्स को पहले तो सिलेबस को अच्छी तरह से जान लेना जरूरी होता है। उसके अनुसार ही पूरी रूप रेखा तैयार करनी चाहिए। अगर कोई टॉपिक समझ नहीं आ रहा है तो टीचर्स की मदद लें। एनसीईआरटी की किताबें जेईई मेंस और एडवांस की तैयारी के लिए काफी हैं। कोचिंग में रेगुलर बेसिस पर जो टेस्ट सीरीज आयोजित किए जाते हैं, उन्हें सारियस होकर फोकस करें। सोशल मीडिया पढाई के लिए एक बड़ी परेशानी हैं। ऐसे में उससे दूरी बनानी काफी जरूरी हैं।

सरोजनीनगर में नगर निगम की जमीन पर प्रॉपर्टी डीलरों ने प्लॉटिंग की

लखनऊ। सरोजनीनगर में प्रॉपर्टी डीलरों ने नगर निगम की जमीन पर नींव डालकर प्लॉटिंग शुरू कर दी। दीवार और सड़कें भी बना दीं। नगर निगम और जिला प्रशासन की संयुक्त टीम जब शनिवार को कार्रवाई के लिए पहुंची तो मौके पर स्थानीय लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा। नोकझोंक के बीच नगर निगम ने अवैध निर्माण ध्वस्त कर दिए। इस दौरान 2.454 हेक्टेयर जमीन से अवैध कब्जे हटाए गए। इसका बाजारू मूल्य 52 करोड़ रुपये आंकी गई है। इसके पूर्व अवैध कब्जे की सूचना मिलने पर नगर आयुक्त इन्द्रजीत सिंह ने कार्रवाई करने का निर्देश दिया था। अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव के नेतृत्व में प्रभारी अधिकारी संजय यादव, तहसीलदार अरविंद पाण्डेय, नायब तहसीदार रत्नेश कुमार समेत पांच कर्मचारी मौके पर पहुंचे। स्थानीय पुलिस और नगर निगम ईटीएफ टीम की मदद से कार्रवाई की। टीम ने सरोजनीनगर तहसील के सेंवई गांव में कई गाटों की जमीन से अतिक्रमण हटाया। यह जमीनें बंजर और तालाब के रूप में दर्ज थीं और नगर निगम की संपत्ति हैं।

फोन पर पत्नी से कहासुनी के बाद युवक ने लगा ली फांसी

करण वाणी संवाददाता

लखनऊ। विकासनगर में शुक्रवार को पत्नी से फोन पर हुई कहासुनी के बाद ड्राइवर मिथिलेश कुमार (33) ने फांसी लगा ली। पत्नी छह माह से मायके में रह रही थी। वहीं, बिजनौर में मजदूर सोनू (45) ने फांसी लगा ली। मूलरूप से हरदोई निवासी ड्राइवर मिथिलेश कुमार (33) विकासनगर सेक्टर- एम में किराए के मकान में रह रहे थे। छह माह पूर्व पत्नी रेखा से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। तब से वह अलीगंज स्थित अपने मायके में रह रही थी। रेखा ने बताया कि शुक्रवार देर शाम मिथिलेश ने शराब के नशे में फोन किया जिससे उनसे झगड़ा हो गया। इस बीच मिथिलेश ने फोन काट दिया। कुछ देर बाद उन्होंने फोन मिलाया पर वह स्विच ऑफ था। शनिवार सुबह भी फोन मिलाया पर संपर्क नहीं हो पाया। बच्चों को स्कूल छोड़ने के बाद मिथिलेश के घर गई तो बाहर लोगों की भीड़ जुटी हुई थी। भीतर गई तो मिथिलेश का शव कुंडे से तार के फंदे के सहारे लटका हुआ था। इंस्पेक्टर विकासनगर के मुताबिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बिजनौर में मजदूर ने फांसी लगाई: बिजनौर स्थित ससुराल में रह रहे मजदूर सोनू (45) ने शुक्रवार रात फांसी लगा ली। आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। मूलरूप से निगोहां मदीखेड़ा निवासी कई वर्ष से बिजनौर के मौलवी खेड़ा स्थित ससुराल में परिवार के साथ रह रहा था। पत्नी रामवती के मुताबिक गुरुवार रात में सोनू कमरे मे सो रहे थे। वह और परिवार के अन्य लोग बाहर थे। देर रात तीन बजे आंधी आने पर वह कमरे में गई तो सोने का शव पंखे से साड़ी के फंदे के सहारे लटका हुआ था। परिवार में पत्नी रामावती, चार बेटियां व एक बेटा है। इंस्पेक्टर बिजनौर के मुताबिक सोनू नशे का आदी था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अखिलेश यादव को धमकी देने वाला करणी सेना का नेता गिरफ्तार

करण वाणी संवाददाता

लखनऊ।समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव को जान से मारने की धमकी देने वाले करणी सेना के नेता के खिलाफमुकदमा दर्ज किया गया है। मुकदमा दर्ज करने के बाद करणी सेना के नेता मोहन चौहान को गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले भी उन पर मुकदमा दर्ज था। बीते हफ्ते मोहन चौहान पर सपा सांसद रामजीलाल सुमन को गोली मारने वाले को इनाम देने की घोषणा पर मुकदमा लिखा गया था। इन दोनों मामलों में उन्हें शुक्रवार रात को गिरफ्तार कर लिया गया है।करणी सेना नेता मोहन चौहान जवां निवासी है। 15 अप्रैल को उनका एक वीडियो वायरल हुआ,जिसमें अखिलेश यादव को धमकाने की घोषणा की गई है। जिसपर नाराजगी जताते हुए सपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मी

धनगर की ओर से 17 अप्रैल को एसएसपी को लिखित शिकायत दी गई। इस शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया।मुकदमा दर्ज करने के बाद मोहन चौहान को शुक्रवार रात को गिरफ्तार कर लिया। उनकी गिरफ्तारी से शांति भंग न हो इसलिए पाबंद किए गए है। पुलिस का कहना है कि इस मामले के साथ मोहन का पुराना आपराधिक रिकार्ड सामने आया है। मोहन पर आठ मुकदमे हमला, मारपीट व ठगी आदि के 2016 से अब तक दर्ज हैं।

आंधी से बागवानों को नुकसान

रहीमाबाद। फल पट्टी क्षेत्र में शुक्रवार रात आई तेज आंधी से बागवानों का काफी नुकसान हो गया। आम बागवान रियाज हुसैन, विवेक सिंह यादव, रमेश सिंह चौहान, रेहान अली, राघवेंद्र द्विवेदी ने बताया कि क्षेत्र में देर रात तेज आंधी आ गई। जिससे काफी आम टूट कर गिर गया। बताया कि रोगों के कारण वैसे भी आम का नुकसान हुआ है, लेकिन आंधी आने से काफी आम तैयार होने से पहले ही टूट कर गिर गया।

एयरपोर्ट में डॉक्टर का आईफोन चोरी

करण वाणी संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के अमौसी एयरपोर्ट में फिर चोरी हुई है। यह चार दिन के अंदर चोरी की दूसरी वारदात है। इस बार महिला डॉक्टर चोरों का शिकार बनीं। उनका आईफोन गायब हो गया। बता दें कि तीन दिन पहले एक महिला का 20 हजार रुपए भरा पर्स चोरी हुआ था। पीड़ित डॉ. पियूषा वाधवानी राजानी ने बताया कि वह थाईलैंड से को लखनऊ लौटीं। एयरपोर्ट से बाहर निकलने के बाद पार्किंग एरिया में उनका आईफोन 13 प्रो गायब हो गया। डॉ. पियूषा ने इस संबंध में सरोजनी नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। डॉ. पियूषा आलमबाग के सिंगार नगर में गंगाराम राजाजी मार्ग पर रहती हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। एयरपोर्ट के सीसीटीवी फुटेज की मदद से चोर की पहचान की कोशिश की जा रही है। लखनऊ एयरपोर्ट में ही बुधवार को चेक-इन करते समय एक महिला के बैग से 20 हजार रुपए चोरी हो गए। प्रगति श्रीवास्तव नाम की यात्री

एयर इंडिया की फ्लाइट ।प्626 से लखनऊ से मुंबई जा रही थीं। महिला ने सरोजनी नगर थाने में इसका मुकदमा दर्ज कराया। मुंबई की रहने वाली प्रगति ने बताया कि उन्होंने लखनऊ एयरपोर्ट पर चेक-इन किया था। मुंबई पहुंचने पर जब उन्होंने अपना बैग खोला तो उसमें रखे 20 हजार रुपए गायब थे। पीड़िता के मुताबिक पैसे 100-100 के नोटों के दो बंडल में थे। मामले की जांच के लिए पीड़िता ने पहले मुंबई एयरपोर्ट के सीसीटीवी फुटेज की जांच बैथ्् की मदद से करवाई। वहां कोई सबूत नहीं मिलने पर उन्होंने लखनऊ के सरोजनी नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस अब लखनऊ एयरपोर्ट के चेक-इन काउंटर से लेकर बैगेज लोडिंग एरिया तक के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है। साथ ही संभावित संदिग्धों की तलाश की जा रही है।पीड़िता ने अपनी शिकायत के साथ बोर्डिंग पास, बैगेज टैग और पहचान पत्र की प्रतियां भी जमा कराई हैं।

लखनऊ सेंट्रल बार एसोसिएशन चुनाव, 22 पदों के लिए 128 वकील मैदान में

करण वाणी संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ सेंट्रल बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव में जबरदस्त मुकाबला देखने को मिलेगा। अध्यक्ष, महासचिव समेत कुल 22 पदों के लिए 128 प्रत्याशी मैदान में हैं। नामांकन की प्रक्रिया 8 और 9 अप्रैल को पूरी हो गई है। अब 28 अप्रैल को मतदान और 29 अप्रैल को मतगणना होगी। सेंट्रल बार के लिए 3742 मतदाता मतदान करेंगे। एल्डर्स कमेटी के चेयरमैन पीएन श्रीवास्तव और मुख्य चुनाव अधिकारी उमाशंकर श्रीवास्तव ने बताया- अध्यक्ष पद के लिए तीन, जबकि महासचिव पद के लिए पांच उम्मीदवारों ने पर्चा भरा है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष के लिए 11, उपाध्यक्ष (मध्य) के दो पदों के लिए भी 11 दावेदार सामने आए हैं। वोटर मोहम्मद फुरकान एडवोकेट ने बताया कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए दो, कोषाध्यक्ष के लिए आठ, संयुक्त सचिव के तीन पदों के लिए 34 प्रत्याशी चुनावी रण

में हैं। वरिष्ठ कार्यकारिणी के छह पदों के लिए 16 और कनिष्ठ कार्यकारिणी के छह पदों पर 38 उम्मीदवार मैदान में हैं। सेंट्रल बार एसोसिएशन का चुनाव इस बार हाईकोर्ट के निर्देश पर एल्डर्स कमेटी की निगरानी में हो रहा है। सभी नामांकन पत्रों की जांच प्रक्रिया अब शुरू होगी, जिसके बाद फाइनल लिस्ट जारी की जाएगी। बार के इतिहास में ये चुनाव इसलिए भी अहम हैं क्योंकि इतने बड़े पैमाने पर वकीलों की भागीदारी देखने को मिल रही है। सभी निगाहें 28 अप्रैल को होने वाले मतदान और 29 अप्रैल को आने वाले नतीजों पर टिकी हैं।

पुलिस पर जबरन समझौता कराने का लगा आरोप

घर के बाहर खेल रही दो बेटियों से दुष्कर्म

करण वाणी संवाददाता

लखनऊ। बीकेटी थाना अंतर्गत एक गांव में घर के बाहर खेल रही दो बेटियों से दुष्कर्म करने की घटना सामने आई है। इस दौरान पीड़ित परिवार ने आरोपितों के खिलाफ सम्बन्धित थाने में तहरीर दी, लेकिन पुलिस ने जबरन समझौता करा दिया। इसके बाद आरोपित पीड़ित परिवार को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। गुरुवार को पीड़ित परिवार ने डीसीपी नार्थ से मदद की गुहार लगाते हुए कार्रवाई करने की मांग की है। जिसका एक वीडियो भी वायरल हुआ है, हालांकि वायरल वीडियो की पुष्टि अमृत विचार नहीं करता है।

दरअसल, बीकेटी थाना अंतर्गत एक गांव की रहने वाली महिला (38) ने बताया कि गत 12 अप्रैल की शाम करीब चार बजे उसकी बेटी (06) पड़ोस में रहने वाली सहेली (09) के संग घर के बाहर खेल रही थी। लिखित शिकायत में पीड़िता का कहना है कि गांव का रहने वाला युवक दोनों बच्चियों को बहला-फुसला कर अपने नए मकान पर लेकर गया। जहां, आरोपित ने उन बच्चियों से दुष्कर्म किया। किसी तरह बच्चियां रोती हुई घर पहुंची और परिजनों को आपबीती सुनाई। इसके बाद महिला बेटी को लेकर थाने पहुंची। महिला का आरोप है कि उसने थाने में विपक्षियों के खिलाफ तहरीर दी, लेकिन पुलिस ने समझौता कर दिया।

सुलह नामा: इसके बाद से आरोपित अपने परिवारिक सदस्यों के साथ मिलकर पीड़ित परिवार को जान से मारने की धमकी दे रहा है। गुरूवार को महिला ने डीसीपी नार्थ कार्यालय में लिखित शिकायत देते हुए कार्रवाई किए जाने की मांग की है। मामले को संज्ञान में देखते हुए डीसीपी ने एसीपी बीकेटी को निष्पक्ष जांच के आदेश दिए है। वहीं, शुक्रवार को एक महिला का वीडियो वायरल हुआ, वायरल वीडियो में महिला विपक्षियों पर बेटियों के साथ गंदी हरकत करने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई करने की मांग कर रही है।

जमीन का झांसा देकर रेलवे कर्मी समेत दो से 26 लाख हड़पे

लखनऊ। सरोजनीनगर कोतवाली में झांसी न्यायालय में तैनात महिला कर्मी ने दो लोगों के खिलाफ 16 लाख रुपये की धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराया। वहीं, पारा कोतवाली में रेलवे कर्मी ने फर्जी कागज बना कर जमीन का सौदा करते हुए 10 लाख हड़पने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। इन्दिरानगर निवासी अलका गुप्ता झांसी कोर्ट में तैनात है। जमीन खरीदने के लिए अलका की मुलाकात देवेंद्र सिंह भुल्लर और मानसी श्रीवास्तव से हुई। आरोपितों ने बताया कि एके इंफ्रा की तरफ से कॉलोनी बनाई जा रही है। जिसमें प्लॉट मिल जाएगा। कुछ वक्त बाद मानसी ने मुलाकात कर कहा कि वह एके इंफ्रा से अलग होकर अपना काम कर रही है। ट्रांसपोर्टनगर में दफ्तर खोला है। आरोपितों की बात पर विश्वास कर पीड़िता ने प्लॉट खरीदने के लिए 16 लाख रुपये दिए। कई दिनों तक मानसी के सम्पर्क नहीं करने पर पीड़िता को संदेह हुआ। ट्रांसपोर्ट नगर स्थित दफ्तर पहुंचने पर ताला लटका मिला। इंस्पेक्टर राजदेव प्रजापति ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है। प्रतापगढ़ निवासी बंटेश्वर पाल रेलवे में तैनात है। लखनऊ में मकान बनवाने के लिए बंटेश्वर जमीन की तलाश कर रहे थे। इस दौरान कार्तिकेय श्रीवास्तव और काजल से मुलाकात हुई। आरोपितों ने पारा के बीबीखेड़ा में जमीन दिलाने का 10 लाख रुपये लिए थे। इसके बाद जमीन का बैनामा किया था। कुछ वक्त बाद पीड़ित को पता चला कि प्लॉट पर निर्माण कार्य हो रहा है।

नामांकन में वृद्धि हेतु जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ ने विभाग को भेजे सुझाव

करण वाणी संवाददाता

लखनऊ। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा निर्धारित अपेक्षित नामांकन लक्ष्य प्राप्त करने के सम्बंध में उत्तर प्रदेश जूनियर हाईस्कूल संघ के प्रांतीय महामंत्री अरुणेंद्र कुमार वर्मा ने शिक्षा निदेशक (बेसिक) को पत्र भेंट कर अवगत कराया कि परिषदीय विद्यालयों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अन्तर्गत स्कूली शिक्षा के लिए निर्धारित डिजाइन के तहत फाउंडेशनल स्टेज में आंगनबाड़ी/प्री स्कूल/बाल वाटिका हेतु 5 से 6 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों का नामांकन किया जाता है, ताकि कक्षा 1 में प्रवेश हेतु परिषदीय विद्यालयों को बच्चे उपलब्ध हो सकें।जबकि अधिकतर परिषदीय विद्यालयों में बाल वाटिका संचालित नहीं है।परिणाम स्वरूप शासन द्वारा निर्धारित नामांकन लक्ष्य प्राप्त करने में बाधा उत्पन्न हो रही है। जबकि वर्तमान सत्र में नामांकन के लिये शिक्षा निदेशक (बेसिक) द्वारा कक्षा 1 में ऐसे बच्चों का ही नामांकन किया जाये जिनकी आयु 31जुलाई 2025 को 6 वर्ष पूर्ण हो रही हो। जबकि निजी विद्यालयों द्वारा 5 प्लस आयुवर्ग के बच्चों का नामांकन भी कर लिया जा रहा है।जिसके कारण प्रायः विद्यालयों के सेवित क्षेत्र में कक्षा 1 में प्रवेश हेतु 6 वर्ष आयु के बच्चे उपलब्ध नही हो पा रहे हैं।जिसके परिप्रेक्ष्य में उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ परिषदीय

विद्यालयों के नामांकन में वृद्धि करने एवं निर्धारित नामांकन लक्ष्य प्राप्ति हेतु मांग करता है कि प्रदेश के समस्त परिषदीय विद्यालयों में बाल वाटिका को अनिवार्य रूप से संचालित किया जाये।तत्पश्चात कक्षा 1 में प्रवेश की न्यूनतम आयु 6 वर्ष निर्धारित की जाये ताकि निजी विद्यालयों की तरफ बच्चों का पलायन रोका जा सके।निजी विद्यालयों द्वारा 5 प्लस आयु वर्ग के बच्चों का नामांकन किया जा रहा है।इसलिए परिषदीय विद्यालयों में 6 वर्ष आयुवर्ग के बच्चे प्रायः उपलब्ध नही हो पा रहे हैं।जिसके कारण परिषदीय विद्यालयों में कक्षा 1 में प्रवेश हेतु निर्धारित आयु में शिथिलता प्रदान कर निजी विद्यालयों में भी उक्त आदेश का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए साथ ही परिषदीय विद्यालय के सापेक्ष मानक के विरुद्ध निजी विद्यालयों को यू डायस के मानकों के परिप्रेक्ष्य में इनका स्थलीय निरीक्षण किया जाये तो निजी विद्यालयों की सच्चाई उजागर हो जायेगी। क्योंकि इनके द्वारा यू डायस कार्य समय से पूर्ण नहीं किया जाता है ताकि बच्चों के दोहरे नामांकन को छिपाया जा सके।आधार कार्ड उपलब्ध न होना तथा इसके सत्यापन न हो पाने से बच्चों के नामांकन एवं डीबीटी सहित अन्य विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में गंभीर समस्या उत्पन्न हो रही है।विद्यालयों के कुशल प्रबंधन एवं संचालन के लिए प्रत्येक विद्यालय में प्रश्नअश का पद अनिवार्य रूप से सृजित किया जाये।शिक्षकों को गैर शैक्षणिक कार्यो से मुक्त किया जाये तथा प्रति कक्षा न्यूनतम एक शिक्षक नियुक्त की जाये तत्पश्चात नामांकन के सापेक्ष शिक्षकों की नियुक्ति की जाये। ताकि शिक्षकों की कमी से बच्चों का पलायन निजी विद्यालयों की तरफ न हो।

परिषदीय विद्यालयों के सेवित क्षेत्र के पांच किलोमीटर के दायरे में किसी निजी विद्यालय को मान्यता प्रदान न की जाये तथा पूर्व से संचालित निजी विद्यालयों की समीक्षा कर मानकों के विपरीत चल रहे विद्यालयों की मान्यता समाप्त की जाये।

समीक्षा अधिकारी से 11.42 लाख की ठगी

करण वाणी संवाददाता

लखनऊ। साइबर जालसाजों ने हाईकोर्ट लखनऊ बेंच के समीक्षाधिकारी अनूप सिंह को शेयर ट्रेडिंग में मोटे मुनाफे का लालच देकर एक वाट्सएप ग्रुप से जोड़ा। उन्हें इंडियन स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर शेयर ट्रेडिंग की जानकारी देकर 11.42 लाख रुपये ठग लिए। पीड़ित की तहरीर साइबर थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। इंस्पेक्टर साइबर थाना ब्रजेश कुमार सिंह ने बताया कि अनूप सिंह इंदिरानगर-ए ब्लाक में रहते हैं। उन्होंने बताया कि अप्रैल 2024 में उन्हें ऑनलाइन फार्च्यून क्लब ग्रुप से जोड़ा गया। शेयर ट्रेडिंग के बारे में जानकारी दी गई। विदेशी नागरिक प्रो. राबर्ट मार्टिनेज नाम का व्यक्ति निवेश के बारे में तरह तरह की जानकारी देता था। पहले तो इंट्रेस्ट नहीं लिया। इसके बाद उसने आडियो और वीडियो दोनों तरह से क्लास शुरू कर लिंक भेजकर जानकारी दी। न्यूयार्क और कई अन्य शहरों और देशों के लोगों को हुए प्राफिट के बारे में जानकारी दी। इसके बाद रुपये लगाने शुरू किए। जालसाज द्वारा भेजे गए लिंक में देखा शेयर में तेजी से बढ़ोत्तरी हो रही थी। इस लिए रुपये लगाते चले गए। कुछ माह बाद रुपये निकालने की कोशिश की तो टैक्स व कई अन्य मदो में रुपये और लिए। विरोध पर ग्रुप से ब्लाक कर दिया। इस तरह 11.42 लाख रुपये की जालसाजों ने ठगी की। साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। काफी दिन तक कोई कार्रवाई नहीं हुई तो साइबर थाने में तहरीर दी। इंस्पेक्टर ने बताया कि तहरीर के आधार पर गुरुवार को मुकदमा दर्ज किया गया है। जांच की जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस कमिश्नर आवास के पास धंसी सड़क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के वीवीआईपी इलाके में बुनियादी ढांचे की पोल खुल गई है। पुलिस कमिश्नर के आवास से महज कुछ कदम की दूरी पर सड़क धंस गई। सहारा गंज मॉल के ठीक सामने करीब 4 फीट गहरा और कई फीट चौड़ा गड्ढा बन गया है। अचानक धंसी सड़क से राहगीरों और स्थानीय लोगों में दहशत फैला दी। हालाकि कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन यह हादसा किसी बड़ी घटना का संकेत जरूर दे रहा है।

डंडहिया बाजार और अर्जुनगंज में कल बिजली गुल रहेगी

लखनऊ। लेसा के आईटीआई उपकेंद्र से शुक्रवार सुबह 11 से दोपहर दो बजे तक बिजली सप्लाई बंद रहेगी। इससे सब्जी मंडी, मेहंदी टोला, पांडेय टोला, डंडहिया बाजार सहित कई इलाके प्रभावित रहेंगे। अर्जुनगंज में सुबह 9ः30 से शाम पांच बजे तक आंशिक बिजली बंद रहेगी। वहीं रहीमाबाद ट्रांसमिशन सबस्टेशन शनिवार सुबह आठ से 11 बजे तक बंद रहेगा। इससे रहीमाबाद, मलिहाबाद ओल्ड, मलिहाबाद टाउन और माल उपकेंद्र की सप्लाई बंद रहेगी।

तीन आईएएस के तबादले

लखनऊ। राज्य सरकार ने तीन आईएएस अधिकारियों के दायित्वों में फेरबदल किया है। ध्रुव खाड़िया को संयुक्त मजिस्ट्रेट अयोध्या से मुख्य विकास अधिकारी जौनपुर बनाया गया है। प्रतीक्षारत अनीता यादव को अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण कानपुर बनाया गया है। वहीं मृणाली अविनाश जोशी संयुक्त मजिस्ट्रेट गोरखपुर का मुख्य विकास अधिकारी जौनपुर के पद पर किया गया तबादला रद्द कर दिया गया है।

बिजली के खंभों पर लटकने वाले इंटरनेट केबल हटाएं

लखनऊ। गर्मियों में राजाजीपुरम में बेहतर बिजली सप्लाई को लेकर गुरुवार को राजाजीपुरम परिक्षेत्र उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने अपट्रॉन डिवीजन के अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान संगठन के अध्यक्ष उमेश कुमार वर्मा ने बिजली के खंभों पर लटकने वाले इंटरनेट और केबल टीवी के तारों के मकड़जाल को हटाने को कहा। जिस पर अवर अभियंता निलेश सिंह ने कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। इसके अलावा जेई ने बताया कि सभी जगह ट्रांसफार्मरों का लोड बढ़ाया जा रहा है। उपकेंद्र में पांच एमवीए नया पावर ट्रांसफार्मर भी लगाया गया हैं।

आयुष्मान कार्ड होने पर भी इलाज को मांगे एक लाख

मोहनलालगंज। हादसे में जख्मी मोहनलालगंज के मजदूर युवक को पीजीआई के एपेक्स ट्रॉमा सेंटर (एटीसी) में इलाज नहीं दिया गया है। परिवारीजनों का आरोप है कि आयुष्मान कार्ड होने के बाद भी मरीज को भर्ती नहीं किया और इलाज के लिए एक लाख रुपए का इंतजाम करने को कहा गया। परिवारीजन एटीसी के डॉक्टरों से गुहार लगाते रहे, लेकिन उनका दिल नहीं पसीजा। मरीज को वापस लौटा दिया। रुपए के अभाव में परिवारीजन अपने मरीज को लेकर घर चले गए। मोहनलालगंज के गौरा कॉलोनी निवासी मनोज कुमार (32) सोमवार को रात करीब 10 बजे अपने घर की छत से नीचे गिर गया है। कमर और अन्य जगह चोट आई है। परिवारीजन पहले मरीज को लेकर निजी अस्पताल में पहुंचे तो वहां उन लोगों से एमआरआई जांच करवाने के लिए निजी सेंटर भेज दिया। किसी तरह से परिवारीजनों ने रुपए जुटाकर एमआरआई करवाया। फिर उसे किसी बड़े अस्पताल जाने को बोल दिया। इस पर परिवारीजन पहले सीएचसी मोहनलालगंज गए। सीएचसी मोहनलालगंज से मरीज को एंबुलेंस से पीजीआई के एटीसी भेज दिया गया। भाई दिनेश कुमार ने बताया कि उन्होंने एटीसी के एक डॉक्टर को रिपोर्ट दिखाई। इस पर वह एंबुलेंस तक आए और मरीज को देखा। फिर इलाज शुरू करने के लिए कम से कम एक लाख रुपए जमा करने की बात कही। परिवारीजनों ने डॉक्टर को आयुष्मान कार्ड दिखाया। साथ ही रुपए न होने की बात कही। दिनेश का आरोप है कि मरीज को भर्ती करने से मना कर दिया गया। उन लोगों का नाम, नंबर रजिस्टर में दर्ज करके वापस कर दिया गया। कहा गया कि एक लाख रुपए की व्यवस्था करके ट्रॉमा सेंटर आ जाना। आयुष्मान कार्ड से पूरा इलाज नहीं हो सकेगा। आर्थिक तंगी के चलते परिवारीजन मनोज को बिना इलाज के ही लेकर घर लौट आए। वह घर में दर्द से परेशान है।

किशोर को पीट कर बाइक लूटने का आरोप

लखनऊ। जानकीपुरम कोतवाली में किशोर ने मारपीट कर बाइक लूटने का आरोप लगाया। जिसके आधार पर पुलिस जांच कर रही है। जानकीपुरम विस्तर निवासी जयदेव सिंह बाइक से घर लौट रहा था। मकान से कुछ पहले ही तरुन यादव और अनमोल सिंह ने रास्ता रोक कर जयदेव को गाली दी। विरोध करने पर मारपीट करते हुए बाइक लूट कर भाग गए। इंस्पेक्टर उपेंद्र सिंह ने बताया कि मारपीट की घटना सामने आई है। आरोपों की जांच पुलिस कर रही है।

फर्जी खतौनी दिखा कम्पनी के नाम कर दिया बैनामा

मोहनलालगंज। गोसाईंगंज के घुसकर में जालसाजों ने कूट रचित खतौनी बनाकर एक डेवलपर्स कम्पनी के नाम जमीन का बैनामा कर दिया। कम्पनी के पाटर्नर की तहरीर पर आरोपितों के खिलाफ एसीपी के आदेश पर मुकदमा दर्ज किया है। कृष्णानगर निवासी आशीष अमरनानी न्यू वेज बिल्डर में साझेदार है। कुछ वक्त पूर्व घुसकर निवासी अजीत वर्मा के जरिए हनुमान निषाद और बस्तौली निवासी हंसराज, प्रमोद से मुलाकात हुई थी। आरोपितों ने फर्जी खतौनी दिखा कर जमीन का बैनामा कराया था। यह आरोप लगाते हुए पीड़ित ने एसीपी मोहनलालगंज रजनीश वर्मा से मुलाकात कर उन्हें जानकारी दी। जिसके बाद मुकदमा दर्ज हुआ।

रिटायर एयरफोर्स कर्मी के घर से चोरी हुए जेवर

लखनऊ। बीकेटी कोतवाली में रिटायर एयरफोस कर्मी के मकान का ताला तोड़ कर चोर जेवर और रुपये बटोर कर भाग गए। पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस जांच कर रही है। सैनिक विहार कॉलोनी में रिटायर एयरफोर्स कर्मी अशोक कुमार का मकान है। जिसमें दिलीप सिंह किराए पर रहते हैं। 13 अप्रैल को ताला बंद कर बाहर गए हुए थे। रात के वक्त दिलीप का दोस्त प्रदीप निगरानी करने के लिए मकान पहुंचा। जहां ताले टूटे देख दिलीप और पुलिस को सूचना दी। दिलीप के मुताबिक 12 हजार रुपये के साथ जेवर गायब चोरी हुए हैं। इंस्पेक्टर संजय सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

कब्रिस्तान व धार्मिक नाम पर आवंटित वक्फ संपत्तिों पर बनी दुकानें-मकान

लखनऊ। जिलाधिकारियों ने धीरे-धीरे वक्फ संपत्तियों की जानकारी शासन को भेजनी शुरू कर दी है। शासन को अब तक मिली रिपोर्ट के मुताबिक धार्मिक, शैक्षिक कामों और किब्रस्तान के लिए दी गई 761 से अधिक संपत्तियों पर घर और दुकानें बना दी गई हैं। शासन ने जिलाधिकारियों से वक्फ संपत्तियों के बारे में पूरी रिपोर्ट मांगी है। इसमें पूछा गया है कि वक्फ की संपत्तियों का आवंटन के बाद मनमाना इस्तेमाल किया जा रहा है।
जिलाधिकारियों से अपने-अपने जिलों में स्थित वक्फ संपत्तियों की रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए थे। इसके बाद प्रदेश भर में वक्फ संपत्तियों की रिपोर्ट शासन को भेजी गई थी। शासन को करीब 2528 वक्फ संपत्तियों की रिपोर्ट मिली है। इनमें 761 संपत्तियां ऐसी हैं जिनका उपयोग किन्हीं और कार्यों में किया जा रहा है। 25 संपत्तियों को वक्फ संपत्तियां घोषित करने के मामला अदालत में चल रहा है। चंदौली की 15 और मुजफ्फरनगर की चार, बाराबंकी, हमीरपुर, झांसी, कासगंज, लखीमपुर खीरी व सिद्धार्थनगर की एक-एक संपत्तियां हैं।
अंबेडकरनगर में 15 संपत्तियों का सही और 15 का उपयोग दूसरे कार्यों में हो रहा है। अमेठी में छह का उपयोग सही और छह का उपयोग दूसरे, इटावा में 11 का सही और 11 का गलत, गौतमबुद्ध नगर में एक-एक, हमीरपुर में चार का सही और एक का गलत उपयोग हो रहा है। अमरोहा में पांच का सही एक का गलत उपयोग हो रहा है। बागपत में 44 का सही चार का गलत, बाराबंकी में 21 में से तीन संपत्तियों का उपयोग दूसरे कार्यों में किया जा रहा है। इसी प्रकार झांसी में 20 में से एक संपत्ति का उपयोग दूसरे कार्य में किया जा रहा है। मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, आगरा, बस्ती, उन्नाव, लखीमपुर खीरी, पीलीभीत में भी गड़बड़ियां मिली हैं।

डॉ. राजेश्वर सिंह ने किया एक राष्ट्र, एक चुनाव पर विचार गोष्ठी का आयोजन

'राष्ट्र को अखंड रखने के लिए ज़रूरी है एक राष्ट्र, एक चुनाव'

पंकज सिंह चौहान/करण वाणी

लखनऊ। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह के आशियाना स्थित आवास पर रविवार को ÷एक राष्ट्र, एक चुनाव÷ के विषय पर एक विचारोत्तेजक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस गोष्ठी में भारत की चुनावी प्रणाली में सुधार के लिए प्रस्तावित ÷एक राष्ट्र, एक चुनाव÷ की अवधारणा पर गहन चर्चा हुई। गोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह के साथ-साथ भाजपा जिलाध्यक्ष विजय मौर्या और महनगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने भी अपने विचार रखे। गोष्ठी में हजारों की संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय जनता मौजूद रही।

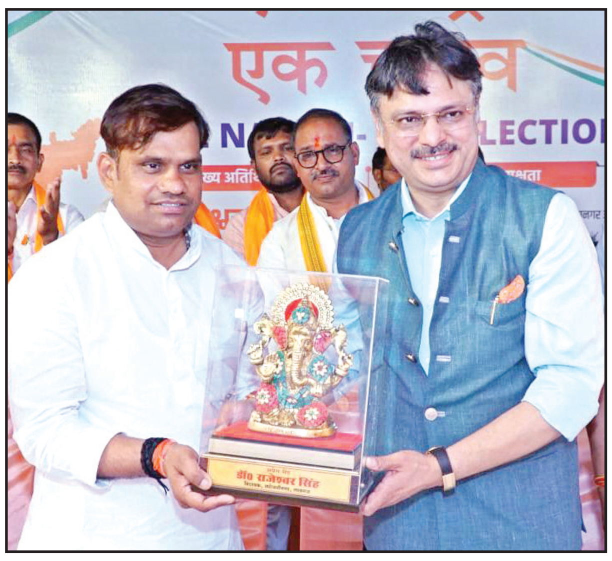

सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि आजादी के बाद अब तक 400 बार चुनाव हो चुके हैं। ÷एक राष्ट्र, एक चुनाव÷ का उद्देश्य लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनावों को एक साथ आयोजित करना है, ताकि मतदाता एक ही दिन में केंद्र और राज्य सरकार के लिए अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। बड़े देश होने के कारण यह प्रक्रिया कई चरणों में हो सकती है। इसका लक्ष्य चुनावी खर्च को कम करना, प्रशासनिक व्यवधानों को समाप्त करना और शासन में निरंतरता लाना है।

सरोजनीनगर विधायक ने एक राष्ट्र, एक चुनाव को एक महत्वपूर्ण विषय बताते हुए कहा कि बार बार चुनाव होने से बार बार बहुत अधिक धन का व्यय होता है। चुनावों में जनता की कमाई का कीमती धन अनावश्यक रूप से खर्च किया जान ठीक नहीं है। विधायक ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष नहीं चाहता कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सीएम योगी पूरी तरह केन्द्रित होकर गुड पर ध्यान केन्द्रित करें, क्योकि बार बार चुनाव होने से सरकार की निरंतरता में कमी आती है।

उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशें विधायक ने बताया कि पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति ने 191 दिनों की व्यापक शोध के बाद मार्च 2024 में 18,626 पन्नों की विस्तृत रिपोर्ट राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंपी। इस समिति में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, कांग्रेस के पूर्व नेता गुलाम नबी आजाद, 15वें वित्त आयोग के पूर्व अध्यक्ष एनके सिंह, लोकसभा के पूर्व महासचिव डॉ. सुभाष कश्यप, वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे, और चीफ विजिलेंस कमिश्नर संजय कोठारी शामिल थे। विशेष आमंत्रित सदस्यों में कानून राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और डॉ. नितेन चंद्र भी थे। समिति ने 47 राजनीतिक दलों और 21,500 से अधिक नागरिकों से प्राप्त प्रतिक्रियाओं के आधार पर अपनी सिफारिशें तैयार कीं, जिनमें 32 दल और 80त्न जनता ने एक साथ चुनाव का समर्थन किया।

विधायी प्रगति: डॉ. सिंह ने इस विधेयक की विधायी प्रगति से अवगत कराते हुए कहा कि 18 सितंबर 2024 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने समिति की सिफारिशों को स्वीकार किया। 12 दिसंबर 2024 को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने संविधान (129वां संशोधन) विधेयक और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक को मंजूरी दी। 17 दिसंबर 2024 को कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने इसे लोकसभा में पेश किया, जहाँ यह 269 के मुकाबले 198 मतों से पारित हुआ। गृहमंत्री अमित शाह और कानून मंत्री मेघवाल ने इसे संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजने का समर्थन किया। 20 दिसंबर 2024 को राज्यसभा में 12 सदस्यों को जेपीसी के लिए नामित करने का प्रस्ताव पारित हुआ, और विधेयकों को 39 सदस्यीय जेपीसी को सौंपा गया। जेपीसी ने अब तक दो बैठकें (8 जनवरी और 31 जनवरी 2025) आयोजित की हैं, जिसमें सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीशों, चुनाव आयोग, राजनीतिक दलों, और अन्य हितधारकों से सुझाव लेने की प्रक्रिया शुरू की गई है।

17 करोड़ जनसँख्या पर लागू थी यह व्यवस्था, फिर 100 करोड़ पर क्यों नहीं ?: विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने सवाल भरे लहजे में आपनी बात आगे बढाते हुए कहा जब देश में पहला चुनाव हुआ तब मात्र 17 करोड़ मतदाता थे तब यह व्यवस्था लागू थी लेकिन देश की जनसँख्या 100 करोड़ पहुँचने पर 15 राजनीतिक दल एक देश - एक चुनाव का विरोध कर रहे हैं। अगर व्यवस्था हमेशा चुनाव संपन्न कराने में लगी रहेगी तब जन कल्याण किस तरह बाधित होगा। विपक्ष को जातिवादी की राजनीति, तुष्टिकरण की राजनीति करनी है, क्षेत्रवाद और भाषा वाद की राजनीति करनी है इस लिए इस व्यवस्था का विरोध कर रहे हैं।

संवैधानिक और कानूनी आवश्यकताएँ: समिति ने अनुच्छेद 82ए, 324ए, 83, 85, 172, 174, और 327 में संशोधन का प्रस्ताव दिया है। अनुच्छेद 82 में नया प्रावधान जोड़ा जाएगा, जिसमें राष्ट्रपति द्वारा ÷नियत तारीख÷ (अपॉइंटेड डेट) तय की जाएगी, जिससे लोकसभा और विधानसभाओं का कार्यकाल सरेंखित होगा। समयपूर्व विघटन की स्थिति में केवल बचे हुए कार्यकाल के लिए चुनाव होंगे। संविधान संशोधन के लिए लोकसभा में 362 सांसदों का समर्थन और कम से कम 50त्न राज्यों का अनुसमर्थन आवश्यक है। इस महत्वपूर्ण विधेयक को पारित करने के लिए दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता है। विधायक ने अगले चुनाव में जनता से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मजबूत भाजपा सरकार बनाने के लिए आह्वान किया।

जिलाध्यक्ष विजय मौर्या का संबोधन: लखनऊ भाजपा जिलाध्यक्ष विजय मौर्या ने बताया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार देश की बागडोर सम्हाल रहे हैं, वे लगातार देश हित में कानून बना रहे हैं लेकिन इस संसोधन को जनता के बीच ले जाने के बीच उनका उद्देश जनता को कांग्रेस की मंशा से अवगत कराना है जिसमें देश में आपतकाल थोप कर, राज्य विधानसभाओं को भंग कर चुनाव समय में अंतर लाया गया है।

एक राष्ट्र, एक चुनाव के लाभ

शासन में निरंतरता: बार-बार चुनावों से शासन और विकास कार्यों में व्यवधान होता है। एक साथ चुनाव से सरकारें विकास और कल्याणकारी नीतियों पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगी।

नीतिगत निर्णयों में तेजी: आदर्श आचार संहिता के लंबे समय तक लागू रहने से नीतिगत निर्णयों में देरी होती है, जिसे एक साथ चुनाव से कम किया जा सकता है।

संसाधनों का कुशल उपयोग: बार-बार होने वाली कर्मचारी तैनाती और सुरक्षा व्यवस्था की लागत कम होगी।

क्षेत्रीय दलों को प्रोत्साहन: स्थानीय मुद्दों पर केंद्रित क्षेत्रीय दल अपनी प्रासंगिकता बनाए रख सकेंगे।

राजनीतिक अवसरों में वृद्धि: एक साथ चुनाव से नए नेताओं को उभरने का अवसर मिलेगा।

वित्तीय बोझ में कमी: एक साथ चुनाव से मानव-शक्ति, उपकरण, और सुरक्षा संसाधनों की लागत में कमी आएगी।

जवाबदेही में वृद्धि: पाँच वर्ष में एक बार मतदाताओं के सामने आने से राजनेताओं की जवाबदेही बढ़ेगी।

बंगाल में हिन्दुओं की स्थित पर जताई चिंता

सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने पश्चिम बंगाल में संविधान संशोधन के विरोध में भड़की हिंसा के दौरान हिन्दुओं को निशाना बनाए जाने पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए एक राष्ट्र एक चुनाव को महत्वपूर्ण बताया। विधायक ने पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में हिन्दुओं और महिलाओं की स्थिति पर भी चिंता व्यक्त करते हुए लोकतंत्र को मजबूत बनाने पर जोर दिया।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और अनुच्छेद 356 का दुरुपयोग

डॉ. सिंह ने बताया कि 1951 से 1967 तक भारत में लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ आयोजित होते थे। 1951-52, 1957, 1962, और 1967 के चुनावों में यह परंपरा कायम रही। हालांकि, 1968-69 में कुछ विधानसभाओं के समय से पहले भंग होने और 1970 में चौथी लोकसभा के समयपूर्व विघटन ने इस चक्र को तोड़ा। आपातकाल (1975-77) और बाद में कई लोकसभाओं और विधानसभाओं के समयपूर्व विघटन ने एक साथ चुनाव की प्रथा को बाधित किया। डॉ. सिंह ने गोष्ठी में कांग्रेस द्वारा अनुच्छेद 356 के दुरुपयोग पर प्रकाश डाला, जिसके तहत विभिन्न कांग्रेस सरकारों ने 90 राज्य सरकारों को भंग किया। इस दुरुपयोग ने एक साथ चुनाव के चक्र को बाधित किया और देश में अलग-अलग समय पर चुनावों की प्रथा को बढ़ावा दिया।

भाजपा नेता अभिषेक खरे का संबोधन: अभिषेक खरे ने बताया इस गोष्ठी का शुभारम्भ सरोजनीनगर से हो रहा है,उन्होंने बताया लगातार चुनाव होने से जनता के उत्साह में कमी आती है, एक बार चुनाव होने से साढ़े चार लाख करोड़ से जनता को विकास योजनाओं का लाभ मिलेगा। विपक्ष की मंशा पर ऊँगली उठाते हुए अभिषेक खरे ने कहा की विपक्ष ने जनता को भ्रमित करने के लिए हर बार एक छोटी सी किताब किसके पृष्ठ पर संविधान लिखा है, उसे दिखाया जाता है। इस लिए आवशयक है इस विषय को जनता के बीच ले जाया जाए, और जनता को भ्रमित न होने दिया जाए।

डॉ. राजेश्वर सिंह ने बताया 200 से बार भारत पर विदेशी आक्रान्ताओं ने हमला किया, भारत को लूटा लेकिन हर बार भारत उठ खड़ा हुआ।

डॉक्टर को अश्लील वीडियो भेजकर महिला कर रही ब्लैकमेल

वीडियो कॉल पर रिकॉर्ड की थी आपत्तिजनक वीडियो

करण वाणी संवाददाता

लखनऊ। महानगर इलाके में रहने वाले डॉक्टर की फेक अश्लील वीडियो बनाकर महिला ने लाखों रुपये वसूले। जब रुपये देने से मना कर दिया तो वीडियो वायरल करने की धमकी दी। समझौते के लिए पीजीआई इलाके के होटल शिवम इंटरनेशनल होटल में बुलाया। वहां अपने साथ वीडियो बनाई और धमकी देते हुए रुपये की मांग की। महिला की हरकतों से परेशान डॉक्टर ने पूरी जानकारी पत्नी को दी। पत्नी ने पीजीआई थाने में महिला के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

महानगर इलाके के एक नामी अपार्टमेंट में रहने वाली डॉक्टर दंपति को महिला परेशान कर रही है। महिला डॉक्टर के मुताबिक पूजा पांडेय नाम की महिला सोशल मीडिया के माध्यम से उनके पति के संपर्क में आई। वह शुरूआती दौर में मैसेज भेजती थी। जिसे पति-पत्नी ने सामान्य रुप में लिया। एक महिला ने पति के मोबाइल पर वीडियो कॉल किया। काफी देर तक बातचीत की। इसी दौरान उसे पति की न्यूड वीडियो बना ली। इसके बाद दूसरे नंबर से मैसेज कर वीडियो वायरल करने, पत्नी व परिचितों को भेजने धमकी देने लगी। डॉक्टर ने वीडियो डिलिट करने को कहा तो रुपये मांगे। पति से यूपीआई और गूगल-पे के माध्यम से लाखों रुपये वसूले। पर, वीडियो डिलिट नहीं किया। महिला चिकित्सक ने बताया कि समझौत के लिए पूजा ने उसके पति को पीजीआई इलाके के होटल शिवम इंटरनेशनल में बुलाया। सात अप्रैल की तारीख तय थी। पूजा ने कहा कि मामला समाप्त कर देगी। जब डॉक्टर पहुंचे तो वहां पहुंचे तो वहां उसने फिर से अश्लील वीडियो बनाई।

म्यूजियम ब्लॉक, लजीज गली, गुलाब पार्क एवं नींबू पार्क सहित हेरिटेज ज़ोन के कार्यों का निरीक्षण

करण वाणी संवाददाता

लखनऊ। मण्डलायुक्त डॉ0 रोशन जैकब ने हुसैनाबाद स्थित लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा विकसित किए जा रहे हेरिटेज ज़ोन के विभिन्न घटकों का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने फ्रेगरेंस पार्क, म्यूजियम ब्लॉक, फूड कोर्ट, लजीज गली, गुलाब पार्क एवं नींबू पार्क का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किए।

निरीक्षण की शुरुआत फ्रेगरेंस पार्क से हुई, जहां मण्डलायुक्त ने पार्क में चल रहे कार्यों की समीक्षा की। एलडीए उपाध्यक्ष ने अवगत कराया कि यहां एक अत्याधुनिक कैफेटेरिया एवं इंटरप्रिटेशन सेंटर की स्थापना की जा रही है, जिसमें इत्र निर्माण की प्रक्रिया एवं फूलों की विभिन्न सुगंधों की जानकारी दी जाएगी। मण्डलायुक्त ने साईनेज, लाइटिंग, मूर्तिकला एवं लैंडस्कैपिंग कार्य को प्राथमिकता देते हुए पार्क को शीघ्र आम जनता के लिए खोले जाने के निर्देश दिए।

मण्डलायुक्त ने हुसैनाबाद म्यूजियम ब्लॉक स्थित टूरिस्ट फैसिलिटेशन सेंटर का भी निरीक्षण किया। एलडीए द्वारा जानकारी दी गई कि यह सेंटर एक विशेष कैंटीलीवर व्यू पॉइंट से युक्त होगा, जिससे पर्यटक समस्त हेरिटेज क्षेत्र का विहंगम दृश्य देख सकेंगे। मण्डलायुक्त ने निर्माण कार्य एक माह एवं सांस्कृतिक प्रदर्शन हेतु साहित्य, कलाकृतियाँ, पेंटिंग्स और स्कल्पचर आदि के सभी कार्य चार माह के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए। फूड कोर्ट के निरीक्षण के दौरान मण्डलायुक्त ने देखा कि कई प्रतिष्ठित फ्रेंचाइज़ी यहाँ कार्यरत हैं।

मण्डलायुक्त ने निर्देश दिए कि लखनऊ की पारंपरिक पाक शैली को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय शाकाहारी, मिष्ठान्न एवं प्रसिद्ध व्यंजनों को भी सम्मिलित किया जाए, जिससे यहाँ आने वाले पर्यटकों को विशिष्ट लखनवी स्वाद का अनुभव मिल सके। लजीज गली के निरीक्षण के दौरान मण्डलायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि इस क्षेत्र का समस्त स्ट्रक्चर हेरिटेज स्टाइल में होना चाहिए और इसे एलडीए की डिज़ाइन कोर टीम द्वारा अनुमोदित प्रारूप के अनुसार ही विकसित किया जाए। गुलाब पार्क में फूलों की सामरूपता बनाए रखने पर बल देते हुए मण्डलायुक्त ने सजावटी एवं विविध रंगों के गुलाबों की योजनाबद्ध ढंग से रोपाई के निर्देश दिए। वहीं नींबू पार्क में बंद पाए गए फव्वारों को तत्काल शुरू करने, आकर्षक फेसाड लाइटिंग, पर्याप्त बैठने की व्यवस्था, हेरिटेज कैफेटेरिया एवं बेहतर लैंडस्कैपिंग कराने के निर्देश दिए।

शाम को बदला मौसम,धूल भरी आंधी आई

करण वाणी संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में शाम पांच बजे मौसम अचानक बदल गया। धूल भरी तेज हवा चलने लगी। शहर के कई हिस्सों में हल्की बूंदाबांदी हुई। दिन में कई बार बादलों की आवाजाही भी देखने को मिली। पूर्वी हवा ने सुबह और शाम को लोगों को गर्मी से राहत दी। गुरुवार तड़के न्यूनतम तापमान 26 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग का अनुमान है कि आज लखनऊ का अधिकतम तापमान 38 डिग्री के आसपास बना रहेगा। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि पूर्वी हवाओं के असर से बादलों की आवाजाही बढ़ी है। इसके चलते सुबह और शाम के समय गर्मी से राहत मिल रही है। 18 जिलों में वार्म नाइट जैसे स्थिति बन सकती है। इसमें पश्चिमी यूपी, बुंदेलखंड के आसपास के जिले शामिल हैं। पूर्वी यूपी के 10 जिलों में एक दो स्थानों पर बारिश के आसार हैं। आज से मौसम बदलेगा। इसके बाद 18 अप्रैल से पूरे प्रदेश में इसका असर देखने को मिलेगा। पश्चिमी और पूर्वी यूपी के कई जिलों में बारिश का अलर्ट है। वहीं, आज पश्चिमी यूपी में मौसम ड्राई रहेगा। बुधवार को लखनऊ का अधिकतम तापमान 37.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह सामान्य से 1.1 डिग्री अधिक रहा। न्यूनतम तापमान 24.4 डिग्री रहा। यह सामान्य से 2.8 डिग्री अधिक रहा। अधिकतम आर्द्रता 66 फीसदी न्यूनतम आर्द्रता 35 फीसदी रही। दिन में गर्मी का लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

गोमती नदी में मिला ढाबा कर्मी का शव

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के बीकेटी थाना क्षेत्र में गोमती नदी से एक युवक का शव बरामद हुआ है। मृतक की पहचान अनुराग कुमार उर्फसुंदरलाल के रूप में हुई है। वह टिकरी कलां, थाना माल, लखनऊ का रहने वाला था। 25 वर्षीय अनुराग बीकेटी थाना क्षेत्र के न्यू फौजी ढाबे में काम करता था। 8 अप्रैल को दोपहर लगभग 2 बजे वह बिना किसी को बताए ढाबे से चला गया। इसके बाद वह वापस नहीं लौटा। मृतक के भाई रमेश ने बताया कि परिवार ने उसे काफी ढूंढा। जब कोई सुराग नहीं मिला तो 15 अप्रैल को बीकेटी थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। अगले ही दिन 16 अप्रैल को बख्शी का तालाब थाना क्षेत्र के कठवारा गांव के मजरा मल्लाहों खेड़ा के पास गोमती नदी में उसका शव मिला।

नीट के छात्र ने लगाई फांसी

लखनऊ। राजधानी के विभूति खंड इलाके में नीट इग्जाम की तैयारी कर रहे छात्र ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। वह 8 महीने से लखनऊ में किराए के कमरे में रह रहा था। गुरुवार तड़के कमरे में फांसी के फंद्दे से लटक गया। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है।

युवक ने पत्नी को गर्म चासनी से जलाया,पिता ने मुकदमा दर्ज कराया

लखनऊ। लखनऊ के अलीगंज में दहेज की मांग पूरी न होने पर युवक ने पत्नी को गर्म चासनी से जला दिया। घटना 9 अप्रैल की है। पीड़िता को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। उसके पिता ने दामाद के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। त्रिवेणी नगर 60 फुटा रोड शांति वाटिका निवासी अफ्रीन की 7 साल पहले अकबर अली से शादी हुई थी। अकबर अली दहेज के लिए उसके साथ मारपीट करता था। मायके से पैसा लाने का दबाव बनाता था। लड़की के पिता तसऊवर ने बताया बेटी का पति अकबर अली शादी के बाद ही उसे दहेज के लिए परेशान करता है। 9 अप्रैल की शाम 5.30 बजे वह शराब के नशे में घर पहुंचा। दहेज को लेकर अफ्रीन से मारपीट की। गर्म चासनी डालकर उसे जला दिया। उसके बाद मौके से फरार हो गया। अफ्रीन की जेठानी ने तसऊवर को घटना की जानकारी दी। उन्होंने बलरामपुर अस्पताल में उसे भर्ती कराया।

कंसल्टेंट ने स्वीकारा अमेरिकी नियामक ने लगाया था जुर्माना

करण वाणी संवाददाता

लखनऊ। दक्षिणांचल और पूर्वांचल बिजली कंपनियों के निजीकरण का मसौदा तैयार करने को रखी गई कंसल्टेंट कंपनी के मामले में नया मोड़ आ गया है। पावर कारपोरेशन के नोटिस का जवाब देते हुए कंसल्टेंट कंपनी ग्रांट थॉर्नटन ने स्वीकारा है कि अमेरिकी रेगुलेटर पीसीएओबी ने 20 फरवरी 2024 को उसके ऊपर 40 हजार डॉलर की पैनल्टी लगाई थी। कंपनी इस धनराशि को जमा कर चुकी है। उपभोक्ता परिषद ने इसे अपने द्वारा किए गए खुलासे पर मुहर बताया है। उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा है कि निजीकरण का टेंडर लेते वक्त कंपनी द्वारा फरवरी 2025 में शपथपत्र दिया गया था। इसमें ग्रांट थॉर्नटन कंपनी ने पिछले तीन साल में अपने ऊपर कोई भी जुर्माना नहीं लगा होने की बात कही थी। वर्मा ने कहा कि यह शपथपत्र मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली एनर्जी टास्क फोर्स व एंपावर्ड कमेटी में प्रावधानित व्यवस्था के तहत दिया गया था। अब कंसलटेंट कंपनी का जवाब आने के बाद स्पष्ट हो गया है कि यह शपथ पत्र झूठा था। उन्होंने मुख्यमंत्री को इस पूरे मामले की सीबीआई से जांच कराने की मांग की। वर्मा ने कहा जब कंसल्टेंट कंपनी ने स्वतः मान लिया है कि उस पर पेनल्टी लगी थी तो अब पावर कारपोरेशन को उसे तत्काल ब्लैक लिस्ट करते हुए प्राथमिकी दर्ज करानी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि देश का जो औद्योगिक घराना दागी कंपनी के लिए मददगार बना हुआ है, जल्द उसका भी खुलासा किया जाएगा। आरोप लगाया कि वर्ष 2018 में विजय माल्या के किंगफिशर केस में भी इसी कंपनी के कई अधिकारी वेल्यू को बढ़ा-चढ़ाकर बताने के मामले में सीबीआई के राडार पर थे।

सम्पादकीय

तमिलनाडु में भाजपा परचम फहराने को तत्पर

यह बात तो जगजाहिर है कि दक्षिण में हिन्दू मन्दिरों एवं संस्कृति का वर्चस्व होते हुए भी भाजपा अब तक अपनी जमीन मजबूत नहीं कर पाई है, जबकि केरल हो, कर्नाटक हो, आंध्र प्रदेश या तमिलनाडु हो, भाजपा अपनी जड़ों को सुदृढ़ करने की जद्दोजहद करती रही है।आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु में परंपरागत रूप से भारतीय जनता पार्टी कमज़ोर रही है, लेकिन अब भाजपा दक्षिण में अपनी जड़ों को न केवल मजबूत करना चाहती है बल्कि दक्षिण के राज्यों में सत्ता पर काबिज भी होना चाहती है। तमिलनाडु में अगले वर्ष अप्रैल-2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। भाजपा और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) ने 2026 के विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ने की घोषणा कर दी है। शुक्रवार को अपनी महत्वपूर्ण चैन्नई यात्रा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस अहम राजनीतिक गठबंधन का ऐलान करते हुए स्पष्ट किया कि राज्य में एनडीए एडप्पादी के. पलानीस्वामी के नेतृत्व में चुनाव लड़ेगा, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही गठबंधन का चेहरा होंगे। तमिलनाडु की भाजपा में भी एक बड़ा बदलाव सामने आया है और भाजपा की तमिलनाडु इकाई की कमान नैनार नागेंद्रन को मिल गई है। भाजपा की राजनीतिक यात्रा में 2026 का तमिलनाडु चुनाव मील का पत्थर साबित होगा, वर्षों की प्यास को बुझायेगा, कमल खिलायेगा। यह बात तो जगजाहिर है कि दक्षिण में हिन्दू मन्दिरों एवं संस्कृति का वर्चस्व होते हुए भी भाजपा अब तक अपनी जमीन मजबूत नहीं कर पाई है, जबकि केरल हो, कर्नाटक हो, आंध्र प्रदेश या तमिलनाडु हो, भाजपा अपनी जड़ों को सुदृढ़ करने की जद्दोजहद करती रही है। भाजपा के प्रयास दक्षिण में बेअसर ही रहे हो, ऐसी बात भी नहीं है, समय-समय पर उसके प्रयास रंग लाते रहे हैं। दक्षिण के चार में से तीन राज्यों में भाजपा अपना प्रभाव और प्रभुत्व दिखा चुकी है। कर्नाटक में कई बार भाजपा सत्ता आसीन हो चुकी है, आंध्र प्रदेश में इस समय सत्ता की भागीदार है, तेलंगाना में भी भाजपा मजबूत पकड़ बना चुकी है, केवल तमिलनाडु ही है जहां भाजपा कई दशकों से उपस्थिति दर्ज कराने के बावजूद सत्ता तक नहीं पहुंच पायी है। मोदी के प्रभाव और भाजपा के विशाल संसाधनों के बावजूद तमिलनाडू जीतना उसके लिए मुश्किल रहा है। पिछले 78 सालों में यहां कभी भी भाजपा-संघ की राष्ट्रवादी विचारधारा या हिंदुत्व के उनके संस्करण को स्वीकार नहीं किया है। यह सिर्फ भाजपा के लिए ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति के लिए भी एक बड़ी वैचारिक लड़ाई है। लेकिन इस बार भाजपा की रणनीति एवं तैयारियों एवं मोदी-शाह के संकल्पों एवं इरादों में दम है, तमिलनाडु में आमूल-चूल परिवर्तन होता हुआ दिख रहा है। तमिलनाडु में भाजपा की राजनीतिक रणनीति में किये गये बदलाव एवं रणनीतियां एक बड़ा मोड़ है, एक नया उजाला है। राजनीति के चाणक्य अमित शाह का यह भरोसा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में एनडीए भारी बहुमत से जीत दर्ज करेगा और राज्य में सरकार बनाएगा, कोरी हवा में उछाली गयी बात नहीं है।एआईडीएमके और भाजपा के बीच गठबंधन 1998 से बनते-बिगड़ते रहे हैं। 1998 की अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार बनाने और फिर 13 महीने बाद उसे गिराने का श्रेय भी एआईडीएमके को जाता है। जे. जयललिता का जब तक जीवनकाल रहा तब तक भाजपा नेतृत्व के साथ एआईडीएमके की नजदीकियां बनी रही। जब 1999 में जयललिता ने कांग्रेस के साथ गठबंधन कर लिया तो करुणानिधि ने डीएमके को भाजपा के साथ जोड़ लिया और 2004 तक सत्ता का सुख लेते रहे। 2004 के आम चुनाव में फिर से एआईडीएमके भाजपा के साथ आई लेकिन तमिलनाडु में लोकसभा की सीटें नहीं जीत सकी। लेकिन मोदी-शाह की नजरें हमेशा इस राज्य पर लगी रही। क्योंकि सामरिक रूप से तमिलनाडु एक संवेदनशील राज्य है, श्रीलंका के साथ उसका सीधा जुड़ाव है। चीन श्रीलंका के माध्यम से भारत में पैठ बनाना चाहता है, ऐसे में तमिलनाडु में केंद्र की आंख बंद कर विरोध करने वाली पार्टी का सत्तासीन रहना देश हित के लिए गंभीर सवाल पैदा करता है, अनेक संकटों का कारण बन सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष अपने तीसरे कार्यकाल की बड़ी चुनौतियों में बंगाल, तमिलनाडु, केरल को जीतना है। वैसे इन राज्यों में भाजपा की जीत एक करिश्मा ही होगा, लेकिन मोदी-शाह ऐसे आश्चर्यकारी करिश्में घटित करते रहे हैं। सर्वविदित है कि भाजपा के लिए तमिलनाडु केवल राजनीतिक संघर्ष का मैदान नहीं है, वैचारिक लड़ाई भी लड़ी जानी है। स्टालिन सरकार द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति को विवादित करने और त्रिभाषा सिद्धांत को हिंदी थोपने की कोशिश के रूप में प्रचारित करने से केंद्र आहत है।

नेशनल हेराल्ड के चक्रव्यूह में सोनिया-राहुल

> “आखिर वे सही हैं तो फिर सांच को आंच क्या? देश में जब सभी नागरिकों के लिए एक समान कानून है, एक तरह की जांच-प्रक्रिया है तो फिर सोनिया व राहुल गांधी कानून से ऊपर कैसे हो सकते हैं? ध्यान देना होगा कि गत वर्ष पहले इस मामले में आरोपित सोनिया व राहुल गांधी को आयकर विभाग द्वारा भेजे गए पुनर्मूल्यांकन के मामले में उच्च न्यायालय से कोई राहत नहीं मिली थी।

नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा मनी लॉन्ड्रिंग केस में चार्जशीट दाखिल किए जाने के बाद जिस तरह कांग्रेस पार्टी की तिलमिलाहट बढ़ी है और उसके नेता धरना, प्रदर्शन के जरिए विरोध जता रहे हैं उससे साफ है कि कांग्रेस पार्टी अपने नेता सोनिया व राहुल गांधी को देश और संविधान से ऊपर मानकर चल रहे हैं। कांग्रेस अपने दलीलों के जरिए कुछ इस तरह की धारणाएं स्थापित करने की कोशिश में है मानों केंद्र सरकार जानबुझकर जांच एजेंसियों के जरिए सोनिया और राहुल गांधी को फंसाना चाहती है। यह ठीक नहीं है। चूंकि यह मामला कांग्रेस समर्थित यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड और एसोसिएट जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) के बीच वित्तीय अनियमितता से जुड़ा है लिहाजा इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा चार्जशीट दाखिल किया जाना कहीं से भी अनुचित नहीं है। प्रवर्तन निदेशालय का मकसद यंग इंडियन और एसोसिएट जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) के हिस्सेदारी पैटर्न, वित्तीय लेनदेन और प्रवर्तकों की भूमिका अदालत के समक्ष लाना है। चूंकि यंग इंडियन के प्रवर्तकों और शेयर धारकों में सोनिया व राहुल गांधी समेत कई नेताओं के नाम शामिल हैं ऐसे में आवश्यक भी है कि सोनिया व राहुल गांधी अदालत के समक्ष पेश होकर अपना पक्ष रखें। आखिर वे सही हैं तो फिर सांच को आंच क्या? देश में जब सभी नागरिकों के लिए एक समान कानून है, एक तरह की जांच-प्रक्रिया है तो फिर सोनिया व राहुल गांधी कानून से ऊपर कैसे हो सकते हैं? ध्यान देना होगा कि गत वर्ष पहले इस मामले में आरोपित सोनिया व राहुल गांधी को आयकर विभाग द्वारा भेजे गए पुनर्मूल्यांकन के मामले में उच्च न्यायालय से कोई राहत नहीं मिली थी। तब आयकर विभाग ने राहुल गांधी को वित्तीय वर्ष 2011-12 के पुनर्मूल्यांकन का नोटिस भेजा था। आयकर विभाग ने पुनर्मूल्यांकन करने का फैसला इसलिए लिया था कि राहुल गांधी ने जानकारी नहीं दी थी कि वह वर्ष 2010 में यंग इंडियन के निदेशक थे। देश तब भी जानना चाहा था कि अगर आयकर विभाग पुनर्मूल्यांकन करना चाहता है तो इससे कांग्रेस को आपत्ति क्यों है? अगर सोनिया व राहुल गांधी से वित्तीय गड़बड़ी हुई है अथवा नहीं हुई इसका दूध का दूध और पानी का पानी तो अदालत में ही होगा न। उल्लेखनीय है कि नेशनल हेराल्ड का मामला 2013 में तब उठा था जब केंद्र में कांग्रेसनीत यूपीए की सरकार थी और डा0 मनमोहन सिंह देश के प्रधानमंत्री थे। इस मामले को भाजपा नेता और याचिकाकर्ता सुब्रमण्यम स्वामी द्वारा उठाया गया था। उस समय उच्च न्यायालय ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी व उपाध्यक्ष राहुल गांधी को निचली अदालत में पेश होने का आदेश दिया। तब भी कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि यह साजिश है और इसके पीछे भाजपा का हाथ है। स्वयं तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी यह कहती सुनी गयी थी कि वह इंदिरा गांधी की बहू हैं इसलिए डरने वाली नहीं हैं। उनके इस रवैए से देश भर में यहीं संदेश गया था कि सोनिया व राहुल गांधी अपनी रसूख के दम पर अदालत में पेश होने की छूट चाहते हैं। आज भी उसी की पुनरावृत्ति होती दिख रही है। इस मामले को समझने के लिए नेशनल हेराल्ड मामले को समझना जरुरी है। नेशनल हेराल्ड समाचार पत्र की मालिकाना कंपनी एसोसिएट्स जर्नल्स लिमिटेड है। पहले नेशनल हेराल्ड की कंपनी एसोसिएट जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) को कांग्रेस ने 26 फरवरी, 2011 को 90 करोड़ रुपए का लोन दिया और उसके बाद पांच लाख रुपए से यंग इंडिया कंपनी बनायी। फिर 10-10 रुपए के 9 करोड़ शेयर यंग इंडिया को दिए गए। इसके बदले यंग इंडिया को कांग्रेस का लोन चुकाना था। लेकिन मजे की बात यह कि 9 करोड़ शेयर के साथ यंग इंडिया को एसोसिएट जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) के 99 फीसदी शेयर तो हासिल हो गए लेकिन उसे कर्ज भी नहीं चुकाना पड़ा। यानी कांग्रेस ने उदारता दिखाते हुए 90 करोड़ रुपए का लोन माफ कर दिया। कांग्रेस का तर्क है कि इस प्रक्रिया में ऐसा कुछ भी गलत नहीं हुआ जिससे कानून का उलंघन हुआ हो। लेकिन यहां सवाल यह है कि बतौर एक राजनीतिक दल होते हुए कांग्रेस किसी कंपनी को लोन कैसे दे सकती है? कांग्रेस का यह तर्क कि पार्टी अपनी पूंजी को जैसे चाहे वैसे खर्च कर सकती है यह उसकी नासमझी और तानाशाही को रेखांकित करता है। तब यह खुलासा हुआ था कि जिस यंग इंडिया लिमिटेड ने नेशनल हेराल्ड की कंपनी एसोसिएट जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) को खरीदा उसमें सोनिया व राहुल गांधी की 38-38 फीसदी की हिस्सेदारी है। 24 फीसदी हिस्सेदारी कांग्रेस नेता मोतीलाल वोरा और आस्कर फर्नांडीज की है। क्या इससे यह प्रमाणित नहीं होता है कि कांग्रेस पार्टी सोनिया व राहुल गांधी समेत अन्य नेताओं को परोक्ष रुप से लाभ पहुंचाया है? क्या कांग्रेस इस तरह की आर्थिक उदारता एक सामान्य कांग्रेसी कार्यकर्ता के प्रति दिखा सकती है? अगर नहीं तो फिर ऐसे में याचिकाकर्ता सुब्रमण्यम स्वामी की यह दलील सर्वथा उचित ही है कि कांग्रेस ने यंग इंडियन को एजेएल को खरीदने के लिए असुरक्षित कर्ज दिया। याचिकाकर्ता सुब्रमण्यम स्वामी का यह भी तर्क है कि इस हेरा-फेरी का मकसद दिल्ली में बहादुर शाह जफर मार्ग पर स्थित हेराल्ड हाउस की 2000 करोड़ रुपए की संपत्ति को कब्जाना था। अगर याचिकाकर्ता के इस दलील में दम है तो फिर इसकी जांच क्यों नहीं होनी चाहिए?

मामला सतह पर आने के बाद कांग्रेस द्वारा दलील दिया गया कि हेराल्ड हाउस को पासपोर्ट ऑफिस के लिए किराए पर दिया गया। लेकिन यहां सवाल यह है कि जब तत्कालीन केंद्र की सरकार ने अखबार चलाने के लिए जमीन दी तो फिर उसका व्यवसायिक इस्तेमाल क्यों किया गया? क्या यह कानून के खिलाफ नहीं है? गौर करें तो सवाल यहीं तक सीमित नहीं है।

सरोकार

सुनियोजित हिंसा के खिलाफ सख्त कार्रवाई क्यों नही

वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ पश्चिम बंगाल में जो हिंसा हुई वह सुनियोजित थी।यह अब तक की केन्द्रीय एजेंसियों की तफ्तीश से काफी कुछ साफ होता जा रहा है। लेकिन सवाल है कि इस सुनियोजित हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही? राज्य प्रशासन की जवाबदेही क्यों नहीं सुनिश्चित की गई? उसकी लापरवाही पर संसद और जिम्मेदार संस्थाएं कब तक एक्शन लेंगीं, क्योंकि विदेशी-देशी सांठगांठ से हुई हिंसा में हिंदुओं के जानमाल की क्षति हुई है। ऐसा कोई पहली बार नहीं हो रहा। इसलिए उदंड और बेलगाम राजनीति की लगाम कौन कसेगा, यह अब यक्ष प्रश्न है?

जांच एजेंसियों के सूत्रों की मानें तो इस हिंसा की प्लानिंग लंबे समय से की जा रही थी। लगभग पिछले तीन महीनों से इलाके के लोग इस घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। पूरे मामले की जांच के दौरान पाया गया है कि यह आतंकवाद फैलाने का नया तरीका है। प्रारंभ में रामनवमी की तारीख तय थी, लेकिन उस दिन कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के कारण चीजें बदल गईं।लेकिन वक्फ संशोधन कानून ने ट्रिगर पॉइंट दे दिया। खुफिया रिपोर्ट के मुताबिक मुर्शिदाबाद की हिंसा में विदेशी हस्तक्षेप से इनकार नहीं किया जा सकता है । जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) और हरकत-उल-जिहाद-अल-इस्लामी (हूजी) जैसे समूह बांग्लादेश बॉर्डर से लगते इलाकों और सुंदरबन डेल्टा में हथियारों की आपूर्ति कर रहे हैं। ये आतंकी संगठन ट्रेनिंग देने के साथ ही प्रोपेगेंडा भी फैला रहे हैं । अंतरराष्ट्रीय संगठन अशांति को बढ़ाने के लिए वैश्विक मीडिया का उपयोग कर रहे हैं । वे दहशत फैलाने के लिए अफ़वाह फैलाने में मदद कर रहे हैं। यह उसी तरह है जैसे सीएए विरोध प्रदर्शनों के दौरान एनआरसी को मुसलमानों की नागरिकता छीनने के रूप में प्रचारित किया गया था । विरोध प्रदर्शनों के दौरान हिरासत में लिए गए या गिरफ्तार किए गए लोगों को भी नायक के रूप में महिमामंडित किया जा रहा है।

दरअसल वक्फ कानून में संशोधन के विरोध में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में जो हिंसा भड़क उठी है, उससे खुफिया एजेंसियों ने अन्य राज्यों में भी ऐसी घटनाओं की आशंका जताई है । इसके दृष्टिगत देशभर में लगातार सतर्कता बरती जा रही है। यह बात दीगर है कि अभी तक अन्य राज्यों से किसी अप्रिय घटना की खबर नहीं है । केंद्र सरकार के मुताबिक वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की अधिसूचना के मद्देनजर अभी तक अन्य राज्यों या केंद्र शासित प्रदेशों से किसी भी सांप्रदायिक स्थिति की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है।

इस बात में कोई दो राय नहीं कि भारत एक शांतिप्रिय देश रहा है। फिर भी पहले मुस्लिम आक्रान्ताओं ने और फिर ब्रिटिश नौकरशाहों ने अपने-अपने प्रशासनिक स्वार्थ की प्रतिपूर्ति के लिए ऐसी-ऐसी अव्यवहारिक नीतियों को कानूनी अमली जामा पहनाया, जिससे हिन्दू समाज जाति और क्षेत्र के नाम पर बिखर गया। कभी मुस्लिम अधिकारी तो कभी ईसाई अधिकारी और उनके पिट्ठू लोग हिन्दुओं पर हावी होते चले गए । इसी कड़ी में सांप्रदायिक, जातीय और क्षेत्रीय हिंसा को अघोषित प्रशासनिक एजेंडे के तौर पर बढ़ावा दिया गया । इसके अलावा कभी प्रशासनिक उदासीनता तो कभी पक्षपाती दृष्टिकोण अपनाते हुए संगठित अपराध को बढ़ावा दिया गया, जिससे विधि व्यवस्था की स्थिति दिन-प्रतिदिन बिगड़ती चली गई। इसी स्थिति से निजात पाने के लिए देश में आजादी की लड़ाई तेज हुई और साम्पदायिक विभाजन तक की नौबत आई । इस दौरान हिन्दू-मुस्लिम दंगे भी खूब हुए । कथित राष्ट्रवादियों ने ढोंगी धर्मनिरपेक्षता की तो खूब बातें कीं, लेकिन अपने कुत्सित जातीय, क्षेत्रीय और सांप्रदायिक एजेंडे से आगे की कभी नहीं सोच पाए । मसलन बहुमत की आड़ में शांतिप्रिय सत्ता परिवर्तन भी सुनिश्चित हुआ, लेकिन विधायिका, कार्यपालिका और अन्य समाज के जिम्मेदार स्तंभों से जुड़े लोग मुगलिया और ब्रितानी प्रशासनिक लापरवाहियों से कोई सबक नहीं सीख पाए । वह लोग अपने फायदे की बात तो करते रहे, लेकिन, लेकिन आमलोगों के सुख-शांति में खलल डालने वालों के खिलाफ कभी सख्ती नहीं दिखाई ।

गुस्सा और विश्वविद्यालय की गिरती गरिमा

दिल्ली विश्वविद्यालय में छात्रों द्वारा क्लासरूम और प्रिंसिपल के घर पर गोबर लीपने की घटना केवल अनुशासनहीनता नहीं, बल्कि एक गहरी असंतोष की प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति थी। इस विरोध ने सत्ता और शिक्षा व्यवस्था के पाखंड को उजागर किया। जहां एक ओर गोबर को सांस्कृतिक प्रतीक माना जाता है, वहीं जब छात्र उसी प्रतीक का इस्तेमाल विरोध में करते हैं, तो उसे ‘असभ्य’ करार दिया जाता है। विश्वविद्यालय अब संवाद के नहीं, सत्ता के मंच बनते जा रहे हैं, जहां छात्रों की असहमति को दबाया जाता है। इस असामान्य विरोध ने न केवल व्यवस्था की संवेदनहीनता पर सवाल खड़े किए, बल्कि यह भी बताया कि प्रतीकों के ज़रिए भी तीखा प्रतिरोध संभव है। जब असहमति की जगह छिन जाती है, तो गुस्सा प्रतीकों के ज़रिए बोलता है, कभी-कभी गोबर से भी।दिल्ली विश्वविद्यालय जिसे भारत के सबसे प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों में गिना जाता है, हाल ही में एक अजीबोगरीब और प्रतीकात्मक विरोध का केंद्र बना। कुछ छात्रों ने क्लास रूम की दीवारों पर गोबर लीप दिया और प्रिंसिपल के घर के बाहर भी गोबर फेंक दिया। यह कोई फिल्मी सीन नहीं था, न ही कोई ग्रामीण उत्सव। यह था एक गुस्से से भरा राजनीतिक वक्तव्य। यह घटना न केवल ध्यान खींचती है, बल्कि कई गहरे और असहज सवाल भी खड़े करती है। क्या विश्वविद्यालय अब सिर्फ सत्ता का विस्तार बन चुके हैं? क्या छात्र आंदोलन केवल ‘विचारों’ से नहीं, अब ‘गंध’ से भी संवाद करने लगे हैं?यह विरोध दिल्ली यूनिवर्सिटी के साउथ कैंपस स्थित एक कॉलेज में हुआ, जहां छात्रों ने गोबर लिपकर क्लासरूम को ‘पवित्र’ करने की कोशिश की। दरअसल, यह पवित्रता का तंज था, एक ऐसे सिस्टम पर, जिसे छात्र ‘अपवित्र’ मानते हैं।

कहा गया कि यह विरोध जातिगत भेदभाव, एक दलित प्रोफेसर के साथ अन्याय और प्रशासन की असंवेदनशीलता के खिलाफ था। छात्रों ने न सिर्फ कक्षाओं को गोबर से लीपा, बल्कि प्रिंसिपल के घर तक जाकर वहां भी प्रदर्शन किया।दरअसल भारत में गोबर का उपयोग सदियों से पवित्रता, शुद्धता और स्वदेशी जीवनशैली के प्रतीक के रूप में होता आया है। लेकिन इस मामले में इसका प्रयोग गहराई से व्यंग्यात्मक था। यह एक ऐसा प्रतीक था जो न केवल सत्ता की पवित्रता को उलट देता है, बल्कि यह दिखाता है कि छात्र अब विरोध के पारंपरिक तरीकों से आगे बढ़कर, सत्ता की भाषा को उसके ही प्रतीकों से जवाब दे रहे हैं।भारतीय विश्वविद्यालय धीरे-धीरे उस विचारभूमि से हटते जा रहे हैं जहां असहमति को प्रोत्साहन मिलता था। आज यदि कोई छात्र या प्रोफेसर सत्ता के खिलाफ बोलता है तो उसे राष्ट्रविरोधी, या विकास-विरोधी कहा जाने लगता है। कैंपस अब लोकतांत्रिक संवाद के केंद्र नहीं, बल्कि अनुशासन और डर के घेरे बनते जा रहे हैं। छात्रों के इस कदम को केवल ‘असभ्यता’ कहकर खारिज करना आसान है, लेकिन यह भूलना नहीं चाहिए कि यह घटना उस निराशा और हताशा की उपज है जो वर्षों से भीतर ही भीतर सुलग रही है। जब संवाद के सारे रास्ते बंद कर दिए जाते हैं तो प्रतीकात्मक और चौंकाने वाले कदम ही एकमात्र विकल्प बनते हैं।निश्चित रूप से गोबर से दीवारें लीपना किसी भी संस्थान के लिए एक अनुशासनहीन हरकत मानी जाएगी लेकिन यह भी सोचना होगा कि जब छात्र अपनी बात कहने के लिए इतना असामान्य तरीका अपनाते हैं तो समस्या केवल छात्रों में नहीं, व्यवस्था में भी है। वे किस हद तक खुद को असहाय और अनसुना समझते हैं, यह इस घटना से ज़ाहिर होता है। यह विरोध न तो हिंसक था, न ही शारीरिक नुकसान पहुंचाने वाला लेकिन यह मानसिक और सांस्कृतिक असहजता पैदा करने वाला जरूर था।

शायद यही इसका उद्देश्य भी था, लोगों को हिलाकर रख देना, ध्यान खींचना, और एक झटके में सत्ता की नकली गरिमा को धूल-गोबर में मिला देना।छात्रों का प्रदर्शन प्रिंसिपल के निजी घर तक पहुंचना न केवल प्रतीकात्मक था, बल्कि यह दर्शाता है कि छात्रों को अब संस्थागत दायरे में न्याय की उम्मीद नहीं रही। जब कॉलेज के भीतर के मंच निष्क्रिय हो जाते हैं, तो विरोध निजी दायरे तक पहुंच जाता है। यह खतरनाक संकेत हैं, न केवल शिक्षा व्यवस्था के लिए, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए भी लेकिन दुर्भाग्यवश किसी ने यह नहीं पूछा कि छात्र ऐसा क्यों कर रहे हैं? किस घटना ने उन्हें इस हद तक पहुंचाया? किसने संवाद के रास्ते बंद किए? मीडिया अक्सर लक्षणों पर बहस करता है, लेकिन बीमारी की जड़ तक नहीं जाता।सत्ता का दोहरापनसत्ता जब गाय और गोबर को संस्कृति का हिस्सा मानकर उन्हें नीतियों में शामिल करती हैं, जैसे गोबर आधारित उत्पादों को बढ़ावा देना, पंचगव्य को चिकित्सा बताना। तब वह ‘धर्म-सम्मत’ होता है लेकिन जब यही प्रतीक छात्रों के विरोध में आते हैं तो वे अश्लील और असभ्य बन जाते हैं। यही सत्ता का दोहरापन है। छात्रों का यह विरोध सत्ता के इस पाखंड की पोल खोलता है।

नजरिया

देश में समाप्त होने के कगार पर पहुंचा नक्सलवाद

पिछले छह दशकों से देश में नासूर बनकर उभरा नक्सलवाद अब समाप्त होने की कगार पर पहुंच गया है। गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में घोषणा की है कि 31 मार्च 2026 तक देश में नक्सलवाद को समाप्त कर दिया जाएगा। गृहमंत्री द्वारा की गई यह एक बहुत बड़ी घोषणा है। गत 60 वर्षों से देश नक्सलवाद की समस्या से बुरी तरह पीड़ित रहा है। इस दौरान देश में कई सरकारें आईं और चली गईं, मगर नक्सलवाद का नासूर दिनों-दिन बढ़ता ही रहा था। देश के कई प्रदेशों में तो बहुत बड़े हिस्से में नक्सलवादी अपनी समानांतर सरकार तक चलाते थे। वहां केंद्र व राज्य सरकार का कोई असर नहीं दिखता था। नक्सलियों का फरमान ही अंतिम आदेश होता था, जिसे लोग मानने को मजबूर थे। मगर अब परिस्थितियां पूरी तरह बदल चुकी हैं। केंद्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे अभियान की सफलता से नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसे गिन रहा है। कई बड़े नक्सली कमांडर सुरक्षा बलों से मुठभेड़ में ढेर हो चुके हैं या फिर उन्होंने सरेंडर कर अपनी जान बचा ली है।गृहमंत्री अमित शाह ने पिछले दिनो कहा कि नक्सलवाद मुक्त भारत के निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए भारत ने वामपंथी उग्रवाद से अति प्रभावित जिलों की संख्या 12 से घटाकर 6 कर दी है। उन्होंने नक्सलवाद को खत्म करने के लिए मोदी सरकार के दृष्टिकोण पर रोशनी डालते हुए और सभी क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा देने के लिए देश की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। कहा था कि मोदी सरकार सर्वव्यापी विकास के लिए अथक प्रयासों और नक्सलवाद के खिलाफ दृढ़ रुख के साथ सशक्त, सुरक्षित और समृद्ध भारत बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। हम 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

गृह मंत्रालय के अनुसार भारत में नक्सलवाद से प्रभावित जिलों की कुल संख्या पहले 38 थी। इनमें से सबसे अधिक प्रभावित जिलों की संख्या अब घटकर 6 हो गई है। साथ ही चिंता के जिलों और अन्य वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों की संख्या में भी कमी आई है। नक्सलवाद से सबसे अधिक प्रभावित छह जिलों में अब छत्तीसगढ़ में चार जिले बीजापुर, कांकेर, नारायणपुर और सुकमा, जबकि झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिला व महाराष्ट्र का गढ़चिरौली जिला शामिल है। इसके अतिरिक्त चिंता जिलों की संख्या जिन्हें गहन संसाधनों और ध्यान की आवश्यकता है 9 से घटकर 6 रह गई हैं। ये जिले आंध्र प्रदेश में अल्लूरी सीताराम राजू, मध्य प्रदेश में बालाघाट, ओडिशा में कालाहांडी, कंधमाल और मलकानगिरी और तेलंगाना में भद्राद्री-कोठागुडेम हैं।

अन्य वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों की संख्या जो नक्सली गतिविधि का भी सामना कर रहे हैं लेकिन कम हद तक 17 से घटकर 6 हो गई है। इनमें छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा, गरियाबंद और मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चैकी, झारखंड का लातेहार, ओडिशा का नुआपाड़ा और तेलंगाना का मुलुगु जिला शामिल हैं। इन जिलों को उनके पुनर्निर्माण और विकास में सहायता करने के लिए केंद्र सरकार विशेष केंद्रीय सहायता (एससीए) योजना के तहत वित्तीय सहायता प्रदान करती है। सबसे अधिक प्रभावित जिलों को 30 करोड़ रुपये मिलते हैं। जबकि सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में अंतराल को भरने के लिए चिंता वाले जिलों को 10 करोड़ रुपये आवंटित किए जाते हैं। इन क्षेत्रों की जरूरतों के अनुरूप विशेष परियोजनाओं को भी सरकार द्वारा वित्त पोषित किया जाता है।नक्सलवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के चलते वर्ष 2025 में अब तक केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा तैयार किए गए आंकड़ों के अनुसार छत्तीसगढ़ में मुठभेड़ों में कम से कम 130 नक्सली मारे गए हैं। इनमें से 110 से ज्यादा बस्तर संभाग में मारे गए जिसमें बीजापुर और कांकेर समेत सात जिले शामिल हैं। देश के विभिन्न हिस्सों से 105 से अधिक नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया और 2025 में अब तक 164 ने आत्मसमर्पण कर दिया है। वहीं इससे पहले वर्ष 2024 में 290 नक्सलियों को न्यूट्रलाइज किया गया था 1090 को गिरफ्तार किया गया और 881 ने आत्मसमर्पण किया था। अभी तक कुल 15 शीर्ष नक्सली नेताओं को न्यूट्रलाइज किया जा चुका है। वर्ष 2014 तक कुल 66 फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशन थे जबकि मोदी सरकार के पिछले 10 साल के कार्यकाल में इनकी संख्या बढ़कर 612 हो गई है। इसी प्रकार 2014 में देश में 126 जिले नक्सलप्रभावित थे लेकिन 2024 में सबसे अधिक प्रभावित जिलों की संख्या घटकर मात्र 12 रह गई है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक सीमा सिंह द्वारा प्वांइट ऑफसेट, 86/98 कुर्मी टोला गुरुगोविन्द्र सिंह मार्ग, लालकुआं, लखनऊ-226018 से मुद्रित एवं पहाड़पुर, पोस्ट बंथरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक-पंकज सिंह मो-9415067370 आरएनआई - UPHIN/2016/74800 मेल आईडी-karnvaninews@gmail.com website : karnvaninews.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।)

संक्षिप्त खबरें

कक्षा 10 की छात्रा का रेलवे ट्रैक पर मिला शव

अमेठी। जायस कोतवाली क्षेत्र के नकृदय्यापुर रेलवे फाटक खम्बा 961/28 पर एक 16 वर्षीय किशोरी लक्ष्मी पुत्री मोती लाल सरोज निवासी पूरे बाबा का पुरवा मजरे बहादुरपुर का शव पाये जाने से हड़कंप मच गया. मौके पर पहुंचे किशोरी के माता-पिता ने बताया की मृतिका लक्ष्मी दो भाई और दो बहनों में तीसरे नंबर पर थी बड़े भाई सुरजीत व सुमित दिल्ली में काम करते है सबसे छोटी बहन अर्चना है जो गांव में रहती है.लक्ष्मी इस साल कक्षा 10 में थी और वह पंडित दीन दयाल राजकीय आवासीय बालिका इंटर कॉलेज असैदापुर गौरीगंज में पढ़ती थी तथा वह वही आवासीय छात्रावास में रहती थी.10 दिन पहले ही वह गांव आई थी तब से वह गुमसुम रहती थी।दो दिन पहले वह पत्नी के साथ अपनी ससुराल थउरी थाना नसीराबाद जनपद रायबरेली गेहूं की कटाई के लिये गये थे घर पर लक्ष्मी अंजलि और उसकी भाभी ही थे गुरवार की सुबह बहू का फ़ोन आया की लक्ष्मी घर पर नहीं है ये ख़बर पाते ही हमसब उसकी खोजबीन में लग गये बाद में उसका शव नकदैय्यापुर रेलवे क्रासिंग पर मिला है. बनी रेलवे स्टेशन से मिले मेमो पर कोतवाली पुलिस घटना स्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पी एम के लिए भेज दिया है. मृतिका अपने घर से 3 किलोमीटर दूर कैसे पहुंची और उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई ये अभी अबूझ पहेली ही बनी हुई है. कोतवाली के कार्यवाहक कोतवाल शस्त्रजीत प्रसाद ने बताया की घटना की हर पहलू पर जांच शुरू हो गई है पी एम रिपोर्ट आने पर स्थिति साफ़ होगी।

सिद्धौर के 49 विद्यालयों को मिला टैबलेट

बाराबंकी। सिद्धौर ब्लॉक क्षेत्र के हैदरगढ़ बाराबंकी मार्ग पर केसरगंज चौराहा स्थित बीईओ कार्यालय परिसर पर गुरुवार को दूसरेचरण के परिषदीय विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षकाओं के लिए टेबलेट वितरण का कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र व पुष्प अर्पित कर हुआ। जिसकी अध्यक्षता बीडीओ सिद्धौर प्रमोद कुमार उपाध्याय व ब्लाक प्रमुख सिद्धौर आरती रावत ने किया। इस मौके पर करीब 49 विद्यालयों शिक्षक-शिक्षिकाओं को करीब टैबलेट दिए गए। वह जानकारी बीईओ सिद्धौर श्री उपाध्याय ने देते हुए बताया कि प्रथम चरण में प्राथमिक और कंपोजिट विद्यालय के शिक्षकों में टेबलेट वितरण हुआ था। शेष रह गए विद्यालयों में टेबलेट वितरण का कार्य मंगलवार को संपन्न हुआ है। अब क्षेत्र के समस्त 213 विद्यालयों के शिक्षक शिक्षिकाएं टैबलेट से अच्छादित है। टैबलेट पाने वालों में उच्च प्राथमिक विद्यालय छुल्हापाही, रसूलाबाद, भोरई, मिर्जापुर, सगौरातैय्यब, उचिटा, अंदका, बिदियामऊ, शेषपुर हकीम, सिद्धौर व मसरखापुर आदि के विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षकों उषा पांडेय, मोहम्मद अख्तर, रामू, संजय पांडेय, देवानंद विश्वकर्मा, दुर्गेद सिंह, नरगिस फातिमा, शोभावती, मनोज, नौमी लाल आदि शामिल है। कार्यक्रम के दौरान शिक्षक आदर्श कुमार पांडेय, अभिषेक नाग, शिवम शर्मा, कोठी मंडल अध्यक्ष रामतीर्थ वर्मा आदि मौजूद थे।

वर्षो से खराब सड़क न बनने से ग्रामीणों का गुस्सा फूटा

रामनगर। बिलखिया से बंजरिया वादी पुरवा होते त्रिलोकपुर मार्ग तक जाने वाला डामर रोड कई वर्षो से काफी क्षति ग्रस्त है जिस कारण आवागमन में ग्रामीणों को बहुत ज्यादा असुविधा हो रही है। इसे बनवाने को लेकर पूर्व प्रधान के साथ ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। रामनगर ब्लॉक के बिलखिया से वैता मऊ होकर बंजरिया तक सड़क आईडी ने बनाई थी जो अब पूरी तरह उखड़ चुकी है।इस सड़क पर बड़े बड़े रोडे निकल आए हैं जिन पर निकलना मुश्किल है। इसे अब लोक निर्माण विभाग के जिम्मे कर दिया गया है फिर भी मार्ग बन नही सका है। इसी तरह बंजरिया से वादी पुरवा होकर त्रिलोकपुर तक मार्ग आरई डी ने तीन साल पहले बनाया था।वो भी पूरा मार्ग क्षति ग्रस्त है।आवागमन बाधित है।कुल मिलाकर इन दो सड़कों को जोड़ कर बिलखिया से त्रिलोकपुर तक करीब तीन किमी मार्ग काफी उखड़ा हुआ है ।लम्बे समय से मरम्मत न होने से ग्रामीण परेशान है।दो गिभागों के बीच आम नागरिक परेशान हो रहे हैं।पूर्व प्रधान गुड्डू वर्मा ने बताया कि कई बार इसकी मरम्मत के लिए कहा गया मगर अनसुनी ही हुई है।इन सड़कों की मरम्मत होनी चाहिए चाहे लोक निर्माण विभाग कराए या आर ई डी। इसकी मांग लेकर ग्रामीणों ने पूर्व प्रधान के साथ प्रदर्शन भी किया।

युवक से मारपीट में दो युवकों पर केस दर्ज

शुक्लागंज, उन्नाव। उन्नाव सदर कोतवाली क्षेत्र के एक युवक के साथ कल्लूपुरवा में मामूली बात को लेकर दो युवकों ने मारपीट कर दी। जिससे उसे चोटें आईं। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। धौकलखेड़ा निवासी रामू साहू ने बताया कि वह मंगलवार दोपहर किसी कार्य से हाईवे स्थित कल्लूपुरवा गया था। वहां पर स्थानीय निवासी सूरज कुमार और विकास कुमार ने उसे बिना कारण गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। मारपीट में रामू को चोटें आईं, जिसके बाद वह थाने पहुंचा और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने युवक का मेडिकल परीक्षण कराकर आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

देशी शराब दुकान विवादो से घिरी निर्धारित मूल्य से अधिक दाम, नियमों का उल्लंघन मिलीभगत य अनदेखी

सफीपुर,उन्नाव। उत्तर प्रदेश में शराब की दुकानों के नियमों के अनुसार, शराब की दुकानों को सुबह 10 बजे से रात 10 बजे तक संचालित करने की अनुमति है। उदाहरण देशी शराब की दुकान में अनियमितताओं का मामला सामने आया है, जहां देशी शराब की दुकान को सुबह 7 बजे से ही खोल दिया गया और शराब बिक्री शुरू कर दी गई। यह नियमों के विरुद्ध है। इसके अलावा, 75 रुपये का क्वाटर 90 रुपये में बेचने की बात भी सामने आई है, जब ग्रामीणों से पूछा गया तभी गांव के रहमत अली, रमेश व रंजीत आदि लोगो ने बताया कि निर्धारित मूल्य से अधिक शराब की बिक्री की जा रही है। यह दुकान पहले भी विवादों में रही है, जब ई लॉटरी के बाद जिलाबदर को दुकान आवंटित कर दी गयी थी। आबकारी विभाग ने कुछ पहले ही आवंटन निरस्त कर दिया था, अब इस देशी शराब की दुकान का संचालन डेली बिक्री बेस पर किया जा रहा है,यहां पर अनियमितताएं अभी भी लगातार जारी हैं। अब देखना यह है कि आबकारी विभाग के अधिकारी इस मामले में क्या कार्रवाई करते हैं।

मनाई गई सम्राट अशोक की जयंती

- बाबा साहब डॉ अम्बेडकर ने दिए राजसता पर अधिकार के संदेश: विश्व नाथ पाल
- कांग्रेस की गलत नीतियों के कारण ही हुआ बसपा का जन्म
- उत्तर प्रदेश में कानून का राज कायम कर बहन मायावती ने बाबा साहब के सपनों को साकार किया: भीम राव अम्बेडकर

करण वाणी संवाददाता

अमेठी/तिलोई। मोहनगंज में गुरवार को बहुजन समाज पार्टी के बैनर तले बाबा साहब डॉ अम्बेडकर और सम्राट अशोक की संयुक्त जयंती मनाई गयी। कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश अध्यक्ष विश्व नाथ पाल ने सम्बोधित किया। प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं को बाबा साहब डॉ अम्बेडकर के जीवन दर्शन के अनुरूप आचरण करते हुए विपरीत परिस्थितियों में भी पार्टी संगठन और बाबा साहब डॉ अम्बेडकर के मानवतावादी मूवमेंट के लिए ईमानदारी से काम करने के संदेश दिए। उन्होंने कहा कि भारत को दुनिया का मजबूत और शक्तिशाली राष्ट्र बनाने के लिए बाबा साहब डॉ अम्बेडकर ने बहुजनों को राजसत्ता पर अधिकार और भारतीय संविधान को ठीक ढंग से लागू करने के संदेश दिए थे। उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी की मुखिया बहन मायावती जी ने सर्वसमाज के हितों को सुरक्षित करते हुए बाबा साहब डॉ अम्बेडकर के सपनों को साकार किया।अन्य प्रदेशों में बाबा साहब डॉ अम्बेडकर का मिशन और मूवमेंट काफी पीछे है। कांग्रेस ने बाबा साहब डॉ अम्बेडकर के रास्ते में पग पग पर रोड़े अटकाए। कांग्रेस की गलत नीतियों के कारण ही 14अप्रैल 1984को मान्यवर कांशीराम साहब को बहुजन समाज पार्टी बनानी पड़ी। कांग्रेस ने चालीस साल तक शासन किया किन्तु बाबा साहब डॉ अम्बेडकर को सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न नहीं दिया। मान्यवर कांशीराम साहब के निधन पर राजकीय अवकाश भी घोषित नहीं किया।1990मे बसपा के तीन सांसदों ने वी पी सिंह की अल्पमत सरकार का सशर्त समर्थन किया और बाबा साहब डॉ को भारत रत्न मिला, मंडल कमीशन की रिपोर्ट लागू हुई। अध्यक्षीय सम्बोधन में पूर्व एम एल सी डा भीमराव अम्बेडकर ने कहा कि बाबा साहब डॉ अम्बेडकर ने दलितों और पिछड़ों को हक अधिकार दिलाने के लिए, जीवन पर्यन्त संघर्ष किया। हृदय विदारक अपमान सहकर उन्होंने महिलाओं को भी बराबरी के अधिकार दिलाए। बाबा साहब डॉ अम्बेडकर के शिक्षाओं और विचारों को पूरी दुनिया में पहुंचाने का काम मान्यवर कांशीराम साहब ने किया।बहन मायावती जी को जब उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री बनने का मौका मिला तो उन्होंने बाबा साहब डॉ अम्बेडकर के संदेश के अनुरूप शासन चलाया और भारतीय संविधान को ठीक ढंग से लागू करने का काम किया।बाबा साहब डॉ अम्बेडकर और सम्राट अशोक के सपनों का भारत बनाने के लिए भारतीय संविधान का ठीक ढंग से लागू होना जरूरी है,यह काम केवल आयरन लेडी बहन मायावती जी ही कर सकती है। बसपा सामाजिक भाईचारा कमेटी के जिला संयोजक रमेश कुमार मौर्य ने अतिथियों और कार्यकर्ताओं का स्वागत किया। सभा को बसपा के वरिष्ठ नेता रामानंद मौर्य, विधानसभा प्रभारी दिनेश गौतम, विजय गौतम, बाबू लाल मौर्य आदि ने संबोधित किया। विधान सभा अध्यक्ष मोहन लाल गौतम, शिवनायक पासी,राजा गूजर आदि मौजूद रहे।

तीन महिलाओं के यौन शोषण का केस ट्रांसफर, आरोपियों की जमानत याचिका एससी-एसटी कोर्ट में होगी सुनवाई

बांदा। जिले में तीन महिलाओं के यौन शोषण मामले में नया मोड़ आया है। स्पेशल सेशन कोर्ट ने लोकेंद्र सिंह और स्वतंत्र साहू की जमानत याचिका को एससी-एसटी कोर्ट में ट्रांसफर कर दिया है। कोर्ट ने मुकदमा विवेचक को पीड़िता को सम्मन तामील करने और जमानत याचिका पर अपनी राय देने का आदेश दिया है। मामला 22 मार्च को दर्ज किया गया था। पुलिस ने एक सप्ताह के भीतर दलाल नवीन विश्वकर्मा और आरोपी लोकेंद्र प्रताप सिंह को गिरफ्तार किया। अन्य दो आरोपी स्वतंत्र साहू और आशीष अग्रवाल ने न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। सभी आरोपी बांदा के प्रमुख व्यवसायी हैं। तीन युवतियां नौकरी की तलाश में इनके पास गई थीं। आरोपियों ने नौकरी देने का झांसा देकर तीन महीने तक उनका यौन शोषण किया। परेशान होकर पीड़िताओं ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। कोर्ट ने पीड़ित पक्ष को 23 अप्रैल तक हर हाल में सम्मन तामील करने के विशेष निर्देश दिए हैं।

सिद्धार्थ में मनरेगा से बने तालाब सूखे, जानवरों को पेयजल का संकट

करण वाणी संवाददाता

बाराबंकी। गर्मी के मौसम में तापमान बढ़ने से क्षेत्र में पेयजल संकट गहरा गया है। यह समस्या न केवल लोगों को, बल्कि वन्य जीवों और मवेशियों को भी प्रभावित कर रही है। खेतों और बागों के बीच खुदे तालाब पूरी तरह सूख गए हैं। इस कारण जंगली जानवर जैसे नीलगाय, सियार और हिरन पानी की तलाश में गोमती नदी और नहर की तरफ आ रहे हैं। आबादी के पास आने से ये जानवर आवारा कुत्तों के शिकार भी बन रहे हैं। मनरेगा योजना के तहत बनाए गए कई तालाब या तो सूख चुके हैं या सूखने की कगार पर हैं। विभाग की ओर से इन तालाबों को पानी से भरने की अभी तक कोई योजना धरातल पर नहीं है। ब्लॉक क्षेत्र में लाखों रुपये खर्च कर बनाए गए करीब 45 अमृत सरोवर भी खराब स्थिति में हैं। इनमें कहीं कीचड़ दिख रहा है तो कहीं धूल उड़ रही है। असंद्रा, टेण्ड्वां, कादीपुर, बुधनाई, मीरापुर, डेढ़िया, गंगवाई पठनान, उस्मानपुर, सेमरावां, खानापुर, भिटौरालखन व कोठी समेत गांवों के किसान इस समस्या से जूझ रहे हैं। स्थानीय किसान रामकैलाश यादव, अजय सिंह, मोहम्मद असलम समेत कई लोगों को पीने के पानी की सुविधा नहीं मिल पा रही है। पशुपालकों को अपने मवेशियों को पानी पिलाने के लिए दूर-दराज तक जाना पड़ रहा है। हालांकि एपीओ मनरेगा सिद्धौर अमित कुमार का ने बताया है कि क्षेत्रीय 96 पंचायत में करीब 45 के आसपास अमृत सरोवर है। इतने ही पुराने तालाब है। इनमें जल भरने को लेकर बीडीओ विनय विनय मिश्र के द्वारा मीटिंग कर तालाबों को चिन्हित करने का कार्य किया गया है। उन्होंने बताया कि अधिकांश तालाबों में पानी है। जो सूखे पड़े हैं। उन्हें प्रक्रिया के तहत जल्द पानी भराया जाएगा।

दलितों पर डोरे डालने की तैयारी में भाजपा

करण वाणी संवाददाता

अमेठी। अब दलितों पर डोरे डालने के लिए भारतीय जनता पार्टी गांव-गांव, गली-गली अभियान शुरू करने जा रही है। 20 से 25 अप्रैल तक इस अभियान के तहत पार्टी के बड़े प्रमुख दलित नेताओं को जनता के बीच उतारा जाएगा। इसके बाद वक्फ बिल के विषय में सरकार का पक्ष लेकर भाजपाई मुसलमानों के बीच जाएंगे और उनसे समर्थन हासिल करने की कोशिश करेंगे। जिला अध्यक्ष सुधांशु शुक्ला के नेतृत्व में कार्यक्रमों की रुपरेखा तैयार हो रही है। पार्टी दलित बुद्धिजीवियों व पढ़ें लिखे लोगों को जोड़ने की तैयारी कर रही है। इसके अलावा पार्टी कार्यकर्ता दलित व सेवा बस्तियों में जाकर संपर्क व संवाद स्थापित करेंगे। पार्टी वक्फ संशोधन बिल के पक्ष में 20 अप्रैल से 4 मई तक अभियान चलाएगी। जिसमें भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा, युवा मोर्चा व भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मुसलमानों के बीच जाकर विपक्ष के झूठ का पर्दाफाश करेंगे और वक्फ संशोधन बिल की खूबियां गिनाएंगे, और संगोष्ठी आयोजित होंगी। 'एक राष्ट्र एक चुनाव' के समर्थन में सभी जनप्रतिनिधियों, एनजीओ व आम लोगों का प्रस्ताव राष्ट्रपति को भेजा जाएगा।

पत्नी ने साथियों से पति को पिटवाया, पीड़ित ने पुलिस से की कार्रवाई की मांग

करण वाणी संवाददाता

उरई/जालौन। जालौन में पत्नी की पिटाई से प्रताड़ित होकर एक युवक घायलावस्था में कोतवाली पहुंचा। जहां उसने अपने साथ घटित हुई घटना के बारे में पुलिस को बताया। लहूलुहान हालत में देखते हुए पुलिस ने उसे मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा। साथ ही उसकी शिकायत के आधार पर पत्नी सहित 4 लोगों के खिलाफ मामला पंजीकृत कर लिया। जिसमें एक आरोपी को गिरफ्तार कर कार्रवाई शुरू कर दी। उरई कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला शिवपुरी के रहने वाला मनीष आनन्द पुत्र स्व. अजय आनन्द घायल अवस्था में कोतवाली पहुंचा। जहां उसने बताया कि 13 नवंबर 2024 को उसकी शादी उरई के मोहल्ला उमरारखेरा की रहने वाली वंशिकाराज पुत्री राजकुमार के साथ हुई थी। शादी के बाद से ही उसकी पत्नी आए दिन झगड़ा करती थी और कहते थे कि मेरे नाम मकान करो, इस बात का उसने विरोध किया तो पत्नी वशिकाराज धमकी देने लगी, कि तुम्हें व तुम्हारे घरवालों को किसी न किसी फर्जी मुकदमे में फंसवा दूंगी। 15 अप्रैल को उसने अपनी अपनी पत्नी को स्टेशन के पास रिश्ते में मामा अनुज पुत्र भगत सिंह निवासी उमरारखेरा व दो अज्ञात लड़कों के साथ देखा तो पत्नी से उनके बारे में जानकारी ली, तो मेरी पत्नी व अज्ञात लोगों ने गाली-गलौच शुरू कर दी। मारपीट करने लगे और मुझे उठा लोग कार में बैठा ले गए। मारपीट करके अपने मायके उमरारखेड़ा ले गए। जहां मारपीट बेरहमी से मारपीट की। पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए, उसे मेडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया। साथ ही चोटों के आधार पर कार्रवाई शुरू कर दी। वहीं शिकायत के आधार पर पुलिस ने मारपीट करने वालों और पत्नी के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी। एक व्यक्ति को हिरासत में ले लिया।

बाल विवाह को लेकर जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

करण वाणी संवाददाता

अमेठी। महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित चाइल्ड हेल्पलाइन के प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर गौरव श्रीवास्तव ने बताया कि गुरुवार बाल विवाह के रोकथाम के लिए मलिक मोहम्मद भारती इंटर कॉलेज जायस में जागरूकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन। बाल विवाह एक गंभीर सामाजिक समस्या है, जिसमें कम उम्र के बच्चों की शादी कर दी जाती है यह समस्या विशेष रूप से विकासशील देशों में पाई जाती है, जहां लड़कियों को अक्सर कम उम्र में शादी के लिए मजबूर किया जाता है बाल विवाह के नुकसान भी हैं वह बालक/बालिकाएं शिक्षा से वंचित हो जाती हैं स्वास्थ्य की समस्याएं पैदा हो जाती है मानसिक और भावनात्मक तनाव रहता है अधिकारों का हनन होता है भविष्य की संभावनाओं का नुकसान होता है, इसीलिए सरकार द्वारा लड़कियों के विवाह की न्यूनतम आयु 18 वर्ष एवं लड़कों के लिए 21 वर्ष निर्धारित की गई है, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष दिनेश तिवारी ने बताया कि बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 के तहत बाल विवाह अपराध माना जाता है अगर कोई ऐसा करता है तो उसे 2 साल की सजा एवं एक लाख का जुर्माना होगा बाल विवाह में सारे दोष हैं, बाल विवाह का सीधा असर ना केवल लड़कियों पर बल्कि उनके परिवार व समुदाय पर भी होता है अगर आपके क्षेत्र में ऐसा कोई विवाह हो रहा हो तो इसकी जानकारी चाइल्ड हेल्पलाइन टोल फ्री नंबर 1098 पर अवश्य दें, जिससे बाल विवाह को रोका जा सके। कार्यक्रम को विद्यालय के प्रधानाध्यापक रामकुमार सिंह,एवं सहायक अध्यापक सुनील कुमार, शिल्पी श्रीवास्तव एवं बबीता गुप्ता ने कार्यक्रम को सहयोग देकर सफल बनाया।

विवाहिता से दहेज की मांग को लेकर मारपीट, पति समेत तीन पर केस

शुक्लागंज, उन्नाव। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के गगनी खेड़ा चंपापुरवा में एक विवाहिता को दहेज की मांग पूरी न होने पर ससुरालवालों ने मारपीट कर घर से निकाल दिया। पीड़िता के पिता की तहरीर पर पुलिस ने पति समेत तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। कानपुर के कल्याणपुर थाना क्षेत्र स्थित मकड़ी खेड़ा निवासी प्रेम प्रकाश ने बताया कि उन्होंने अपनी बेटी पायल की शादी वर्ष 2023 में मनीष निषाद निवासी गगनी खेड़ा से की थी। शादी के कुछ समय बाद ही ससुरालीजन दहेज में अतिरिक्त सामान की मांग करने लगे। मांग पूरी न होने पर पायल को प्रताड़ित किया गया और मारपीट कर घर से निकाल दिया गया। पिता की शिकायत पर पुलिस ने पति मनीष निषाद, सास जगरानी और ननद पूजा के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जांच के दौरान ग्राम विकास अधिकारी व जेई से अभद्र व्यवहार कर गाडी घेरी

- सचिव की गाड़ी का शीशा तोड़ा,पुलिस के जाने पर गाँव से निकल सके

करण वाणी संवाददाता

रामनगर। शिकायत की जाँच करने गए जे ई लघु सिंचाई व सचिव की गाडी का घेराव कर कुछ लोगों ने सरकारी कार्य में बाधा डाला और सचिव की गाडी का शीशा तोड़ दिया।सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर मिली तो उन्होंने थाने से दो सिपाही भिजवाए तब दोनों अधिकारी गांव से बाहर निकल सके।सूचना पुलिस को दी गई है। मामला ब्लॉक रामनगर की ग्राम पंचायत सआदतगंज का है जन्हा इंटर लाकिंग निर्माण की हुई आई जी आर एस की जाँच करने ग्राम विकास अधिकारी श्यामली जायसवाल के साथ जे ई लघु सिंचाई अरुण कुमार व्यास गुरवार को गए थे।सचिव के मुताबिक ।जांच के दौरान शिकायत कर्ता सबी आलम अंसारी, मो. असरार ,अबरार ,जावेद,यासिर मो. इम्तियाज एवं उनके 20-25 साथियों द्वारा हंगामा करते हुए रास्ते में गाड़ी को घेरकर अभद्र व्यवहार किया व सरकारी कागजो को छीन कर नष्ट करने का प्रयास करने लगे। मौके पर ही साथ में अलग गाड़ी में जे ई लघु सिंचाई एवं तकनीकी सहायक भी मौजूद थे उनकी गाड़ी का भी घेराव इन्ही लोगो द्वारा किया गया । महिला होने के नाते वह घबरा गई और उसने तुरन्त बीडीओ को फोन किया एवं चौकी इंचार्ज को अवगत कराया इसके बाद दो सिपाही जब आए तो वह किसी तरह वहा से निकल सकी । इस बीच उसकी गाडी का शीशा तोड़ डाला गया। सचिव ने पुलिस को इस संबंध में तहरीर भी दी है तथा कड़ी कार्यवाही की अपेक्षा की है ताकि कार्य करते समय भविष्य में ऐसी स्थिति उत्पन्न न होने पाये।

रेलवे के तीन नये ओवर ब्रिज निर्माण से घुँघरू नगरी का होगा कायाकल्प

करण वाणी संवाददाता

जलेसर/एटा। जनपद के मलावन में स्थापित थर्मल पावर प्लांट घुँघरू नगरी के लिए भी वरदान साबित हो रहा है। इस पॉवर प्लांट के शुरुआत से पूर्व एटा- बरहन रेल लाइन के उच्चीकृत होने तथा जलेसर सिटी रेलवे स्टेशन का नया भवन निर्माण होने के बाद अब एटा-बरहन रेलवे खण्ड पर नगर में तीन नये ओवर ब्रिज बनाये जायेंगे। रेल मंत्रालय द्वारा इन ओवर ब्रिज निर्माण के लिए 210 करोड़ रुपये की मंजूरी देने के साथ ही अगले डेढ़ साल में इन रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य पूरा किये जाने का समय नियत किया गया है। घुँघरू नगरी जलेसर से यूं तो नौ शहरों के लिए सीधे सड़क मार्ग जाते हैं। जिनमें से अवागढ़, ,इसौली तथा फिरोजाबाद जाने के लिए रेल लाइन क्रॉस करनी पड़ती है। जलेसर से अवागढ़, जलेसर-इसौली एवं जलेसर-फिरोजाबाद मार्गो पर प्रतिदिन लगभग 45-50 हजार वाहनों का आवागमन होता है। इन वाहनों को रेलवे क्रासिंग पर फाटक बन्द होने पर घण्टो खड़े होकर ट्रैन निकलने का इंतजार करना पड़ता है। जबकि एटा-कासगंज रेल लाइन चालू हो जाने के बाद स्थिति और अधिक बदतर हो जायेगी। इसी समस्या को दृष्टिगत रखते हुए रेल मंत्रालय द्वारा घुँघरू नगरी जलेसर को तीन ओवर ब्रिज सहित इस रेल लाइन पर जिले को छह ओवर ब्रिज की सौगात दी है। इन ओवरब्रिज के बन जाने से क्रॉसिंग वाले स्थानों पर लोगों को आवागमन में काफी सहूलियत मिलेगी। रेलवे विभाग के सूत्रों के अनुसार द्वारा इन 6 ओवर ब्रिज निर्माण के लिए 210 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की गयी है। साथ ही टेन्डर प्रक्रिया भी पूरी हो चुकी है। कार्यदायी संस्था को इन पुलों के निर्माण कार्य को पूरा करने के लिए डेढ़ वर्ष का समय नियत किया गया है। सभी रेलवे ओवर ब्रिज की लंबाई 300 मीटर एवं चौड़ाई 7.5 मीटर होगी। इन तीनो आरओबी के निर्माण के बाद जलेसर से एटा, अवागढ़, टूण्डला एवं फिरोजाबाद जाने वाले को समय की बचत होगी। घुँघरू नगरी के वाशिंदो को एक बड़ी समस्या से निजात मिलेगी। रेल मंत्रालय द्वारा उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज डिवीजन के अंतर्गत आने वाले इस बरहन-एटा सेक्शन पर कुल छह रेलवे क्रासिंग पर ओवरब्रिज बनाये जाने की मंजूरी दी गयी है।

संक्षिप्त खबरें

दिव्यांगजनो की समस्या का निराकरण ,,22 अप्रैल को

अमेठी जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी नरेन्द्र कुमार पाण्डेय ने समस्त दिव्यांगजनों को सूचित करते हुए बताया है कि दिनांक 22 अप्रैल 2025 को प्रातः 10:00 बजे से जिला पंचायत रिसोर्स सेन्टर निकट विकास भवन, गौरीगंज अमेठी में मा0 न्यायालय/राज्य आयुक्त दिव्यांगजन, उत्तर प्रदेश द्वारा दिव्यांगजनों के हितार्थ मोबाइल कोर्ट (दिव्यांग न्यायालय) की बैठक का आयोजन किया जा रहा है। उक्त बैठक में जनपद के समस्त विभागों के अधिकारीगण भी उपस्थित रहेंगे। उक्त बैठक में दिव्यांगजन अपनी शिकायतों का निराकरण उक्त तिथि को ही करा सकते है।

कांग्रेस ने किया धरना प्रदर्शन, महंगाई, बेरोजगारी से युवा तंग-दीपक शिवहरे

अमेठी जिले में उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक शिवहरे के नेतृत्व मे दर्जनों युवा कांग्रेस के नेताओ ने जिला मुख्यालय गौरीगंज की सडको पर धरना-प्रदर्शन किया। युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक शिवहरे ने कहा कि महंगाई की वृद्धि,बेरोजगारी से युवा बदहाल है। जिले के प्रभारी अरबाज खान की अगुवाई मे नेशनल हेराल्ड मामले मे कांग्रेस पूर्व अध्यक्ष सोनिया गाँधी,राहुल गाँधी के खिलाफ प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के दबाव मे ईडी ने चार्जशीट दाखिल करने के बिरोध मे,जल जीवन मिशन,महंगाई वृध्दि के खिलाफ अमेठी मे सफल प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पुतला दहन भी किया गया। प्रदर्शन के दौरान पुलिस प्रशासन और युवा कांग्रेस के नेताओ के तीखी बहस, नोक-झोंक भी हुई। युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष शुभम सिंह, वीरेंद्र सिंह, सहित दर्जनों कांग्रेस कार्यकर्ता और नेता मौजूद रहे।

क्षेत्र का विकास ही राजनीति का लक्ष्य, रिंकू सिंह

अमेठी। जनपद की विधानसभा अमेठी की ग्राम सभा अमताही में मालती नदी पर पुल बनने के लिए शासन में प्रस्ताव लंबित है, शासन में लंबित पुल के निर्माण कार्य की स्वीकृति के लिए युवा ग्राम प्रधान सर्वेश कुमार सिंह उर्फ, रिंकू ,द्वारा लगातार से तीन बार के विधायक गौरीगंज राकेश प्रताप सिंह से मुलाकात कर पत्र लिखकर क्षेत्र के विकास के लिए मालती नदी पर पुल का निर्माण कार्य स्वीकृत करने की मांग की, विधायक द्वारा युवा प्रधान को आश्वासन दिया गया कि अतिशीघ्र अमताही में मालती नदी पर पुल के निर्माण का कार्य स्वीकृत हो जाएगा। अमताही की जनता एवं क्षेत्रवासियों की तरफ से प्रधान द्वारा सराहनीय प्रयास के लिए लोगों ने प्रशंसा की।

अवैध ई-रिक्शा/टैक्सी संचालन, पुलिस ने की कार्यवाही

अमेठी। जनपद में बुधवार को उ0नि0 शोभनाथ राम प्रभारी यातायात जनपद द्वारा अपंजीकृत एवं अवैध रूप से संचालित ई-रिक्शा/टैक्सी के विरुद्ध अभियान चलाकर थानाक्षेत्र गौरीगंज में कुल 35 ई-रिक्शा/टैक्सी वाहनों का चालान करते हुए 46,000/- रुपये जुर्माना योजित किया गया,साथ ही थानाक्षेत्र में अभियान चलाकर ई-रिक्शा/टैक्सी का सत्यापन कर विशेष आवंटित नंबर भी अंकित किया गया। अनधिकृत रूप से संचालित वाहनों के विरुद्ध कार्यवाही करने से यातायात सुगम होगा एवं दुर्घटनाओं में कमी आयेगी।

आग से बचाव के लिए विभाग ने चलाया जन जागरूकता अभियान

रामनगर, बाराबंकी। आग लगने से बचाव के लिए रामनगर अग्निशमन सेवा केंद्र की टीम ने आधा दर्जन स्थान पर जन जागरूकता अभियान चला कर आग से बचाव की जानकारी देकर पर्चा वितरित किया लीडिंग फायरमैन मन्नू राम व अन्य सिपाहियों ने महादेवा,रामनगर आदि स्थानों पर सम्पर्क करते कहा कि आग लगने की घटना होते ही पुलिस ,तहसील व अग्निशमन केंद्र रामनगर के टेलीफोन नंबर पर तुरन्त सूचना दें जिससे समय पर वाहन सहित टीम पंहुच सके। ग्रामीण महिलाओ को बताया कि घर में गैस चूल्हा रेगुलेटर से बंद करें। अगरबत्ती व मोमबत्ती को कागज तथा कपडे से दूर रखें। पेट्रोल आदि ज्वलनशील पदार्थ बिल्कुल न रखें। बिजली के तार की चिंगारी जैसे निकले घर की बिजली काट दें।खाग में सूखे पत्तों व खड़ी फसलों के पास बीड़ी सिगरेट जलती हुई कोई चीज नहीं फेंके। विद्यालय प्रतिष्ठानों में बचाव के लिए आग बुझाने वाले गैस सिलेंडर से आग बुझायें तथा ड्रम व बाल्टी में पानी बालू आदि रखें। उक्त जन जागरण अभियान 20 अप्रैल चलता रहेगा। अभियान चलता रहेगा। विजय कुमार व मोहित सिंह पाल , सितारे हिंद आदि साथ रहे।

बनीकोडर ब्लॉक में आंगनबाड़ी केंद्रों की हालत बदहाल, कार्यकर्त्रियां नदारद

रामसनेहीघाट बाराबंकी। बनीकोडर ब्लॉक में आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थिति लगातार बद से बदतर होती जा रही है। सीडीपीओ और सुपरवाइजरों की लापरवाही के चलते केंद्रों पर न कार्यकर्ती मौजूद रहती हैं और न ही बच्चों और गर्भवती महिलाओं को मिलने वाला पुष्टाहार ही सही ढंग से वितरित हो रहा है। बुधवार को की गई औचक जांच में कई केंद्रों पर आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियां अनुपस्थित पाई गईं। भानपुर केंद्र पर सुबह 10 बजे कार्यकत्री अर्चना देवी अनुपस्थित थीं, जबकि उनकी सहायिका सुशीला देवी केवल चार बच्चों की देखरेख कर रही थीं जबकि उपस्थिति पंजिका में दो दिन पहले तक 15-20 बच्चों की उपस्थिति दर्ज की गई थी। यही नहीं अर्चना देवी को गुनौली केंद्र का अतिरिक्त चार्ज भी दिया गया है, लेकिन वहां भी वे अनुपस्थित मिलीं। निस्कापुर केंद्र पर कार्यकत्री उमा देवी और सकौली केंद्र पर मीनू भी गैरहाज़िर पाई गईं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सकौली केंद्र तो बंद ही रहता है। सूत्रों के अनुसार, कमोबेश यही हालात कई अन्य आंगनबाड़ी केंद्रों के भी हैं। इस संबंध में सीडीपीओ निधि सिंह ने बताया कि अनुपस्थित पाई गई सभी कार्यकत्रियों को नोटिस जारी कर जवाब तलब करके आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

अवैध तमंचे के साथ गिरफ्तार

निंदूरा बाराबंकी। अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए नवागत पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गी के निर्देश पर बाराबंकी के बड्डूपुर थाने की पुलिस ने एक शातिर अपराधी को अवैध तमंचे के साथ गिरफ्तार कर जेल रवाना कर दिया। संदिग्ध व्यक्तियों वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए बड्डूपुर पुलिस द्वारा चलाए गए चेकिंग अभियान दौरान अचाकापुर शहरी मोड पर संदिग्ध व्यक्ति मंसूर आलम पुत्र रियासत अली निवासी ग्राम धाधरा 21वर्ष को एक अवैध तमंचे के साथ गिरफ्तार कर मुकदमा दर्ज करते हुए जेल को रवाना कर दिया।

हमारा संविधान-हमारा स्वाभिमान, ब्लाकों में हुए जागरूकता कार्यक्रम

- परिषदीय विद्यालयों के बच्चों ने रैली निकाली, भारतीय संविधान की प्रस्तावना का पाठ किया
- सबसे हल्का और कमजोर रहा अमेठी विकास खंड का कार्यक्रम

करण वाणी संवाददाता

अमेठी। जनपद के सभी विकास खंडों में बाबा साहब डॉ अम्बेडकर जयंती पखवाड़े के अन्तर्गत हमारा संविधान -हमारा स्वाभिमान थीम पर रैली, प्रभातफेरी,वाद विवाद प्रतियोगिता और संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

अमेठी विकास खंड में पूर्व प्रमुख घनश्याम चौरसिया और ए डी ओ आई एस बी मनीराम सरोज के संयोजन में कार्यक्रम हुआ। वरिष्ठ लेखाकार अशोक सिंह एवं अन्य सभी ब्लाक कर्मी मौजूद रहे। बेसिक शिक्षा विभाग से कोई नहीं आया था। बहादुरपुर विकास खंड में छात्र छात्राओं ने बाबा साहब डॉ अम्बेडकर का चित्र बनाते हुए सुंदर रंगोली बनाई। शाहगढ़ में ए डी ओ पंचायत रामदीन गौतम ने कार्यक्रम का संयोजन किया। जूनियर हाईस्कूल शाहगढ़ के बच्चे रैली में शामिल हुए। बाजार सुकुल में कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय की छात्राओं ने रैली निकाली। मुसाफिर खाना में खंड विकास अधिकारी विनय कुमार वर्मा ने कार्यक्रम में शामिल छात्र छात्राओं को पुरस्कृत किया। भादर में ब्लाक सभागार में खंड विकास अधिकारी रतन सिंह की अध्यक्षता में आयोजित संगोष्ठी में शिक्षक, शिक्षिकाओं और ब्लाक कर्मियों के साथ राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत काम करने वाली समूह की महिलाएं भी शामिल हुईं। कार्यक्रम का संचालन कम्पोजिट विद्यालय भादर प्रथम के इं प्र अ संजीव कुमार ने किया।ए डी ओ राम तेज वर्मा,विजय कुमार मिश्र,प्र अ कुसुम मिश्र, ज्ञान चंद पांडेय,देवांशु सिंह, सुनील सिंह, राम बली गौतम आदि मौजूद रहे।

समस्या खत्म आदेश जारी, शिक्षा माफिया सब पर भारी

करण वाणी संवाददाता

अमेठी। जिले के वित्तविहीन मान्यता प्राप्त विद्यालयों में निजी प्रकाशकों की पुस्तकें थोपे जाने को लेकर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा 2 अप्रैल को जारी आदेश ने जिले भर में बहस छेड़ दी है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि ऐसे स्कूलों में एनसीईआरटी व एससीईआरटी की किताबें ही चलेंगी और बच्चों पर निजी किताबें थोपना अमान्य होगा। हालांकि, इस आदेश की विलंबित समयसीमा को लेकर जनता और शिक्षक समुदाय में व्यापक असंतोष है। प्रमुख सवाल यह है कि जब फरवरी-मार्च में अधिकांश अभिभावक किताबें खरीद चुके होते हैं, तब अप्रैल में यह आदेश जारी करने का औचित्य क्या है? क्या यह महज औपचारिकता निभाने भर का आदेश है? प्रतिलिपि में जिन-जिन अधिकारियों को यह आदेश भेजा गया है – जैसे मुख्य विकास अधिकारी, मंडलीय सहायक निदेशक बेसिक, खंड शिक्षा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक – क्या उनमें से किसी ने यह नहीं पूछा कि आदेश कब आना चाहिए था? क्या इसे महज़ फाइलों में लगाकर शांत बैठ जाना ही कर्तव्यबोध है? अब समस्या यह है कि बच्चों ने पहले ही निजी प्रकाशकों की किताबें खरीद ली हैं। अब यदि स्कूलों को एनसीईआरटी की किताबें खरीदवाने को बाध्य किया जाएगा तो क्या एक ही कक्षा में दो किताबें चलेंगी? इससे बच्चों की पढ़ाई में असमंजस और मानसिक दबाव की स्थिति पैदा होगी। क्या बेसिक शिक्षा अधिकारी अब स्कूलों को निजी किताबें वापस करवाने का निर्देश देंगे? और यदि ऐसा नहीं होगा तो फिर यह आदेश सिर्फ कागजों तक सीमित रह जाएगा। शिक्षा से जुड़ी ऐसी संवेदनशील योजनाओं में देरी से लिया गया निर्णय सीधे तौर पर विद्यार्थियों और अभिभावकों को प्रभावित करता है। क्या शासन की मंशा आदेश के क्रियान्वयन तक सीमित है या उसका वास्तविक उद्देश्य छात्रों को लाभ पहुंचाना है – यह एक सवाल है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स, फेसबुक और व्हाट्सएप पर यह आदेश खूब वायरल है। हर गली-मुहल्ले, शिक्षक और अभिभावक के बीच एक ही चर्चा है – ÷किताबें तो बिक गईं, अब आदेश का क्या मतलब?

दहेज में बुलेट व फ्रिज की मांग को लेकर पीटा, दो पर केस दर्ज

बाराबंकी। दहेज में बुलेट व फ्रिज की मांग को लेकर पति व उसके चाचा ने जमकर पिटाई की। महिला किसी प्रकार जान बचाकर भागकर मायके आई। इस मामले में पीड़िता की तहरीर पर फतेहपुर पुलिस ने पति व उसके चाचा के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का मुकदमा दर्ज कर लिया है। ग्राम प्यारेपुर निवासी अंशिका वर्मा ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा कि उसका विवाह वर्ष 2022 में सौरभ वर्मा के साथ हुई थी। विवाह के बाद से ही उसके साथ पति सौरभ और उसके चाचा सुनील कुमार प्रिज और बुलेट की मांग करते हुए उसके साथ मारपीट करते थे। बीते सात अप्रैल की शाम को करीब छह बजे सौरफ वर्मा पुत्र अनूप कुमार वर्मा ने लोडे की राड से मारा पीटा और गंदी-गंदी गालियां दीं। उन लोगों ने कहा है कि इसे रोज मारो चाहे वह जान से मर जाए, कोई मेरा कुछ नहीं कर पाएगा। अंशिका ने तहरीर में कहा कि इसके बाद वह किसी प्रकार अपनी जान बचाकर अपने मायके भागकर आ गई।

रामनगर क्षेत्र की दर्जनों सड़कें हुई जर्जर, रिनीवल का है इंतजार

करण वाणी संवाददाता

रामनगर। क्षेत्र की कई सड़कें काफी जर्जर है लेकिन उन पर काम शुरु नहीं हो सका है।विभागीय अफसरों की उदासीनता का खामियाजा जनता भुगत रही है।इन्हीं जर्जर सड़को पर चलना उसकी मजबूरी बनी है। रामनगर क्षेत्र में सबसे खराब सड़क रोटी गाँव से बिंदौरा स्टेशन वाली सडक है जिस पर आम जनता को निकलना कठिन है।इसी पर डमफर भी निकले जिससे और गड्ढे बन गए हैं।इसी तरह प्रीतम पुर मार्ग भी बहुत खराब है।इसे बनवाने की जरूरत नही समझी जा रही है। नहरवल बन्जरिया मार्ग तो बहुत ही उखड़ चुका है।पिपरी से लच्क्षी पुरवा मार्ग की भी हालत खराब है।

इसके अलावा रामनगर इलाके की अटौटा समना पुर धनौरा मार्ग,नथनापुर मरौचा मार्ग,ददौरा रोड से भागीरथ पुरवा मार्ग भी बहुत खराब है।सूत्र बताते हैं कि इन सभी सड़को पर रीनिवल कार्य होना है जिसका पैसा भी आ चुका है लेकिन ठेकेदार काम शुरु नही करा पा रहे हैं।

विभाग भी सुस्त है वरना इस गर्मी के सीजन में काम हो गया होता।यही सीजन सड़को को बनवाने के लिए अच्छा माना जाता है।

कृष्ण की बाल लीला श्रवण कर श्रोता हुए भाव विभोर

करण वाणी संवाददाता

अमेठी। जिले के ग्राम दीनापुर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन आचार्य श्री संतोष जी महाराज के श्रीमुख से दिव्य कथा का रसपान हुआ। जिसमे मुख्य यजमान पंडित अम्बिका प्रसाद पाण्डेय व पूरा पाण्डेय परिवार भाव विभोर रहा। कथा में भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के बाद श्रीकृष्ण की लीला का सुंदर वर्णन हुआ, जिसे सुनकर उपस्थित श्रद्धालु भावविभोर हो उठे।

पाँचवे दिन की कथा में भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के पश्चात की मधुर बाल लीलाओं का वर्णन होता है। यह कथा भागवत के दशम स्कंध में आती है और भक्तों को अत्यंत आनंद व भक्ति से सराबोर कर देती है। इस दिन की कथा का भावपूर्ण सारांश इस प्रकार है,कंस के कारागार में अष्टमी की रात, रोहिणी नक्षत्र में भगवान श्रीकृष्ण का प्राकट्य हुआ।वासुदेव जी ने योगमाया की कृपा से सारी जेल की बेड़ियाँ खुली पाईं और यमुना का जल मार्ग अपने आप बन गया। वे श्रीकृष्ण को लेकर गोकुल (नंदबाबा के घर) पहुँचे और वहाँ यशोदा जी की नवजात कन्या को लेकर मथुरा लौट आए। कंस ने उस कन्या को मारना चाहा, पर वह हाथ से छूटकर आकाश में चली गई और बोली– तू जिसे मारना चाहता है, वह तो गोकुल में जन्म ले चुका है! नंदोत्सव मनाया गया। नंदबाबा ने खूब दान-पुण्य किया। पूतना राक्षसी बालकृष्ण को मारने आई, परंतु भगवान ने उसे अपने ही हाथों मोक्ष दे दिया।शकटासुर, त्रिणावर्त जैसे असुरों का संहार हुआ। श्रीकृष्ण ने माखन चोरी, गोपियों को तंग करना, बांधने की लीला (दमोदर लीला) जैसी लीलाएँ रचीं। उखल बंधन लीला में जब यशोदा जी ने श्रीकृष्ण को ऊखल से बाँधा, तब भगवान ने यमलार्जुन वृक्षों को गिराकर उनमें वास करने वाले देवों को मुक्ति दी।

भगवान ने ग्वालों के साथ खेलना प्रारंभ किया।बाल स्वरूप में उन्होंने बकासुर, अघासुर जैसे दैत्यों का वध किया। ग्वालों के संग वृंदावन, तलवन, गोकुल में अनेक दिव्य लीलाएं कीं। भगवान की बाल लीलाएं हमें निष्कपट भक्ति, स्नेह, और निर्मल प्रेम का मार्ग दिखाती हैं। श्रीकृष्ण की लीलाएं भक्तों के हृदय को शुद्ध करती हैं और भगवान से आत्मीयता का अनुभव कराती हैं, भारी तादाद में श्रोता उपस्थित रहे।

अंबेडकर जयंती के अवसर पर निकाली गयी प्रभात फेरी

करण वाणी संवाददाता

मसौली बाराबंकी। संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य मे बुधवार को ब्लाक संसाधन केंद्र बड़ागांव से हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान थीम पर आधारित प्रभातफेरी निकाली गई ब्लाक स्तरीय रैली को खण्ड विकास अधिकारी संदीप कुमार श्रीवास्तव, खण्ड शिक्षा अधिकारी ने झंडी दिखाकर रवाना किया इसमें विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। बीआरसी केन्द्र बड़ागांव से निकली संविधान प्रभात रैली ग्राम पंचायत की विभिन्न गलियों से होता हुआ डा0 भीम राव अम्बेडकर पार्क मे जाकर समाप्त हुआ इस दौरान खण्ड विकास अधिकारी संदीप कुमार श्रीवास्तव एव शिक्षकों ने बाबा साहब की प्रतिमा का माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। ब्लाक संसाधन केंद्र बड़ागांव मे आयोजित हमारा सविधान हमारा स्वाभिमान संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए खण्ड विकास अधिकारी संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि बाबा साहब का जीवन समर्पण, संघर्ष और शिक्षा का प्रतीक है। यह कार्यक्रम न केवल संविधान के प्रति सम्मान को दर्शाता है बल्कि यह नागरिकों को उनके अधिकारों और जिम्मेदारियों के बारे में भी जागरूक करता है।

यह कार्यक्रम लोगों को देश के कानून और न्याय प्रणाली के बारे में बेहतर ढंग से समझने में मदद करता है। कार्यक्रम मे खण्ड विकास अधिकारी संदीप कुमार श्रीवास्तव ने अभिभावकों को भी जागरूक करते हुए बच्चों को नियमित स्कूल भेजने की अपील की। प्रधान प्रतिनिधि नूर मोहम्मद, जैसराम, तकनीकी सहायक अजय वर्मा, संदीप कुमार पाल, उपनिरीक्षक शिवकुमार सहित ग्रामीण, शिक्षक एव बच्चे मौजूद रहे।

शिक्षा विभाग का तुगलकी फरमान, निजी प्रकाशकों की किताबों पर रोक

करण वाणी संवाददाता

अमेठी। जिले के वित्तविहीन मान्यता प्राप्त स्कूलों में निजी प्रकाशकों की किताबों पर रोक लगाने का शिक्षा विभाग का आदेश अब सवालों के घेरे में है। 2 अप्रैल 2025 को जारी इस आदेश में कहा गया है कि अब केवल एनसीईआरटी/एससीईआरटी की किताबें ही स्कूलों में मान्य होंगी। लेकिन सवाल यह है कि जब फरवरी-मार्च में ज़्यादातर अभिभावक किताबें खरीद चुके थे, तब अप्रैल में आदेश देकर शिक्षा विभाग ने किसका भला किया?

इस आदेश ने जहां अभिभावकों को दोहरी मार झेलने को मजबूर कर दिया है, वहीं छात्रों की पढ़ाई भी भ्रम और अव्यवस्था की शिकार हो रही है। जिन बच्चों ने अब तक निजी प्रकाशकों की महंगी किताबों से पढ़ाई शुरू कर दी थी, क्या अब वे एनसीईआरटी की किताबें भी अलग से खरीदें? एक ही कक्षा में अलग-अलग किताबों से पढ़ाई का यह खेल शिक्षा की गंभीरता को मज़ाक बना रहा है। शिक्षा विभाग की मंशा पर कोई सवाल नहीं, लेकिन समय पर आदेश जारी न करना ही सबसे बड़ी विफलता है। अगर सुधार की नीयति वाकई साफ होती, तो यह निर्देश फरवरी में आता और सख्ती से लागू भी कराया जाता। लेकिन जब कमीशन की किताबें बिक गईं और जेबें गरम हो गईं, तब आदेश लाकर कोरम पूरा करना कैसा न्याय है? अभिभावकों का कहना है कि हर साल किताबें बदलने से आर्थिक बोझ बढ़ता है और अब एक ही सत्र में दो किताबें खरीदने की नौबत आ गई है। शिक्षा अधिकारी को चाहिए था कि वह पहले से निगरानी करते और समय रहते आदेश जारी करते, लेकिन अब उनकी चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है।

इस आदेश की प्रतिलिपि भले ही मुख्य विकास अधिकारी, बीईओ, मंडलीय सहायक निदेशक और डीआईओएस तक भेजी गई हो, लेकिन क्या किसी ने यह सवाल उठाया कि अप्रैल में आदेश का क्या औचित्य है?

अब निगाहें अमेठी के नये जिलाधिकारी पर टिकी हैं – क्या वे इस वायरल और जनचर्चा का विषय बने आदेश को व शिक्षा विभाग जो अक्सर अपने कारनामों के कारण जिले में सुर्खियों में बना रहता है उस पर भी अपना ध्यान एक बार जरूर करेंगे।

गौशालाओं मे योगी का फरमान बेअसर

- बढती गर्मी व चारे भूंसे के अभाव से दम तोड़ रहे मवेशी

करण वाणी संवाददाता

जगदीशपुर/अमेठी। गौशालाओं की व्यवस्था बेहतर बनाने के लिए योगी सरकार पैसा पानी की तरह बहाकर उच्च अधिकारीगणों को जहां कडे फरमान जारी करती रहती है तो वहीं जिम्मेदारों की उदासीनता के चलते पशुओं को भर पेट चारा भूसा ना मिलने एवम पड़ रही भयंकर गर्मी मे समुचित व्यवस्था ना किए जाने के चलते मवेशी दम तोड़ते रहते हैं जिम्मेदार अधिकारीगण सबकुछ जानते हुए अंजान बने हुए हैं ।

विकास खंड के ग्राम पंचायत रस्तामऊ स्थित गौशाला की हालत बद से बदतर होती जा रही है जिम्मेदारों की लापरवाही के चलते गौशालाओं मे अव्यवस्था का अंबार लगा हुआ है जहां पशुओं को समुचित मात्रा मे चारा भूसा ना मिलने से उनकी हालत खराब होती जा रही है तो वहीं भयंकर गर्मी व तपन मे टिन शेड के ऊपर पैरा पुआल ना डालने से मवेशी दुबले पतले होकर दम तोडते रहते हैं स्थानीय लोगो की माने तो गौशाला मे पशुओं की संख्या कम तो कागजों मे अधिक दिखाकर सरकार के मंसूबों पर पानी फेरा जा रहा है गौरतलब हो कि यदि गौशालाओं की हालत इसी तरह बनी रही तथा उच्च अधिकारीयों ने ध्यान ना दिया तो सरकार की मंशा फ्लाप होकर छवि धूमिल होती रहेगी।इस संबंध जब खंड विकास अधिकारी से दूरभाष द्वारा बात करने की कोशिश की गई तो पूर्व की भांति फोन उठाना मुनासिब नहीं समझा।

जिलाधिकारी फतेहपुर द्वारा संघठन के जिलाध्यक्ष व अन्य प्रतिनिधि मण्डल के साथ सार्थक वार्ता

करण वाणी संवाददाता

फतेहपुर। आज अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा फतेहपुर मंडल उपाध्यक्ष प्रयागराज नागेंद्र सिंह चौहान व जिला अध्यक्ष विजय सिंह गौर व एवं जिला महामंत्री रवि कुमार सिंह के नेतृत्व मे मृतक के पारिवारिक जन, भांजा अभिनव सिंह के साथ क्षत्रिय महासभा के पदाधिकारीगण व क्षत्रिय समाज के लोगो नें प्रदर्शन करते हुये जिलाधिकारी फतेहपुर के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ जी को आखिरी गांव में हुए सामूहिक हत्याकांड के आरोपित जनों के विरुद्ध शीघ्रता से आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित कर मामले को फास्ट्र ट्रैक कोर्ट सुनाई कराये जाने तथा पारिवारिक जनों को पांच करोड़ की आर्थिक सहायता राशि प्रदान करने मृतक अनूप सिंह की पत्नी मनीषा की सरकारी नौकरी में नियुक्ति करने एवं बच्चों के उच्च शिक्षा हेतु सरकारी स्पोर्ट कॉलेज में एडमिशन कराए जाने तथा उनके जीवन की सुरक्षा हेतु मनीषा सिंह के नाम शस्त्र लाइसेंस तुरंत जारी करने संबंध में ज्ञापन दिया गया.. जिलाधिकारी फतेहपुर द्वारा संघठन के जिलाध्यक्ष व

अन्य प्रतिनिधि मण्डल के साथ सार्थक वार्ता की गयी और आपके गांव में हुए हत्याकांड में पीड़ित परिवार के प्रति शोक संवेदना व्यक्त करते हुए मृतक अनूप सिंह की पत्नी को जल्द ही सरकारी नौकरी प्रदान करने तथा शस्त्र लाइसेंस दो दिन मे दिये जाने तथा मामले की विशेष पैरवी करके मुल्ज़िमो को कड़ी से कड़ी सजा दिलाये जाने की और विनोद सिंह की माता ज़ी को सुरक्षा प्रदान करनें की बात कही गयी तथा यह भी आश्वासन दिया गया कि उनकी चाहे जहाँ तैनाती रहे वह मृतक अनूप सिंह के बच्चों की शिक्षा के लिए हर प्रकार से सहयोग करेंगे और जो जिस दरोगा नें मृतक विनोद सिंह के साथ गाली गलौज किया था उसके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही किये जाने की भी बात कही गयी है... जिलाधिकारी फतेहपुर श्री रवीद्र सिंह की सहजता व सरलता एवं मामले मे अब तक की गयी कार्यवाही के लिए क्षत्रिय महासभा के लोगो नें जिलाधिकारी का आभार व्यक्त किया.... इस अवसर पर अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के प्रयागराज मण्डल उपाध्यक्ष नागेंद्र सिंह चौहान, विधि प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष विजय सिंह, महिला जिला अध्यक्ष रंजना सिंह चौहान, सैनिक प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष आर पी सिंह भदौरिया युवा महिला जिला अध्यक्ष कल्पना सिंह, युवा जिला अध्यक्ष अमित परिहार, रवि प्रताप परिहार, अरविन्द पाल सिंह, भूपेंद्र सिंह चौहान, पिंटू सिंह सेंगर, लोकेन्द्र सिंह, लालजीत सिंह, अनिल सिंह, दीपक सिंह, मोनू सिंह, राज भदौरिया, रामशरण सिंह, देवेंद्र सिंह चौहान, समरजीत चौहान, दीपक चौहान, प्रदीप सिंह, हर्षन्द्र सिंह, जब्बर सिंह, अखिलेन्द्र प्रताप सिंह चौहान, सुखराम सिंह सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे..

रास ईसा बंदरगाह पर 38 लोगों की मौत, 102 घायल

एजेंसी

सना। ट्रंप प्रशासन में लगातार हूतियों पर हमले किए जा रहे हैं। यमन की राजधानी सना में लगातार अमेरिकी सैन्य विमान हूतियों के अड्डों को निशाना बना रहे हैं। यमन के तेल बंदरगाह रास ईसा पर हमले में 38 लोग मारे गए। जबकि 102 अन्य घायल हुए। अमेरिका ने एक बार फिर यमन में हवाई हमले किए हैं। यह हमला यमन के तेल बंदरगाह रास ईसा पर किया गया। इस बंदरगाह पर हूती विद्रोहियों का कब्जा था। हूतियों ने कहा है कि अमेरिकी हवाई हमले में 38 लोग मारे गए। जबकि 102 अन्य घायल हुए हैं। अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड ने इस हमले की पुष्टि की है। ट्रंप प्रशासन में लगातार हूतियों पर हमले किए जा रहे हैं। यमन की राजधानी सना में लगातार अमेरिकी

सैन्य विमान हूतियों के अड्डों को निशाना बना रहे हैं। पहली बार है कि किसी हमले में इतनी बड़ी संख्या में हूतियों की मौत हुई है। हूतियों ने बंदरगाह पर हमले के बाद की स्थिति का वीडियो जारी किया। इसमें घटनास्थल पर लाशें बिखरी हुई दिखाई दे रही थीं। इसने कहा कि बंदरगाह पर पैरामेडिक और नागरिक कर्मचारी हमले में मारे गए। इससे भीषण विस्फोट हुआ और आग लग गई। वहीं अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि अमेरिकी बलों ने ईरान समर्थित हूतियों के लिए ईंधन के स्रोत को खत्म करने और उन्हें अवैध राजस्व से वंचित करने के लिए कार्रवाई की है। इससे 10 वर्षों से अधिक समय तक पूरे क्षेत्र को आतंकित करने के हूती प्रयासों को वित्त पोषित किया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि इस हमले का उद्देश्य यमन के लोगों को नुकसान पहुंचाना नहीं था। लोग हूती शासन को उतार फेंकना चाहते हैं और शांति से रहना चाहते हैं। वहीं अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने वाणिज्यिक उपग्रह प्रदाता चांग गुआंग सैटेलाइट टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड पर अमेरिकी हितों पर ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों पर हमलों का सीधे समर्थन करने का आरोप लगाया।रास ईसा बंदरगाह तीन तेल टैंकों और रिफाइनिंग उपकरणों का केंद्र है। यह यमन के होदेदा प्रांत में लाल सागर के किनारे स्थित है। नासा के उपग्रहों ने शुक्रवार की सुबह कामरान द्वीप के पास स्थित इस स्थल पर भीषण आग देखी।

कनाडा के पीएम ने किया युद्ध विराम का आह्वान

इजराइल हमास के युद्ध के बीच कनाडा के पीएम मार्क कार्नी ने संघर्ष विराम की अपील की है। कनाडा के पीएम ने गाजा में युद्ध विराम करने, मानवीय सहायता पर लगी रोक को खत्म करने और गाजा में सहायता पहुंचाने का आह्वान किया। कार्नी ने एक्स पर लिख कि हमें तत्काल युद्ध विराम, सभी बंधकों की रिहाई, गाजा में नागरिकों के लिए अधिक मानवीय सहायता और इजराइलियों और फलस्तीनियों के लिए एक स्थायी दो-राज्य समाधान की आवश्यकता है।

व्हाइट हाउस का हेड स्टार्ट फंडिंग समाप्त करने का प्रस्ताव

बजट कटौती से पांच लाख बच्चों पर होगा असर

एजेंसी

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस ने हेड स्टार्ट प्रोग्राम के लिए फंडिंग को समाप्त करने का प्रस्ताव दिया है। यह एक ऐसा कदम है, जिससे देश के पांच लाख से अधिक जरूरतमंद बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा और उनके परिवारों के लिए देखभाल पर असर पड़ सकता है। हालांकि, अभी यह प्रस्ताव प्रारंभिक चरण में है।
यह स्पष्ट नहीं है कि प्रस्तावित कटौती को सांसद स्वीकार करेंगे या नहीं, क्योंकि कांग्रेस अक्सर राष्ट्रपति के बजट प्रस्तावों को मंजूरी नहीं देती है।अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने हेड स्टार्ट के लिए फंडिंग को समाप्त करने के लिए प्रस्ताव दिया है। इस प्रोग्राम उद्देश्य देश के पांच लाख से अधिक जरूरतमंद बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा और उनके परिवारों के लिए बाल देखभाल करना है। इसकी देखरेख स्वास्थ्य और मानव सेवा विभाग द्वारा की जाती है। अगर, ट्रंप प्रशासन की यह योजना लागू होती है, तो इससे करीब पांच लाख बच्चों और उनके परिवारों पर असर पड़ेगा। यह प्रस्ताव 64 पेज के आंतरिक मसौदा बजट दस्तावेज में शामिल है, जो स्वास्थ्य और मानव सेवा विभाग की फंडिंग में भारी कटौती की मांग करता है। हालांकि, अभी यह योजना अपने प्रारंभिक चरण में है, क्योंकि व्हाइट हाउस वित्तीय वर्ष 2026 के लिए कांग्रेस को अपना बजट अनुरोध भेजने की तैयारी कर रहा है।
हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि प्रस्तावित कटौती को सांसद स्वीकार करेंगे या नहीं, क्योंकि कांग्रेस अक्सर राष्ट्रपति के बजट प्रस्तावों को मंजूरी नहीं देती है। हालांकि, इस प्रस्ताव से ट्रंप प्रशासन की प्राथमिकताओं का पता चलता है, क्योंकि राष्ट्रपति ट्रंप अमेरिका में शिक्षा को पूरी तरह से बदलना चाहते हैं। मसौदा दस्तावेज में कहा गया है कि बजट हेड स्टार्ट को पैसा नहीं देगा। हेड स्टार्ट को समाप्त करने के पीछे ट्रंप प्रशासन ने तर्क दिया है कि शिक्षा का नियंत्रण राज्यों को वापस सौंपना और माता-पिता के नियंत्रण को बढ़ाने के लक्ष्यों के अनुरूप है।

मेलोनी संग बैठक में टैरिफ डील को लेकर कोई हड़बड़ी नहीं

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका ने चीन पर 245 फीसदी टैरिफ लगाने का एलान किया है। व्हाइट हाउस में इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी से मुलाकात के दौरान कहा कि हम चीन के साथ समझौता करने जा रहे हैं। उन्होंने यूरोपीय संघ पर टैरिफ लगाने पर जल्दबाजी करने से भी इनकार किया। चीन पर 245 फीसदी टैरिफ लगाने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सुर बदलने लगे हैं।
ट्रंप ने अब चीन से हाथ मिलाने की तैयारी की है। उन्होंने चीन के साथ अच्छे व्यापार समझौते पर पहुंचने का विश्वास व्यक्त किया। ट्रंप ने कहा कि हम एक सौदा करने जा रहे हैं। मुझे लगता है कि हम चीन के साथ एक बहुत अच्छा सौदा करने जा रहे हैं।इसके साथ ही उन्होंने इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी से भी मुलाकात की। इसके बाद ट्रंप ने कहा कि अमेरिका को यूरोपीय संघ या किसी और के साथ टैरिफ को लेकर सौदा करने में बहुत कम समस्या होगी। इसलिए कोई हड़बड़ी नहीं है। ट्रंप ने जवाबी टैरिफ पर 90-दिवसीय रोक समाप्त होने से पहले यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ व्यापार समझौते पर पहुंचने का विश्वास भी व्यक्त किया।व्हाइट हाउस में इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी से मुलाकात के दौरान ट्रंप ने कहा कि मुझे लगता है कि हम चीन के साथ बहुत अच्छा समझौता करने जा रहे हैं। यूरोपीय संघ के साथ टैरिफ डील को लेकर ट्रंप बोले कि व्यापार समझौता जरूर होगा, 100 प्रतिशत। वहीं मेलोनी ने कहा कि हम पश्चिम को फिर से महान बनाना चाहती हैं। यकीन है कि वे किसी समझौते पर पहुंच सकते हैं। ट्रंप ने भविष्य में रोम आने का निमंत्रण स्वीकार कर लिया है और वे वहां यूरोपीय नेताओं से भी मिल सकते हैं। भले ही अटलांटिक के दोनों तटों के बीच कुछ समस्याएं हैं, लेकिन अब समय आ गया है कि हम बैठकर समाधान ढूंढने का प्रयास करें।अमेरिका ने चीन पर 245 प्रतिशत तक टैरिफ लगाया है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा कि उन्हें अमेरिकी पक्ष से विशिष्ट कर दर के आंकड़े के बारे में पूछना चाहिए।

आतंकी हरप्रीत सिंह अमेरिका में गिरफ्तार

पंजाब में 14 धमाकों का मास्टरमाइंड, एफबीआई की बड़ी कामयाबी

एजेंसी

नई दिल्ली/वॉशिंगटन। संघीय एजेंसी ने एक्स पर लिखा, आज भारत के पंजाब में आतंकवादी हमलों के लिए जिम्मेदार एक कथित आतंकवादी हरप्रीत सिंह को एफबीआई और ईआरओ ने सैक्रामेंटो में गिरफ्तार कर लिया। दो अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी समूहों से जुड़ा हुआ, वह अवैध रूप से अमेरिका में घुसा और पकड़े जाने से बचने के लिए बर्नर फोन का इस्तेमाल करता था।
अमेरिका में रहने वाले आतंकी हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासिया को गिरफ्तार कर लिया है। एफबीआई और अमेरिकी इमिग्रेशन विभाग ने उसे अपने शिकंजे में ले लिया है। वह पिछले छह महीनों में पंजाब में 14 आतंकी हमलों के लिए जिम्मेदार है। आतंकी भारत के सबसे वांछित आतंकियों में से एक है। उस पर 5 लाख रुपये का इनाम था। वह अभी

एनआईए की चार्जशीट में था हैप्पी का नाम

इससे पहले 23 मार्च को राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने 2024 चंडीगढ़ ग्रेनेड हमला मामले में बब्बर खालसा इंटरनेशनल आतंकवादी संगठन के चार आतंकवादी गुर्गों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था। आरोप पत्र दायर करने वाले आरोपियों में पाकिस्तान स्थित नामित व्यक्तिगत आतंकवादी हरविंदर सिंह संधू उर्फ रिंदा और अमेरिका स्थित हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासिया शामिल हैं। दोनों आतंकवादी हमले के पीछे मुख्य संचालक और साजिशकर्ता थे। उन्होंने ग्रेनेड हमले को अंजाम देने के लिए चंडीगढ़ में भारत स्थित जमीनी गुर्गों को रसद सहायता, आतंकी फंड, हथियार और गोला-बारूद मुहैया कराया था। सितंबर 2024 के हमले का मकसद पंजाब पुलिस के एक सेवानिवृत्त अधिकारी को निशाना बनाना था।

आईसीई (इमिग्रेशन एंड कस्टम्स इंफोर्समेंट) की हिरासत में है। सूत्रों के मुताबिक, हैप्पी पासिया ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई और बब्बर खालसा इंटरनेशनल के साथ मिलकर आतंकी हमलों को अंजाम दिया। हैप्पी पासिया ने पंजाब के पुलिस प्रतिष्ठानों पर कई आतंकी हमले किए और सोशल मीडिया पर उनकी जिम्मेदारी ली।जांच से पता चला कि रिंदा ने हैप्पी पासिया के साथ मिलकर ग्रेनेड हमले के जरिए कानून प्रवर्तन अधिकारियों और आम जनता के बीच आतंक फैलाने की साजिश रची थी। उसका मकसद बीकेआई के आतंकवादी एजेंडे को बढ़ावा देना था। उन्होंने रोहन मसीह और विशाल मसीह नाम के स्थानीय गुर्गों की भर्ती की, जिन्हें उनके सीधे निर्देशों के तहत हमला करने का काम सौंपा गया था।

हैती को स्वतंत्रता के लिए चुकानी पड़ी बड़ी कीमत

राष्ट्रपति मैक्रों बोले-यह बहुत ही अन्यायपूर्ण

एजेंसी

पेरिस। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि करीब 200 साल पहले हैती को स्वतंत्रता के लिए फ्रांस को भारी कीमत चुकानी पड़ी। उसके ऐसा करने के लिए मजबूर किया गया। उन्होंने कहा कि यह बहुत ही अन्यायपूर्ण था। मैक्रों ने साझा इतिहास की जांच करने और संबंधों का आकलन करने के लिए एक संयुक्त आयोग के गठन की घोषणा की।
फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने बृहस्पतिवार को कहा कि हैती के साथ अतीत में बहुत गलत किया गया था। करीब 200 साल पहले, जब हैती ने फ्रांस से आजादी पाई, तो उसे बदले में फ्रांस को बहुत बड़ी कीमत चुकाने के लिए मजबूर किया गया था। यह बहुत ही अन्यायपूर्ण था। इस दौरान मैक्रों ने साझा इतिहास की जांच करने और संबंधों का आकलन करने के लिए एक संयुक्त फ्रांसीसी-हैती ऐतिहासिक आयोग के गठन की घोषणा की। हालांकि, मैक्रों ने हैती की लंबे समय से चली आ रही क्षतिपूर्ति की मांगों को सीधे संबोधित नहीं किया।
राष्ट्रपति मैक्रों ने एक बयान में कहा, फ्रांस ने हैती के लोगों को भारी वित्तीय क्षतिपूर्ति के अधीन कर दिया। इस निर्णय ने एक युवा राष्ट्र की स्वतंत्रता पर एक कीमत लगाई, जो इस प्रकार अपने आरंभ से ही इतिहास की अन्यायपूर्ण ताकत का सामना कर रहा था।

म्यांमार नहीं थम रहे भूकंप के झटके

एजेंसी

वॉशिंगटन। म्यांमार के 28 मार्च को आए विनाशकारी भूकंप के बाद से लगातार धरती कांप रही है। आए दिन ही यहां भूकंप के झटके लग रहे हैं। यह ऐसे समय हो रहा है, जब देश 20 दिन पहले मध्य क्षेत्र में आए 7.7 तीव्रता के बड़े भूकंप की तबाही से जूझ रहा है। आज भी राहत व बचाव कार्य जारी है। लापता लोगों की तलाश जारी है। कई जगह मलबा फैला हुआ है।म्यांमार में लगातार भूकंप के झटके लग रहे हैं। आज यानी शुक्रवार को भी भूकंप का हल्का झटका लगा। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के एक बयान में बताया कि म्यांमार में 3.9 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप 10 किलोमीटर की गहराई में आया। इसे आफ्टरशॉक के लिए अतिसंवेदनशील श्रेणी में रखा गया। एक्स पर एक पोस्ट में एनसीएस ने कहा, रिक्टर पैमाने पर तीव्रता- 3.9, दिनांक- 18 अप्रैल 2025, समय- 02:57:43 आईएसटी, गहराई- 10 किमी, स्थान- म्यांमार।% इस बीच चिली में भी भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज (जीएफजेड) ने बताया कि गुरुवार को उत्तरी चिली में 5.7 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप का केंद्र 178 किलोमीटर (110.6 मील) की गहराई पर था।

मरने वालों की संख्या 4000 करीब, 5000 से ज्यादा लोग घायल

28 मार्च के भूकंप के बाद आए सैकड़ों झटकों में से इस भूकंप के कारण किसी बड़े नुकसान या हताहत होने की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। म्यांमार की सैन्य सरकार के प्रवक्ता मेजर जनरल जॉ मिन टुन के मुताबिक, शुक्रवार तक 28 मार्च के भूकंप में मरने वालों की संख्या 3,649 थी, जबकि 5,018 लोग घायल हुए थे।

मौजूदा मानवीय संकट और भी बदतर हुआ

संयुक्त राष्ट्र ने पिछले सप्ताह चेतावनी दी थी कि 28 मार्च को आए भूकंप से होने वाली क्षति म्यांमार में मौजूदा मानवीय संकट को और भी बदतर बना देगी। म्यांमार फिलहाल गृहयुद्ध से जूझ रहा है। इस वजह से पहले ही 30 लाख से अधिक लोग यहां से विस्थापित हो चुके हैं। भूकंप ने कृषि उत्पादन को बुरी तरह से प्रभावित किया है। कई चिकित्सा सुविधाओं के क्षतिग्रस्त या नष्ट होने से म्यांमार में स्वास्थ्य आपातकाल के हालात बन गए हैं।

इंटरगवर्नमेंटल नेगोशिएशंस अध्यक्ष बोले- भारत सीट का प्रमुख दावेदार

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में विस्तार की वकालत

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र। यूएनएससी में सुधारों पर इंटरगवर्नमेंटल नेगोशिएशंस के अध्यक्ष तारिक अलबनई ने कहा कि भारत आज वैश्विक मंच पर एक प्रमुख खिलाड़ी है। परिषद के सदस्यों की संख्या 21 से बढ़कर 27 की जाएगी, तो निश्चित रूप से भारत इसमें दावेदार होगा और व्यापक सदस्यता के निर्णय के अधीन होगा।
संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में विस्तार का मुद्दा एक बार फिर उठा है। यूएनएससी में सुधारों पर इंटरगवर्नमेंटल नेगोशिएशंस (इगड) के अध्यक्ष तारिक अलबनई ने कहा कि अगर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में विस्तार होता है तो भारत सीट का प्रमुख दावेदार होगा। उन्होंने कहा कि सुधार परिषद का लक्ष्य प्रतिनिधित्वपूर्ण होना चाहिए। भारत आज वैश्विक मंच पर एक प्रमुख खिलाड़ी है। संयुक्त राष्ट्र 193 देशों

का सदस्य है। यह विचार सभी के लिए और संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्यों के लिए प्रतिनिधित्वपूर्ण है।
अलबनई ने कहा कि यदि यह निर्णय लिया जाता है कि परिषद के सदस्यों की संख्या 21 से बढ़कर 27 की जाएगी, तो निश्चित रूप से भारत इसमें दावेदार होगा और व्यापक सदस्यता के निर्णय के अधीन होगा। सुधार की राह जटिल है, लेकिन हम आगे बढ़ने की दिशा में स्थिर और सार्थक कदम उठा रहे हैं।उन्होंने कहा कि 1965 में निर्वाचित सदस्यों की संख्या में वृद्धि के अलावा सुरक्षा परिषद का पहला दौर 80 वर्षों से अधिक समय तक चला है। सुधार के बाद परिषद जो भी रूप ले, उसे अगली सदी तक टिकने के लिए डिजाइन किया जाना चाहिए, जो समावेशिता, पारदर्शिता, दक्षता, प्रभावशीलता, लोकतंत्र और जवाबदेही के सिद्धांतों पर आधारित हो।विस्तारित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कितने सदस्य होने चाहिए, इसके जवाब में संयुक्त राष्ट्र में कुवैत के स्थायी प्रतिनिधि अलबनई ने कहा कि इस पर अभी तक कोई निर्णय नहीं हुआ है, लेकिन जो संख्या बताई जा रही है वह 21 से 27 सदस्य देशों के बीच है। उन्होंने कहा कि भारत का रुख हमेशा से ही टेक्स्ट-आधारित वार्ता की ओर जल्द से जल्द बढ़ने का रहा है।
अलबनई ने कहा कि वे इस सत्र में सदस्य देशों द्वारा दिखाई गई गति से उत्साहित हैं। सुधार की भावना के लिए साहस और रचनात्मकता दोनों की आवश्यकता होती है, और सभी प्रतिनिधिमंडलों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है क्योंकि हम सुरक्षा परिषद सुधार के मुख्य तत्वों पर आम सहमति बनाने के लिए काम कर रहे हैं।
अलबनई ने कहा कि वह यह नहीं बता सकते कि यह सुधार 2030 तक होगा या किसी अन्य वर्ष में। मैं इस बात को लेकर बहुत सकारात्मक हूं कि जो भी बाधाएं हैं, उन्हें तोड़ दिया जाना चाहिए, क्योंकि लोग समझ रहे हैं कि हमें कुछ अलग करने की जरूरत है और सदस्य देश यह समझ रहे हैं कि शांति और सुरक्षा, विकास और मानवाधिकारों सहित सभी मुद्दों से निपटने के लिए विश्व समुदाय के पास यही सहारा है। हम सभी एक बेहतर संयुक्त राष्ट्र बनाने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। सुरक्षा परिषद में सुधार की प्रक्रिया इसका एक अभिन्न अंग है।

सौरमंडल से बाहर जीवन के संकेत मिले

एजेंसी

वाशिंगटन। भारतवंशी खगोल वैज्ञानिक डॉ. निक्कू मधुसूदन ने दावा किया है कि उन्हें हमारे सौरमंडल से बाहर एक विशाल ग्रह पर जीवन के संकेत मिले हैं। ये अब तक के सबसे मजबूत संकेत हैं। यह ग्रह पृथ्वी से 120 प्रकाश वर्ष दूर एक तारे की परिक्रमा करता है। वैज्ञानिकों ने इसे 'के2-18बी' नाम दिया है।
भारतीय मूल के खगोल वैज्ञानिक डॉ. निक्कू मधुसूदन के नेतृत्व में शोधकर्ताओं की एक टीम ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि उन्हें हमारे सौरमंडल से बाहर एक विशाल ग्रह पर जीवन के संकेत मिले हैं। ये अब तक के सबसे मजबूत संकेत हैं। यह ग्रह पृथ्वी से 120 प्रकाश वर्ष दूर एक तारे की परिक्रमा करता है। वैज्ञानिकों ने इसे 'के2-18बी' नाम दिया है। उन्होंने कहा, हमारी टीम की सबसे अच्छी व्याख्या यह है कि यह ग्रह एक गर्म महासागर से ढका हुआ है और यहां सक्रिय रूप से जीवन है।

दूर के ग्रहों को करीब से देखा

2021 में मधुसूदन व उनके सहयोगियों ने प्रस्तावित किया कि उप-नेप्च्यून गर्म पानी के महासागरों से ढके हुए थे और हाइड्रोजन, मीथेन और अन्य कार्बन यौगिकों वाले वायुमंडल में लिपटे हुए थे। इन अजीब ग्रहों का वर्णन करने के लिए उन्होंने 'हाइड्रोजन' और 'महासागर' शब्दों के संयोजन से एक नया शब्द 'हाइसीन' गढ़ा। दिसंबर 2021 में जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप के लॉन्च ने खगोलविदों को उप-नेप्च्यून व अन्य दूर के ग्रहों को करीब से देखने का मौका दिया।

इस बाहरी ग्रह के वायुमंडल का विश्लेषण बताता है कि पृथ्वी पर एक अणु की प्रचुरता है, जिसका केवल एक ही ज्ञात स्रोत (समुद्री शैवाल) है। कैम्ब्रिज विवि के खगोलशास्त्री व नए अध्ययन के लेखक निक्कू मधुसूदन ने कहा, समय पूर्व यह दावा किसी के हित में नहीं है कि हमने जीवन का पता लगा लिया है, लेकिन हम इसके संकेतों के काफी नजदीक पहुंच चुके हैं, 'यह एक क्रांतिकारी क्षण' है। पहली बार मानवता ने रहने योग्य ग्रह पर जैविक लक्षण देखे हैं। यह शोध 'एस्ट्रोफिजिकल' जर्नल लेटर्स में छपा है। वैज्ञानिकों ने पाया कि 'के2-18बी' ग्रह में कई अणु हैं। उन्होंने एक अणु के फीके संकेत भी पाए व एक बहुत ही अहम अणु डाइमिथाइल सल्फाइड पाया है, जो सल्फर, कार्बन और हाइड्रोजन से बना है।जब कोई एक्सोप्लेनेट (सौर मंडल से बाहर का ग्रह) अपने मेजबान तारे के सामने से गुजरता है, तो उसका वायुमंडल प्रकाशित होता है।

लिटिल बुद्ध राम बहादुर बमजन यौन शोषण के मामले में निर्दोष साबित

काठमांडू। नेपाल में लिटिल बुद्ध के नाम से मशहूर आध्यात्मिक नेता राम बहादुर बमजन को जनकपुर हाई कोर्ट ने बाल यौन शोषण के एक मामले में बरी कर दिया है। जस्टिस खेमराज भट्ट और नरेंद्र भंडारी की खंडपीठ ने जिला अदालत के फैसले को दोषपूर्ण बताते हुए तर्क दिया कि तय सीमा की समाप्ति के बाद बमजन के खिलाफ मामला दायर किया गया था।लिटिल बुद्ध के नाम से मशहूर बमजन 2005 में भोजन या पानी के बिना ही महीनों तक ध्यान में रहने के बाद अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में आए थे। विदेशी मीडिया खास कर भारत के मीडिया में बमजन के बारे में लगातार खबर आने के बाद तपस्या करते बमजन का दर्शन करने दूर-दूर से लोग नेपाल के उस जंगल में जाने लगे।वह पिछले कुछ समय से अपने ही आश्रम में रहने वाले बालकों के यौन शोषण और अपने चार शिष्यों के गायब होने सहित विभिन्न आरोपों की जांच के घेरे में हैं।

जन्म से नागरिकता प्रतिबंधों पर रोक

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जन्म से नागरिकता प्रतिबंधों पर तीन जिला अदालतों से रोक लगाए जाने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने भी इसे रोक दिया है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर मई में दलीलें सुनने पर सहमति जताई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। अदालत ने ट्रंप के जन्म से नागरिकता प्रतिबंधों पर रोक लगा दी है। हालांकि, अदालत ने दलीलें सुनने पर सहमति जताई है। इस मुद्दे पर मई में दलीलें सुनी जाएंगी। अमेरिका में अवैध रूप से रहने वाले लोगों के बच्चों के लिए जन्म से नागरिकता समाप्त करने के ट्रंप के कार्यकारी आदेश को देश भर की तीन जिला अदालतों ने रोक दिया है। अपील अदालतों ने उन फैसलों में बदलाव करने से इनकार कर दिया है।
हालांकि, ट्रंप प्रशासन ने आदेशों को सीमित करने की कोशिश की थी, ताकि नीति को देश के कुछ हिस्सों या अधिकांश हिस्सों में लागू किया जा सके।ट्रंप के कार्यकारी आदेश को रोकने के लिए मुकदमा करने वाले राज्यों, अप्रवासियों और अधिकार समूहों ने जन्म से नागरिकता की समझ को अस्थिर करने का प्रयास करने का आरोप लगाया है, जिसे संशोधन के अपनाए जाने के बाद से स्वीकार किया गया है। यह मामला इस तर्क से कि व्यक्तिगत न्यायाधीशों के पास अपने फैसलों को राष्ट्रव्यापी प्रभाव देने की शक्ति नहीं है। इसके बजाय प्रशासन चाहता है कि न्यायाधीश ट्रंप की योजना को उन मुट्ठी भर लोगों और समूहों को छोड़कर सभी के लिए लागू होने दें, जिन्होंने मुकदमा किया है।

कई देशों से कहेंगे कि चीन से व्यापार घटाएं

टैरिफ पर यूएस की नई योजना

एजेंसी

वाशिंगटन। ट्रंप के मुख्य आर्थिक सलाहकार अन्य देशों से चीन के साथ घनिष्ठ संबंध रखने वाले देशों के साथ आयात पर द्वितीयक टैरिफ, अनिवार्य रूप से मौद्रिक दंड लगाने के प्रस्ताव पर विचार कर रहे हैं।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन टैरिफ पर बातचीत के अहम हिस्से के रूप में कई देशों से चीन के साथ व्यापार कम करने का आग्रह करने की तैयारी कर रहा है। उसकी योजना है कि वह चीनी विनिर्माण क्षमताओं को सीमित करने के लिए उपाय करें, ताकि बीजिंग को

तनाव के बीच व्यापार पर भरोसा जताया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इतालवी प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने बृहस्पतिवार को अमेरिका-यूरोपीय संबंधों को प्रभावित करने वाले व्यापार तनावों को हल करने के बारे में उम्मीद जताई है। व्हाइट हाउस में दोपहर के भोजन से पहले ट्रंप से मेलोनी ने कहा, मुझे यकीन है कि हम एक समझौता कर सकते हैं। इसलिए मैं यहां आई हूं। वहीं, ट्रंप ने कहा कहा, हमें यूरोप या किसी अन्य के साथ समझौता करने में बहुत कम समस्या होगी, क्योंकि हमारे पास कुछ ऐसा है, जो हर कोई चाहता है।

टैरिफ युद्ध के बीच चीन-मलयेशिया में 31 समझौत

अमेरिका के साथ टैरिफ युद्ध के बीच चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मलयेशिया यात्रा के दौरान दोनों देशों में कई समझौतों पर हस्ताक्षर हुए हैं। वियतनाम के बाद शी मलयेशिया पहुंचे हैं। उनकी यात्रा में कंबोडिया भी शामिल है। जिनपिंग ने यहां चीन-मलयेशियाई संबंधों के नए स्वर्ण युग की घोषणा भी की। मलयेशिया के राजा ने एआई सहित विभिन्न क्षेत्रों में चीन के साथ नए सहयोग की घोषणा की। मलयेशियाई संचार मंत्री फहमी फदजिल ने कहा, दोनों देशों में कुल 31 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए, जो इतिहास की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

ट्रंप का टैरिफ दरकिनार करने के तरीके खोजने से रोका जा सके। इस बीच, बृहस्पतिवार को अमेरिका व जापान मंत्रिस्तरीय वार्ता में अमेरिकी टैरिफ पर अधिक चर्चा के लिए सहमत हो गए हैं।जापान टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप के मुख्य आर्थिक सलाहकार अन्य देशों से चीन के साथ घनिष्ठ संबंध रखने वाले देशों के साथ आयात पर द्वितीयक टैरिफ, अनिवार्य रूप से मौद्रिक दंड लगाने के प्रस्ताव पर विचार कर रहे हैं।

ईरान-यूएस वार्ता से पहले सऊदी रक्षा मंत्री की तेहरान यात्रा

तेहरान। ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु कार्यक्रम को लेकर होने वाली वार्ता से ठीक पहले सऊदी अरब के रक्षा मंत्री प्रिंस खालिद बिन सलमान गुरुवार को आधिकारिक यात्रा पर तेहरान पहुंचे। इस महत्वपूर्ण दौरे के दौरान उन्होंने ईरानी सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई से मुलाकात की और सऊदी किंग सलमान बिन अब्दुलअजिज का विशेष संदेश सौंपा।ईरानी सरकारी मीडिया के अनुसार, खामेनेई ने इस मुलाकात के दौरान कहा कि, ईरान और सऊदी अरब के बीच संबंध दोनों देशों के लिए लाभकारी है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि तेहरान, रियाद के साथ रिश्तों को और बेहतर बनाने के लिए सभी बाधाओं को दूर करने के लिए तैयार है। गौरतलब है कि 2023 में चीन की मध्यस्थता से ईरान और सऊदी अरब ने एक ऐतिहासिक समझौते के तहत राजनयिक संबंधों को फिर से स्थापित किया था।

अमेरिकी पूर्व सैनिक ने बेलीज में किया विमान हाईजैक

लैंडिंग से पहले ही यात्री ने अपहरणकर्ता को मारी गोली

एजेंसी

मेक्सिको सिटी। अमेरिकी पूर्व सैनिक ने कोरोजल से सैन पेड्रो जा रहे एक छोटे यात्री विमान को हाईजैक कर लिया। उसने विमान में सवार चालक दल के दो सदस्यों और एक यात्री पर चाकू से हमला किया। हमले में तीनों घायल हो गए हैं। हालांकि, विमान की सुरक्षित लैंडिंग से पहले विमान में सवार एक यात्री ने उसे गोली मार दी। अमेरिका के पूर्व सैनिक ने बृहस्पतिवार (स्थानीय समयानुसार) को बेलीज में एक छोटे यात्री विमान को हाईजैक कर लिया। हालांकि, विमान की सुरक्षित लैंडिंग से पहले एक यात्री ने उसे गोली मार दी। बेलीज और अमेरिका के अधिकारियों ने विमान हाईजैक किए जाने की पुष्टि की। ट्रॉपिक एयर विमान में 14 यात्री और दो चालक दल के सदस्य सवार थे। विमान की सुरक्षित लैंडिंग के बाद बेलीज में पुलिस ने अपहरणकर्ता की पहचान अकिनीला टेलर के रूप में की। बेलीज के पुलिस आयुक्त चेस्टर विलियम्स ने कहा कि टेलर ने चाकू से विमान में सवार दो यात्रियों और एक पायलट पर हमला किया, जिससे तीनों घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। एक यात्री की हालत गंभीर है। उसके पीठ और फेफड़ों में चाकू लगा है। पुलिस प्रमुख ने कहा, हम उसके लिए दुआ कर रहे हैं, वह हमारा हीरो है।पुलिस आयुक्त विलियम्स ने बताया कि विमान के सुरक्षित उतरने से पहले एक यात्री ने टेलर को गोली मार दी। उसके पास लाइसेंसी बंदूक थी। हालांकि, बाद में यात्री ने बंदूक को पुलिस को सौंप दिया। विलियम्स के अनुसार, टेलर देश से बाहर जाना चाहता था।

हम ऐसी बेतुकी बातों को नजरअंदाज करते हैं

हाल ही में विवेक दहिया को एयरपोर्ट पर अपनी को-स्टार अनायरा गुप्ता के साथ स्पॉट किया गया। इस वजह से सोशल मीडिया में अफवाहें फैलने लगीं कि विवेक ने अपनी लाइफ में एक नई लड़की को शामिल कर लिया है।साथ ही यह भी कहा जाने लगा कि वह और दिव्यांका त्रिपाठी अपने नौ साल के शादीशुदा जीवन के बाद तलाक ले रहे हैं। इस खबर ने सोशल मीडिया और खबरों में हलचल मचा दी।विवेक दहिया ने दैनीक भास्कर से बात करते हुए इन अफवाहों पर अपनी प्रतिक्रिया दी और कहा कि यह सारी बातें गलत हैं। उन्होंने बताया, जब यह वीडियो वायरल हुआ, हम म्यूजिक वीडियो की शूटिंग कर रहे थे और टैक्सी में जा रहे थे। हम केरला में थे और तभी यह वीडियो आया। गाड़ी में चार लोग थे। किसी ने हमें यह वीडियो दिखाया और मैंने हंसी में कहा, ये क्या है? क्योंकि मैं एक सुंदर महिला के साथ एयरपोर्ट पर था, तो लोग ऐसी फालतू की बातें बना रहे हैं।विवेक ने कहा कि वह और दिव्यांका इन बेतुके खबरों को नजरअंदाज करते हैं और उनकी शादी में कोई संकट नहीं है। उन्होंने कहा, हम इस बारे में कुछ नहीं सोचते। यह सब झूठी खबरें हैं। हम दोनों खुश हैं और हम इसे हंसी में लेते हैं।विवेक का कहना था कि मीडिया के लोग जो कुछ भी कहें, वह उस पर ज्यादा ध्यान नहीं देते। हम पब्लिक फिगर हैं और लोग हमें देख रहे हैं, तो वे कुछ भी कह सकते हैं। लेकिन हम इसे एक एडल्ट की तरह नजरअंदाज करते हैं। हम दोनों एक-दूसरे को पूरी तरह सपोर्ट करते हैं।विवेक दहिया सिर्फ एक्टिंग में नहीं, बल्कि राइटिंग में भी गहरी रुचि रखते हैं। वह खुद को एक क्रिएटिव माइंड मानते हैं और अक्सर अपने विचारों को दूसरों के साथ शेयर करते हैं, खासकर दिव्यांका त्रिपाठी के साथ। उन्होंने एक मजेदार घटना भी शेयर की, जो उनके और दिव्यांका के बीच हुई थी।विवेक ने बताया, मैं लिखता हूं, मुझे नहीं पता ये मेरा टैलेंट है या सिर्फ एक स्किल, लेकिन मुझे ये बहुत पसंद है। मैं अक्सर अपने आइडिया दिव्यांका से शेयर करता हूं। एक बार क्या हुआ, दिव्यांका दोपहर में गहरी नींद में सो रही थी और अचानक मुझे एक आइडिया आया।मैं सोचने लगा कि अगर इस आइडिया को अब ही न शेयर किया, तो कहीं दिमाग से निकल न जाए। तो, मैंने दिव्यांका को उठाया और कहा- यार, ये आइडिया सुनो वह नींद में ही चौंकी और बोली, क्या हुआ, उठाके कौन ऐसे बोलता है? मैंने कहा, नहीं, मुझे जिम जाना है, लेकिन इस पर सोचना जरूरी था। अगर तुम मुझे ग्रीन सिग्नल दोगी, तो मैं इसे आगे बढ़ाऊंगा। दिव्यांका ने कहा, यह तो बहुत अच्छा है! बाद में मैंने कहा, अब तुम सो जाओ और मैं जिम निकल गया।

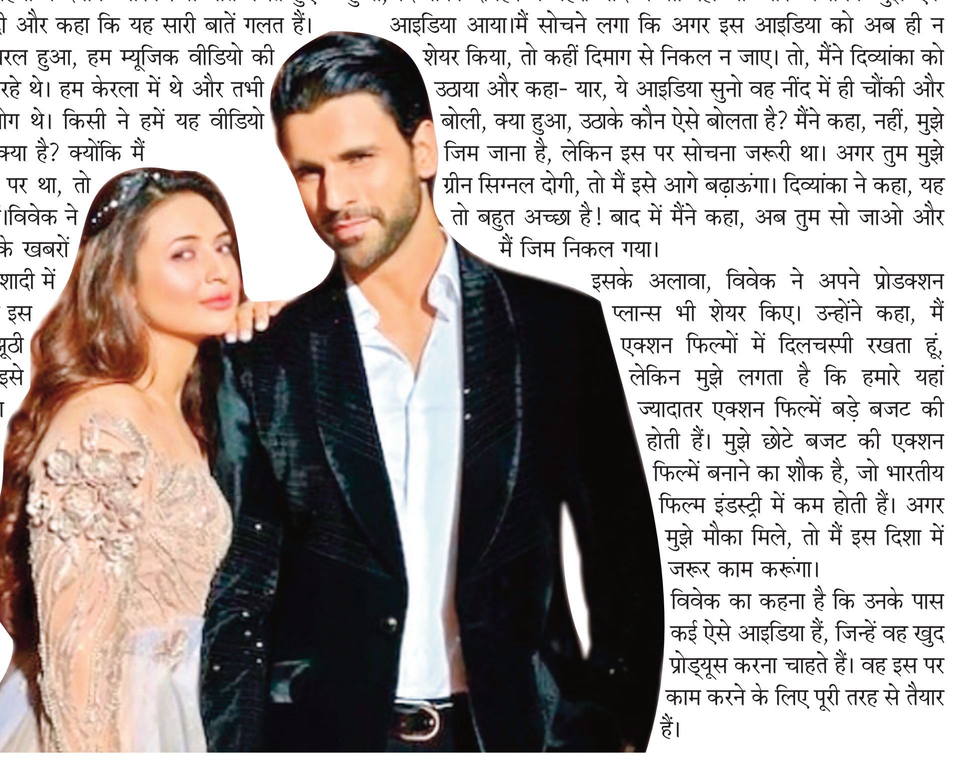

इसके अलावा, विवेक ने अपने प्रोडक्शन प्लान्स भी शेयर किए। उन्होंने कहा, मैं एक्शन फिल्मों में दिलचस्पी रखता हूं, लेकिन मुझे लगता है कि हमारे यहां ज्यादातर एक्शन फिल्में बड़े बजट की होती हैं। मुझे छोटे बजट की एक्शन फिल्में बनाने का शौक है, जो भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में कम होती हैं। अगर मुझे मौका मिले, तो मैं इस दिशा में जरूर काम करूंगा।

विवेक का कहना है कि उनके पास कई ऐसे आइडिया हैं, जिन्हें वह खुद प्रोड्यूस करना चाहते हैं। वह इस पर काम करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

सांस्कृतिक धरोहर के लिए प्रसिद्ध है पुरी

पुरी का प्रमुख आकर्षण है, जगन्नाथ मंदिर। यह मंदिर भगवान श्री कृष्ण के अवतार, जगन्नाथ जी को समर्पित है। यहाँ हर साल विशाल रथ यात्रा का आयोजन होता है, जिसमें लाखों श्रद्धालु भाग लेते हैं। यह रथ यात्रा पूरे विश्व में प्रसिद्ध है और हर साल जुलाई महीने में आयोजित होती है।

पुरी, भारत के ओडिशा राज्य में स्थित एक प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थल है। यह स्थान खासकर अपने ऐतिहासिक मंदिरों, खूबसूरत समुद्र तटों और सांस्कृतिक धरोहर के लिए प्रसिद्ध है। पुरी को जगन्नाथ की नगरी के नाम से भी जाना जाता है, क्योंकि यहां स्थित जगन्नाथ मंदिर हिन्दू धर्म के प्रमुख तीर्थ स्थलों में से एक है। पुरी न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह प्राकृतिक सौंदर्य और समृद्ध संस्कृति का भी संगम है।

जगन्नाथ मंदिर

पुरी का प्रमुख आकर्षण है, जगन्नाथ मंदिर। यह मंदिर भगवान श्री कृष्ण के अवतार, जगन्नाथ जी को समर्पित है। यहाँ हर साल विशाल रथ यात्रा का आयोजन होता है, जिसमें लाखों श्रद्धालु भाग लेते हैं। यह रथ यात्रा पूरे

विश्व में प्रसिद्ध है और हर साल जुलाई महीने में आयोजित होती है। जगन्नाथ मंदिर का इतिहास बहुत पुराना है, और यह हिंदू धर्म के चार प्रमुख धामों (बद्रीनाथ, द्वारका, ऋषिकेश और पुरी) में से एक माना जाता है।

पुरी समुद्र तट

पुरी के समुद्र तट को भारत के सबसे सुंदर समुद्र तटों में गिना जाता है। यहां का नीला पानी, सफेद रेत और ठंडी हवा पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती है। आप यहां सूर्योदय और सूर्यास्त का अद्भुत दृश्य देख सकते हैं। समुद्र में तैरने के साथ-साथ, पर्यटक बीच पर आकर सुखद समय बिता सकते हैं और विभिन्न जल क्रीड़ाओं का आनंद ले सकते हैं।

सुन्दरगड़ और चिलिका झील

पुरी के पास स्थित सुन्दरगड़ और चिलिका झील पर्यटकों के लिए एक और आकर्षण का केंद्र है। चिलिका झील एशिया की सबसे बड़ी ताजे पानी की झीलों में से एक है। यहाँ विभिन्न प्रजातियों के पक्षी रहते हैं और सर्दियों में यह एक प्रमुख पक्षी अभयारण्य बन जाता है। यहां बोटिंग का अनुभव भी बहुत रोमांचक होता है, खासकर जब आप झील के बीचो-बीच स्थित छोटे द्वीपों को देख सकते हैं।

सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर

पुरी के आसपास कई महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और ऐतिहासिक स्थल हैं, जैसे कि कोणार्क सूर्य मंदिर, जो यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है। यह मंदिर अपनी वास्तुकला और इतिहास के लिए प्रसिद्ध है। पुरी में अन्य मंदिर जैसे कि लिंगराज मंदिर, सुभद्रा मंदिर और गुंडिचा मंदिर भी दर्शनीय हैं। इन मंदिरों का अद्भुत स्थापत्य और धार्मिक महत्व पर्यटकों को आकर्षित करता है।

स्वादिष्ट भोजन

पुरी का भोजन भी खास है। यहां के लोकल व्यंजन, खासकर समुद्री भोजन, पर्यटकों के बीच लोकप्रिय हैं। पुरी के खास पकवानों में चूड़ा-घांटी, पानी पुरी, पिठा और भाजी शामिल हैं। इसके अलावा, जगन्नाथ महाप्रसाद (प्रसाद) भी यहां का प्रमुख आकर्षण है, जिसे श्रद्धालु बड़े श्रद्धा भाव से ग्रहण करते हैं।

शॉपिंग और हस्तशिल्प

पुरी में शॉपिंग भी एक महत्वपूर्ण गतिविधि है। यहां के हस्तशिल्प, खासकर कटक की साड़ी, पीतल के बर्तन, और चांदी के आभूषण पर्यटकों द्वारा खरीदी जाती है। इसके अलावा, पुरी के बाजारों में लकड़ी के भगवान के छोटे-छोटे मूर्तियां और हस्तनिर्मित शिल्प कला के अन्य सामान भी मिलते हैं।

यात्रा के लिए सबसे अच्छा समय

पुरी जाने का सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च तक है, जब मौसम ठंडा और आरामदायक होता है। गर्मी में यहां का तापमान काफी बढ़ सकता है, जिससे यात्रा में असुविधा हो सकती है।

पुरी न केवल एक धार्मिक स्थल है, बल्कि यह एक पर्यटन स्थल भी है, जो अपनी प्राचीन धरोहर, सांस्कृतिक महत्व, समुद्र तट, झीलों और स्वादिष्ट भोजन के लिए प्रसिद्ध है। यह स्थान हर किसी के लिए कुछ न कुछ खास पेश करता है, चाहे वह धार्मिक तीर्थ यात्री हो या एक साहसी यात्री जो प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेना चाहता हो।

आज की फिल्मों में नहीं हो पाऊंगी फिट

हेमा मालिनी को आखिरी बार साल 2020 में फिल्म शिमला मिर्ची में देखा गया था। एक्ट्रेस ने हाल ही में कहा कि उन्हें यकीन नहीं है कि वह आजकल बनने वाली फिल्मों में फिट बैठेंगी या नहीं।

हेमा मालिनी से हाल ही में एक पब्लिक आउटिंग के दौरान पूछा गया कि क्या वह फिल्मों में वापसी करने में इंटरेस्टेड हैं। जिसके जवाब में एक्ट्रेस ने कहा, 'आजकल जो फिल्में बनाते हैं, उनमें मैं फिट नहीं होती हूं। मेरे फिट होने जैसा कुछ बनना पड़ेगा, अलग से।'

हेमा मालिनी इंडस्ट्री में वापसी करेंगी?

इस दौरान हेमा मालिनी के साथ उनकी बेटी ईशा देओल भी नजर आईं। ईशा ने हेमा मालिनी के वापस इंडस्ट्री में आने और नया प्रोजेक्ट शुरू करने पर बात की। उनसे पूछा गया, 'क्या हेमा मालिनी को इंडस्ट्री में वापस आने के लिए कुछ समझाने की जरूरत है?' जिसके जवाब में ईशा ने कहा, 'मुझे लगता है कि वह कुछ ऐसा चाहती हैं जो उनके लिए ठीक हो।'

साल 1963 में की थी करियर की शुरुआत

बता दें, हेमा मालिनी ने साल 1963 में तमिल फिल्म इधु सथियम से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। फिर साल 1968 में फिल्म सपनों का सौदागर से बॉलीवुड इंडस्ट्री में डेब्यू किया। इसके बाद हेमा मालिनी ने बॉलीवुड में शोले, सत्ते पे सत्ता, सीता और गीता, कसौटी, त्रिशूल और महबूबा जैसी कई फिल्मों में काम किया।

किशोर कुमार ने मायके में छोड़ दिया

मधुबाला.. यह नाम 50 और 60 के दशक में सिल्वर स्क्रीन पर छाया हुआ था। उनकी खूबसूरती के जितने चर्चे थे, उतनी ही उनकी निजी जिंदगी भी हमेशा सुर्खियों में रही। अपने जीवन के दुखद पहलुओं के चलते उन्हें अक्सर ट्रेजेडी क्वीन कहा गया। अब हाल ही में उनकी बहन मधुर भूषण ने मधुबाला के जीवन और किशोर कुमार के साथ उनके प्रेम संबंधों के बारे में बात की।

फिल्मफेयर से बातचीत में बहन मधुबाला की बहन मधुर भूषण ने कहा, 'मधुबाला दिल की गंभीर बीमारी से पीड़ित थीं। जब उन्होंने और किशोर कुमार ने शादी के बारे में सोचा तब अब्बा (पापा) ने कहा था कि अभी शादी मत करो, पहले डॉक्टर से राय ले लो। लेकिन वे नहीं माने और 1960 में शादी कर ली।'

मधुर भूषण ने कहा, धीरे-धीरे उनकी (मधुबाला) की तबीयत जब और बिगड़ने लगी, तो किशोर भैय्या उन्हें

लंदन ले गए। हालांकि, डॉक्टरों ने साफ कह दिया था कि इनका दिल अब काम नहीं कर रहा है। और वो दो साल से ज्यादा नहीं जी पाएंगी।'

मधुर भूषण ने आगे बताया, 'किशोर भैय्या उस समय अपने करियर की बुलंदियों पर थे। ऐसे में वह उन्हें (मधुबाला) को हमारे घर छोड़ गए थे। उन्होंने (किशोर) कहा था कि वो बीमार है। उन्हें देखभाल की जरूरत है, जबकि मुझे काम करना है। मैं वक्त नहीं दे पाऊंगा। इतना ही नहीं किशोर भैय्या ने आगे कहा कि मैंने अपनी तरफ से पूरी कोशिश की। उसे लंदन ले गया। लेकिन डॉक्टरों ने कह दिया है कि वो नहीं बचेगी। इसमें मेरी क्या गलती है?'

मधुर ने कहा, 'हम यह नहीं कह रहे कि वह (किशोर) गलत थे। डॉक्टर्स ने आपा (मधुबाला) को साफ कह दिया था कि अब वह शारीरिक संबंध नहीं बना सकतीं और बच्चे नहीं पैदा कर सकतीं। लेकिन फिर भी एक महिला के तौर पर उन्हें भी इमोशनल सहारे की जरूरत होती है।'

मधुर की मानें तो किशोर कुमार बहुत कम मधुबाला से मिलने आते थे। इतना नहीं उनकी कॉल का भी जवाब नहीं देते थे, जिस कारण मधुबाला को जलन होने लगी। शायद इसी अकेला पन के एहसास ने उन्हें मार डाला था। बता दें, फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने के कुछ ही समय बाद मधुबाला का नाम दिलीप कुमार से भी जुड़ा था। हालांकि, यह रिश्ता ज्यादा समय तक नहीं टिक सका।

टाइगर जिंदा है और हमेशा रहेगा

अक्षय कुमार इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म केसरी 2 को लेकर चर्चा में हैं। इसी बीच उन्होंने सलमान खान के काम की तारीफ की और एक्टर को सपोर्ट किया है। सिकंदर के रिलीज होने के बाद सलमान को ट्रोल किया जा रहा था। कोई कह रहा था कि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कमाल नहीं दिखा पा रही। तो कई लोग कह रहे थे कि सलमान खान अब बूढ़े हो गए हैं। इन्हीं सब पर अब अक्षय ने ट्रोलर्स की फटकार लगाई है।

सलमान टाइगर है और हमेशा रहेगा- अक्षय: अक्षय से हिंदुस्तान टाइम्स से बातचीत में पूछा गया कि आज कल बड़े स्टार्स की फिल्में नहीं चल रही हैं। सलमान खान की 'सिकंदर' भी नहीं चली। इस पर आपका क्या कहना है?' अक्षय ने जवाब में कहा, 'यह गलत बात है। ऐसा हो ही नहीं सकता है। टाइगर जिंदा है और हमेशा रहेगा। सलमान एक ऐसी नसल का टाइगर है जो जिंदगी

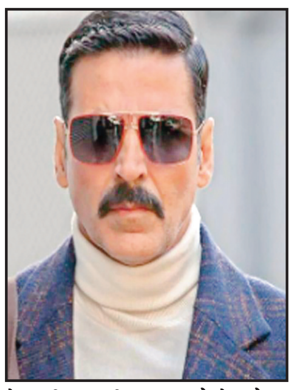

में कभी मर नहीं सकता। वो मेरा दोस्त है, वो हमेशा रहेगा।'

सोशल मीडिया पर फैंस ने की अक्षय की तारीफ: अक्षय कुमार का सलमान खान को सपोर्ट करना फैंस को काफी पसंद आ रहा है। सोशल मीडिया पर फैंस अक्षय की काफी तारीफ कर रहे है। साथ ही दोनों की दोस्ती को लेकर भी काफी बातें हो रही है। यूजर कमेंट कर के दोनों को फिर से साथ काम करने लिए भी कह रहे हैं।

फिल्म केसरी 2 में नजर आएंगे अक्षय

अक्षय कुमार की अपकमिंग फिल्म केसरी 2 की बात करे तो यह फिल्म 18 अप्रेल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म केसरी 2 के चलते अक्षय कुमार प्रमोशनल इवेंट से बिजी हैं। फिल्म में अक्षय के अलावा आर माधवन और अनन्या पांडे भी नजर आएंगे।

'सिकंदर' का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन: वहीं, बात करें सलमान खान और रश्मिका मंदाना की 'सिकंदर' की तो यह 30 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। पहले दिन इस फिल्म ने 26 करोड़ रुपए की कमाई की थी। अब इस फिल्म को रिलीज हुए 17 दिन हो गए हैं। 17 दिनों में 'सिकंदर' ने 100 करोड़ रुपए का आंकड़ा पार कर दिया है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने 109.56 करोड़ रुपए की कमाई कर डाली है।

रजनीकांत के साथ नजर आएंगे आमिर खान

आमिर खान पहली बार साउथ एक्टर रजनीकांत और नागार्जुन के साथ नजर आएंगे। आमिर अब बॉलीवुड के बाद साउथ इंडस्ट्री में भी डेब्यू कर रहे हैं। एक्टर जल्द ही साउथ की फिल्म कुली में रजनीकांत और नागार्जुन के साथ नजर आने वाले हैं। रजनीकांत की फिल्म कुली काफी बज में है। इस फिल्म में रजनीकांत, नागार्जुन के अलावा कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री के एक्टर उपेंद्र भी नजर आएंगे। उपेंद्र ने फिल्म में आमिर की एंट्री कंफर्म की है। इस फिल्म में आमिर खान कैमियो रोल में नजर आएंगे।

कन्नड़ एक्टर ने बताया आमिर हैं फिल्म का हिस्सा

कन्नड़ एक्टर उपेंद्र राव ने हाल ही में अपनी फिल्म 45 को प्रमोट करते टाइम अपकमिंग फिल्म कुली के बारे में भी बात की। इस दौरान एक्टर ने रजनीकांत के साथ काम करने का एक्सपीरियंस भी शेयर किया। उन्होंने बताया कि फिल्म कुली में आमिर खान की भी एंट्री होने वाली है। हालांकि वह बस कैमियो रोल में दिखेंगे।

रजनीकांत के साथ काम मिलने से खुश हैं उपेंद्र

उपेंद्र अपनी फिल्म 45 को प्रमोट करने के लिए हैदराबाद में थे। इस दौरान उन्होंने रजनीकांत की फिल्म कुली के बारे में बात करते हुए बताया कि उन्होंने रजनीकांत की वजह से ही फिल्म के लिए हां कही। उन्होंने रजनीकांत को द्रोणाचार्य बताया और खुद को एकलव्य। एक्टर ने कहा, 'मैंने कुछ और नहीं मांगा। लोकेश (डायरेक्टर) आए और कहानी सुनाई, लेकिन रजनीकांत के साथ खड़े होना ही मेरे लिए काफी है। वो मेरे लिए द्रोणाचार्य हैं। मैं शुक्रगुजार हूं।'

कुली 14 अगस्त 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी

लोकेश कनगराज द्वारा निर्देशित फिल्म कुली 14 अगस्त 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म कुली में रजनीकांत नेगेटिव रोल में दिखाई देंगे। इस फिल्म में रजनीकांत के अलावा उपेंद्र राव लीड रोल में नजर आएंगे।

फैमिली फंक्शन में स्टाइल करें ये प्रिंटेड साड़ियां

अगर आप किसी फैमिली फंक्शन में शामिल होने का प्लान कर रही हैं और बेस्ट लुक पाना चाहती हैं। तो आप कुछ साड़ियों को अपने वार्डरोब में शामिल कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ साड़ी ऑप्शन के बारे में बताने जा रहे हैं।

महिलाएं कई सारे फंक्शन में साड़ी पहनना पसंद करती हैं। साड़ी में आप न सिर्फ खूबसूरत नजर आती हैं, बल्कि इससे आपका लुक भी अट्रैक्टिव नजर आता है। हालांकि साड़ी में आपको कई सारी डिजाइन्स मिल जाएंगी, जिनको आप फंक्शन के हिसाब से स्टाइल कर सकती हैं। ऐसे में अगर आप किसी फैमिली फंक्शन में शामिल होने का प्लान कर रही हैं और बेस्ट लुक पाना चाहती हैं। तो आप कुछ साड़ियों को अपने वार्डरोब में शामिल कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ साड़ी ऑप्शन के बारे में बताने जा रहे हैं।

मल्टी कलर ऑर्गेंजा साड़ी

फैमिली फंक्शन में बेस्ट और स्टाइलिश लुक पाने के लिए ऑर्गेंजा साड़ी वियर कर सकती हैं। इस साड़ी में आपका लुक बेहद खूबसूरत नजर आएगा। इस साड़ी में ऑर्गेंजा फैब्रिक है, जिसको

आप किसी भी फैमिली फंक्शन में स्टाइल कर सकती हैं। आप ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों ही जगहों से 1000 से 1500 तक की कीमत में खरीद सकते हैं। इस तरह की साड़ी के साथ आप पर्ल वाली ज्वेलरी के साथ फुटवियर में हील्स पहन सकती हैं।

प्रिंटेड साटन साड़ी

अगर आप लाइट कलर में साड़ी पहनने की सोच रही हैं, तो आप प्रिंटेड साटन साड़ी का चुनाव कर सकती हैं। इस साड़ी को स्टाइल करके आप भीड़ से अलग नजर आएंगी। इस साड़ी में आपको कई कलर ऑप्शन मिल जाएंगी। इसको आप स्लीवलेस ब्लाउज के साथ कैरी कर सकती हैं। आप इसके साथ मिरर वर्क वाली ज्वेलरी स्टाइल कर सकती हैं। वहीं आप हील्स पहन सकती हैं।

फ्लोरल प्रिंट साड़ी

अगर आप भी सिंपल और अट्रैक्टिव लुक पाना चाहती हैं, तो आपको फ्लोरल प्रिंट साड़ी वियर कर सकती हैं। इन दिनों यह साड़ी काफी ट्रेंड में हैं और इसमें आपका लुक बेहद प्यारा लगेगा। आप इस तरह की फ्लोरल प्रिंट साड़ी का चुनाव फैमिली फंक्शन में स्टाइल करने के लिए कर सकती हैं। इस साड़ी में स्टाइलिश लुक पाने के लिए गोल्ड प्लेटेड ज्वेलरी के साथ झुमके स्टाइल कर सकती हैं।

भारतीय कपल्स बिना वीजा के इन देशों की कर सकते हैं यात्रा

अगर आपके पास सिर्फ पासपोर्ट है तो आप बिना वीजा के कई देशों में घूम सकते हैं। यह ऐसे देश हैं, जहां पर भारतीय नागरिक बिना वीजा के यात्रा कर सकते हैं। या फिर वीजा ऑन अराइवल की सुविधा प्राप्त कर सकते हैं। यह देश न सिर्फ खूबसूरत है, बल्कि कपल्स यहां पर खास एक्सपीरियंस कर सकते हैं।

अगर आप भी अपने पार्टनर के साथ रोमांटिक गेटअवे या हनीमून पर देश के बाहर जाने का प्लान बना रहे हैं। लेकिन वीजा की दिक्कतों और कागजी कामों के चलते प्लान कैंसिल करने की सोच रहे हैं। तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। अगर आपके पास सिर्फ पासपोर्ट है तो आप बिना वीजा के कई देशों में घूम सकते हैं। यह ऐसे देश हैं, जहां पर भारतीय नागरिक बिना वीजा के यात्रा कर सकते हैं। या फिर वीजा ऑन अराइवल की सुविधा प्राप्त कर सकते हैं। यह देश न सिर्फ खूबसूरत है, बल्कि कपल्स यहां पर खास एक्सपीरियंस कर सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उन देशों के बारे में बताने जा

रहे हैं, जहां पर आप वीजा फ्री एंट्री कर सकते हैं।

वीजा फ्री देश

अगर आपके पास भारतीय पासपोर्ट है, तो आप 57 देशों में वीजा फ्री एंट्री कर सकते हैं। दरअसल, हेनली पासपोर्ट पावर इंडेक्स के मुताबिक भारतीय पासपोर्ट 122वें स्थान पर है। जिसके जरिए भारतीय नागरिक 57 देशों में वीजा फ्री यात्रा कर सकते हैं। तो आइए जानते हैं वह 57 देश कौन से हैं, जहां पर आप वीजा के बिना यात्रा कर सकते हैं।

टाइम, वीकेंड पर बनाएं प्लान

बारबाडोस, भूटान, बोलीविया, ब्रिटिश वर्जिन आइसलैण्ड्स, बुरुन्दी, कंबोडिया, गिनी-बिसाऊ, आइलैंड्स, जिबूटी, जमैका, जॉर्डन, कजाखस्तान, केन्या, कोमोरो द्वीप, कुक, इथियोपिया, फिजी, ग्रेनेडा, मेडागास्कर, मलेशिया, मालदीव, तंजानिया, थाईलैंड, तिमोर-लेस्ते, त्रिनिदाद और टोबैगो, हैती, इंडोनेशिया, ईरान, किरिबाती, लाओस, मकाओ (एसएआर चीन), म्यांमार, नेपाल, नियू, पलाऊ द्वीप समूह, कतर, डोमिनिका, मार्शल द्वीपसमूह, मॉरिटानिया, मॉरीशस, समोआ, सेनेगल, सेशल्स, सेरा लिओन, सोमालिया, माइक्रोनेशिया, मोंटेसेराट, मोजाम्बिक, रवांडा, केप वर्डे द्वीप समूह, श्रीलंका, सेंट किट्स और नेविस, सेंट लूसिया, सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस, तुवालू, वानुअतु, जिम्बाब्वे।

किन देशों में कितने दिन का फ्री है वीजा

मालदीव

मालदीव में बिना वीजा के 30 दिन रह सकते हैं। यहां पर सफेद रेत, क्रिस्टल क्लियर पानी और शानदार रिजॉर्ट्स हैं। यह भारतीय कपल्स के घूमने के लिए परफेक्ट हनीमून डेस्टिनेशन है।

भूटान

भूटान में बिना वीजा के 14 दिनों तक स्टे की अनुमति है। भूटान की प्राकृतिक सुंदरता, शांति और सांस्कृति भारतीयों के लिए आकर्षक बनाती है। भूटान का हैप्पिनेस इंडेक्स भी बहुत फेमस है।

नेपाल

नेपाल में बिना वीजा के भारतीय 90 दिनों तक घूम सकते हैं। हिमालय की गोद में बसा यह देश भारतीय कपल्स के लिए बेहतरीन जगह है। नेपाल में आप ट्रैकिंग और पर्वतीय पर्यटन का अनुभव ले सकते हैं।

दुबई, UAE

दुबई में घूमने के लिए आप 14 दिन के लिए वीजा ऑन अराइवल की सुविधा ले सकते हैं। दुबई एक ग्लैमरस शहर है। यहां पर शानदार आर्किटेक्चर, शॉपिंग मॉल्स और बीबैक बीचेस हैं।

सेशेल्स

सेशेल्स में बिना वीजा के भारतीय लोग 30 दिन रह सकते हैं। यह एक उष्णकटिबंधीय स्वर्ग है, जहां पर शानदार समुद्र तट, नदियां और अनोखे दृश्य देखने को मिलेंगे। भारतीय कपल्स के लिए यह एक रोमांटिक डेस्टिनेशन है।

कंबोडिया

कंबोडिया में 30 दिनों तक वीजा ऑन अराइवल है। यहां पर कई ऐतिहासिक स्थल जैसे अंगकोर वाट आदि भारतीय कपल्स के लिए एक अद्भुत अनुभव प्रदान करते हैं।

म्यांमार (बर्मा)

म्यांमार के लिए 28 दिनों तक वीजा ऑन अराइवल है। यह एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से समृद्ध देश है। यहां पर भारतीय कपल्स खूबसूरत मंदिर और ऐतिहासिक स्थलों की सैर कर सकती हैं।

तुर्की

तुर्की में भारतीय कपल्स 90 दिन तक वीजा ऑन अराइवल के स्टे कर सकते हैं। तुर्की में आप सांस्कृतिक धरोहर और प्राचीन सभ्यताओं को देख सकते हैं। वहीं खूबसूरत समुद्र तट पर कपल्स रोमांटिक डिनर डेट का लुत्फ ले सकते हैं।

हांगकांग

हांककांग भी ऐसा देश है, जो भारतीयों को 14 दिन तक बिना वीजा के रहने की अनुमति है। यहां की संस्कृति, शॉपिंग, शानदार भोजन और नाइटलाइफ कपल्स की ट्रिप को रोमांचक बना देती है।

मलेशिया

मलेशिया में भी घूमने के लिए आप 30 दिन तक बिना वीजा के घूम सकते हैं। यह एक विविधतापूर्ण देश है, जहां पर प्राकृतकि पार्क, समुद्र तट और शहरी जीवन का बेहतरीन मिश्रण देखने को मिलेगा।

बेसन और टमाटर की चटनी खा लिए, तो सब्जी का स्वाद भूल जाएंगे

अगर आपको चटपटा खाने का काफी शौक है और आप रोज-रोज बोरिंग सब्जियां खाकर पक गए हैं, तो आपके लिए इस लेख में हम लेकर आएं चटनी की रेसिपी, जो स्वाद में बेहद ही कमाल की है। तो बिना देर किए आपको इसकी रेसिपी बताते हैं।

रोजाना एक जैसा खाना खाकर हम सभी बोर हो जाते है। ऐसे में आप कुछ नया और झटपट से बनने वाली है। अगर आप घर पर बेसन वाली टमाटर की चटनी बनाएंगे, तो लोग इसे जरुर पसंद करेंगे। यह स्वाद में बेहद ही चटपटी है कि देखकर ही मुंह में पानी आ जाता है। इस चटनी को आप रोटी या पराठे के साथ खा सकते हैं। तो चलिए बिना देर किए आपको इसकी रेसिपी बताते हैं।

बेसन और टमाटर की चटनी की सामग्री

- टमाटर- 4 बारीक कटे हुए
- बेसन- 2 छोटे चम्मच
- तेल- 2 चम्मच
- राई- आधा चम्मच
- हींग- 1 चुटकी
- सूखी लाल मिर्च- 2
- करी पत्ता- 5
- हरी मिर्च- 1 बारीक कटा हुआ
- लाल मिर्च पाउडर- आधा छोटा चम्मच
- नमक- स्वादानुसार
- हरा धनिया- गार्निश करने के लिए
- पानी- जरूरत के हिसाब से

बेसन और टमाटर की चटनी बनाने की विधि

- सबसे पहले आप सभी सामग्रियों को तैयार कर लें। अब कड़ाही में 1 चम्मच तेल गर्म करें और बेसन डालकर हल्की आंच पर भूनें।
- इसको आप लगातार चलाते हैं, ताकि बेसन जले नहीं। खुशबू आने लगे तो एक प्लेट या कटोरे में निकाल लें। फिर से उसी कड़ाही में बचा हुआ तेल गर्म करें।
- तेल गर्म हो जाए तो इसमें हींग, करी पत्ता, साबुत लाल मिर्च और हरी मिर्च डालें। कुछ सेकंड के लिए भूनें और राई चटकने का इंतजार करें।
- इसमें अब कटे हुए टमाटर डालें और नमक, हल्दी, लाल मिर्च पाउडर मिलाएं। इसे ढककर 5-7 मिनट पकाएं जब तक टमाटर गल जाएं और मसाला को गाढ़ा हो जाए।